मंगलवार
01 अक्टूबर 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

बोले शत्रुघ्न सिन्हा... मजबूत बनकर उभरेगा इंडिया गठबंधन

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

56 साल में पहली बार कोसी बराज से रिकॉर्ड 6.61 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हुआ, गंडक बराज से 5.62 लाख क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज हुआ

बिहार के 20 जिलों में बाढ़ से बढ़ा जान-माल का खतरा

एजेंसी/पटना

जल संसाधन विभाग के मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि पहली बार ऐसा हुआ है कि पूरे नेपाल में एक साथ इतनी बारिश हुई। इस कारण नेपाल की सभी नदियां उफान पर आ गईं। बिहार की कोसी, बागमती, गंडक और उत्तर की अन्य नदियों की बाढ़ से कठिन परिस्थितियों उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि इस साल 2024 में नेपाल के कोसी बैराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण नदी का जलस्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया है, जिससे बिहार के कई हिस्सों में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो गया है। सूबे के 20 जिलों में बाढ़ के कारण जान-माल, मवेशियों, मकान और संपत्ति की रक्षा करना राज्य सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। आलम ऐसा हुआ कि 56 साल में पहली बार कोसी बराज से रिकॉर्ड 6.61 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हुआ। वहीं गंडक बराज से 21 साल में पहली बार रिकॉर्ड 5.62 लाख क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज हुआ। इस कारण कोसी, गंडक बागमती, महानंदा और अन्य नदियां उफनाने लगीं। अब तक सात तटबंध पानी के तेज बहाव में ध्वस्त हो चुके हैं। करीब 60 से 70 घंटे तक लगातार बारिश हुई। मंत्री चौधरी ने कहा कि इस साल बाढ़ की विशेष परिस्थिति उत्पन्न हुई है। बरसात का मौसम ही बाढ़ का मौसम होता है। जल संसाधन विभाग ने हर साल की भांति इस बार भी बाढ़ के पूर्व की तैयारी की थी। पिछले तीन-चार साल से कम बारिश हुई। इस बार अच्छे बारिश का अनुमान था। हमारे यहां मानसून से ज्यादा नेपाल की बारिश का प्रभाव पड़ा हैं। इस बार ऐसी स्थिति बनी कि नेपाल में करीब 60 से 70 घंटे तक लगातार बारिश हुई। विभाग ने पूवार्नुमान लगाया और सभी जिलाधिकारी को अलर्ट कर दिया था। लेकिन, अनुमान से अधिक बारिश हुई। नतीजा यह हुआ कोसी और गंडक उफना गई। यह 50 घंटे काफी चुनौतीपूर्ण बीते। 56 साल में सबसे अधिक पानी कोसी में आया हैमंत्री ने कहा कि लगातार बाढ़ के हालत की निगरानी की गई। लेकिन, पानी का दबाव ही इतना था कि पिछले कई सालों का रिकॉर्ड ही टूट गया। सारे रिकॉर्ड टूट गए। 56 साल में सबसे अधिक पानी कोसी में आया है। मंत्री ने कहा कि पहली बार ऐसा हुआ कि कोसी का पानी बराज के गेट के ऊपर से पानी निकल रहा था।

सभी अधिकारियों को अलर्ट रहने का दिया निर्देश

मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि हमारे अधिकारी हर जगह अलर्ट है। इस समय को अभी अंत नहीं मान रहे हैं। क्षेत्रीय पदाधिकारियों को भी अलर्ट कर दिया गया है। जब सारी तैयारी के बावजूद सारे रिकॉर्ड टूट गए तो कुछ भी हो सकता है। इसीलिए सभी अधिकारियों को अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। इस बार के हमारे अनुभव ने हमें यह सीख दी है कि हमारे तटबंधों को मजबूत करना होगा। आगे इससे भी अधिक जलस्त्राव हो सकता है इसीलिए हमें हर समय तैयार रहना होगा।

पूर्वी चंपारण के सुगौली में रिंग बांध टूटा

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के सुगौली में सीकहरना नदी का रिंग बांध टूट गया है। बांध टूटते ही आसपास के इलाकों में तेजी से फैलने लगा। ग्रामीणों के बीच हड़कंप मच गया। उत्तरी सुगाव पंचायत के मुखिया रंजीत झा ने बताया कि गोडिगंवा के वार्ड नम्बर के समीप पानी की तेज बहाव के कारण सीकरहना नदी का रिंग बांध टूट गया।इसकी सूचना सीओ और जिला प्रशासन को दे दी गई है। दोपहर के बाद सिकरहना नदी में बाढ़ के दवाब मे बढ़ोतरी के कारण यह घटना हुई।रिंग बांध के टूटने से होकर पानी की तेज धारा निकलने लगी है। ग्रामीणों ने भी बताया कि सोमवार को दो बजे के बाद सिकरहना नदी के बाढ़ के पानी दवाब से करीब तीस फीट रिंग बांध टूट गया है।और नदी से पानी का तेज बहाव सरेही इलाको में हो रहा है। पानी में डूबने से धान की तैयार फसलों का हो भारी नुकसान सकता है।

कार्यपालक अभियंता निलंबित, लापरवाही बरतने का आरोप

बेतिया। बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के बगहा में गंडक का तटबंध क्षतिग्रस्त होने के मामले में कर्तव्य में लापरवाही एवं उदासीनता को लेकर बगहा के बाढ़ नियन्त्रण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता निशिकांत कुमार को निलंबित कर दिया गया है। जल संसाधन विभाग के अपर सचिव नवीन ने बताया कि गंडक के बाएं तटबंध 4.50 पर क्षतिग्रस्त हो गया है। उन्होंने बताया तटबंध के क्षतिग्रस्त होने के मामले में कार्य मे लापरवाही बरतने एवं जिला प्रशासन से सही समन्वय स्थापित नहीं करने के आरोप में बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल बगहा के कार्यपालक अभियंता निशिकांत कुमार को निलंबित कर दिया गया है।

पश्चिम चंपारण के दो दर्जन गांवों में फंसे लोग

बेतिया। पश्चिम चंपारण के योगापट्टी और बैरिया प्रखंड के दियारा इलाके में अचानक आई बाढ़ में खुटवनिया जलरपुल, सिसवा मंगलपुर, नवलपुर, ढढ़वा,लौरिया, गौनाहा, चमुखा तथा हरपुर मुजौना पंचायत के दो दर्जन गांवों के लोग फंसे हुए हैं। लौंरिया रामनगर मुख्य मार्ग पर बाढ का पानी बह रहा है। रामनगर रोड़ में लौरिया लचका पर दो फिट पानी बह रहा है। साहु जैन स्टेडियम स्कुल अशोक स्तंभ परिसर पुरी तरह जलमग्न हो चुका है, लोग परेशान हैं। पानी तेजी से बढ़ रहा है। वहीं प्रशासन की ओर से 300 से ज्यादा परिवारों को रेस्क्यू करके बाहर निकाल लिया गया है। फिलहाल 600 के आसपास यहां लोगों की फंसे होने की संभावना है।

7000 हेक्टेयर में लगाई गई फसलों को क्षति

दरभंगा। दरभंगा के तीन प्रखंड बाढ़ से प्रभावित दिखाई पड़ रहे है। कुल तीन प्रखंडों में लगभग 50 से ज्यादा गांव के लगभग एक लाख लोग प्रभावित बताए जा रहे हैं। डीएम ने पीड़ित लोगों के लिए फूड पैकेट की तैयारी की जा रही है। बाढ़ से कुल 7000 हेक्टेयर में लगाई गई फसल के नुकसान का अंदाजा लगाया जा रहा है। इन इलाकों के किसानों के फसल क्षति का आकलन पानी निकलने के बाद किया जाएगा। वही जिला कृषि पदाधिकारी विपिन बिहारी सिन्हा ने बताया कि पानी निकलने के बाद प्रभावित इलाके का सर्वेक्षण किया जाएगा। जिन किसानों के 35 प्रतिशत से ज्यादा फसलों का नुकसान हुआ होगा। उन्हें मुआवजा दिया जाएगा।

जान जोखिम में डालकर स्कूल जाते दिखे शिक्षक

दरभंगा। नेपाल में हुई भारी बारिश का असर दरभंगा जिला में साफ साफ दिखने लगा है। जमालपुर के भूभौल गांव में देर रात कोसी के तटबंध के टूटने के बाद दर्जनो गांव में बाढ़ का पानी घुस गया है जिससे ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित दिखने लगा है। बाढ़ ग्रस्त इलाके के तिकेश्वरस्थान थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक अपनी जान को जोखिम में डालकर मूल्यांकन करने अपने स्कूल निकल पड़े है।

मणिपुर में छह महीने के लिए बढ़ाया गया अफस्पा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मणिपुर में सशस्त्र बल अधिनियम (अफस्पा) के क्रियान्वयन को अगले छह महीने के लिए बढ़ा दिया। हालांकि इंफाल घाटी के अंतर्गत आने वाले 19 थाना क्षेत्रों और असम की सीमा से लगे एक क्षेत्र को इससे बाहर रखा गया है। एक अक्तूबर से राज्य के तमाम हिस्सों में लागू होगा अफस्पाराज्य सरकार के गृह विभाग ने एक अधिसूचना में बताया कि यह विस्तार एक अक्तूबर से लागू होगा। अधिसूचना में कहा गया है, राज्य में मौजूदा कानून एवं व्यवस्था की स्थिति का विश्लेषण करने के बाद राज्य सरकार की राय है कि जमीनी स्तर पर विस्तृत आकलन करना उचित नहीं है।

नोट पर बापू की जगह अनुपम खेर की तस्वीर, 1.30 करोड़ की ठगी

एजेंसी/अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में एक बड़े फजीर्वाड़े का खुलासा हुआ है। यहां जालसाजों ने एक कारोबारी को 1.30 करोड़ का नकली नोट देकर दो किलो सोना ठग लिया और मौके से फरार हो गए। कारोबारी को इस बात की भनक तब लगी जब उसने नोटों के बंडल को खोलकर देखा। नोट पर बापू की जगह अनुपम खेर की तस्वीर लगी थी। दरअसल, करोडों का सोना खरीदने के लिए जालसाजों ने फर्जी कंपनी बनाई और कारोबारी को झांसे में ले लिया। कारोबारी मेहुल ठक्कर के पास बीते 23 सितबर को लक्ष्मी ज्वेलर्स का फोन आया। दो किलो सौ ग्राम सोना खरीदने की बात कहते हुए उसका दाम पूछा गया। 1.60 करोड़ रुपए में डील फाइनल हो गई। अगले दिन 24 सितंबर को लक्ष्मी ज्वेलर्स के मैनेजर ने मेहुल ठक्कर के पास फिर से फोन किया और कहा कि

पार्टी को तुरंत सोना चाहिए लेकिन आरटीजीएस काम नहीं कर रहा है। ऐसे में सोने के एवज में वह सिक्योरिटी मनी देंगे और दूसरे दिन आरटीजीएस के जरिए पैसे भेज दिए जाएंगे। सोना खरीदने वाले ने एक आंगड़िया फर्म का पता बताया और कहा कि वहीं पर लेनदेन होगा। जिसके बाद स्वर्ण कारोबारी ने अपने स्टाफ को दो किलो सौ ग्राम सोना के साथ उक्त पते पर भेज दिया, जहां तीन लोग मौजूद थे। तीनों ने 1.30 करोड़ रुपए के नोट सिक्योरिटी मनी के रूप मे दिया और उसके बदले सोना देने को कहा और बाकी के 30 लाख रुपए दूसरे ऑफिस से लाकर देने की बात कही। इसके बाद तीनों जालसाज सोना लेकर चले गए।जब कारोबारी के स्टाफ ने नोट का बंडल खोलकर चेक किया तो वह दंग रह गया। नोट पर महात्मा गांधी की जगह एक्टर अनुपम खेर की तस्वीर लगी हुई थी। इसके बाद स्टाफ के होश उड़ गए और उसने तुरंत इसकी जानकारी कारोबारी को दी। मौके पर पहुंचे कारोबारी ने जब आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि यहां इस तरह का कोई फर्म नहीं है, दो दिन पहले ही उसे शुरू किया गया था। कारोबारी को पता चल चुका था कि उसको ठगी का शिकार बनाया गया है। कारोबारी मेहुल ठक्कर ने तुरंत नवरंगपुरा पुलिस थाने को घटना की जानकारी दी। जालसाजों की पहचान के लिए पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाल रही है। उधर, नकली नोट पर अपनी फोटो की जानकारी मिलने के बाद अनुपम खेर भी हैरान हैं।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

उडुपी। कर्नाटक में उडुपी के पजेगुड्डे में सोमवार को राज्य राजमार्ग पर एक दोपहिया वाहन और ट्रक के बीच भिडंत हो जाने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, परिवार के सभी सदस्य करकला से वेनूर जा रहे थे, उसी दौरान यह हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इस दुर्घटना में सभी की मौत मौके पर ही हो गई। ट्रक नियंत्रित तेज गति से चल रहा था। सभी एक ही परिवार के बताये जा रहे है। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

कांग्रेस शासन में बिना रिश्वत के नौकरी नहीं मिली : हिमंत

केटी न्यूज/गोवाहटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस शासन के दौरान किसी को भी रिश्वत दिए बिना सरकारी नौकरी नहीं मिली। सीएम सरमा ने बताया कि उनका लक्ष्य अपने कार्यकाल में दो लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना है। उन्होंने दावा किया कि उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद से राज्य में 1.4 लाख युवाओं को नौकरियां मिल चुकी हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान युवाओं को विश्वास नहीं था कि उन्हें रिश्वत दिए बिना सरकारी नौकरी मिलेगी। यहां तक की कम वेतन वाली नौकरियों के लिए भी उन्हें एक करोड़ रुपये तक रिश्वत देनी पड़ती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि असम लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस सरकार उन लोगों को चुनती थी, जिनसे नौकरी के बदले पैसा ले सकते थे। सीएम सरमा ने आगे कहा कि कांटों भरा युग अब बीत गया। अब हम बिना रिश्वत लिए पारदर्शी तरीके से भर्ती परिक्षाएं आयोजित करने में सक्षम हैं। लक्ष्य से ज्यादा 1.4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई है।

छह साल से पहचान छुपाकर बेंगलूरू में रह रहा पाकिस्तानी परिवार गिरफ्तार

एजेंसी/बेंगलूरू

बेंगलूरू में एक पाकिस्तानी नागरिक को उसकी पत्नी और दो अन्य के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि ये सभी जाली दस्तावेजों और नकली पहचान के साथ पिछले छह साल से शहर में अवैध रूप से रह रहे थे। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। प्राथमिक जांच के मुताबिक, व्यक्ति की पत्नी बांग्लादेश की है और दोनों की शादी ढाका में हुई थी। यह जोड़ा 2014 में दिल्ली आया और बाद में 2018 में बंगलूरू के जिगानी इलाके में आया। गिरफ्तार किए गए दो अन्य की पहचान उसके साले-साली के रूप में हुई है। सभी को जिगानी में छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया। जिगानी के एक वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने कहा, पुलिस ने मामले की जांच कर मुकदमा दर्ज कर लिया है। एक ही परिवार के चार लोग जाली दस्तावेजों के सहारे अवैध रूप से शहर में रह रहे थे। चारों से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के आधार पर हम आगे की कार्रवाई करेंगे। मामले की जांच की जा रही है।

कोलकाता केस : पीड़ित की पहचान उजागर करने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

एजेंसी/चेन्नई

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर के दुष्कर्म-हत्या मामले से संबंधित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट में दलील पेश की गई कि पीड़िता के नाम और फोटो का खुलासा करने वाले सोशल मीडिया पोस्ट बहुत सारे हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश को दोहराया कि आरजी कर अस्पताल मामले में किसी भी मध्यस्थ को पीड़िता का नाम और फोटो प्रकाशित करने की अनुमति नहीं है। सुप्रीम

कोर्ट ने सभी सोशल मीडिया मध्यस्थों को पीड़िता का नाम और पहचान उजागर न करने का निर्देश दिया। बल्कि सभी सोशल मीडिया मध्यस्थों को पीड़िता का नाम और पहचान उजागर न करने का निर्देश दिया जाना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ऐसी पोस्ट की जांच के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करेगा। अनधिकृत प्रकाशन की किसी भी अपलोडिंग को हटा दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीबीआई जांच से पर्याप्त सुराग मिले हैं और कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो को अपनी जांच जारी रखने दें। अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ को बताया कि मृतक पीड़िता के माता-पिता सोशल मीडिया पर उसके नाम और फोटो का खुलासा करने वाले बार-बार क्लिप से परेशान हैं।

यूपी के कई जिलों के डीएम और एसएसपी, एसपी के खिलाफ हो सकती है कार्रवाई

सीएम शिकायतों के निस्तारण में देरी करने वालों पर सख्त

केटी न्यूज/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आईजीआरएस, सीएम हेल्पलाइन और संपूर्ण समाधान दिवस की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर सख्त रूख अख्तियार किया है। पिछले कई दिनों से सीएम योगी आदित्यनाथ को शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही और हीलाहवाली की शिकायतें मिल रहीं थीं। इस पर उन्होंने ऐसे जिलों के डीएम और एसएसपी, एसपी की रिपोर्ट तलब की है। माना जा रहा है कि लापरवाह डीएम और एसएसपी, एसपी की रिपोर्ट मिलते ही बड़ी कार्रवाई की जा सकती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुछ दिन पहले

एक उच्च स्तरीय बैठक में आईजीआरएस, सीएम हेल्पलाइन और संपूर्ण समाधान दिवस की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर नाराजगी जाहिर की थी। साथ ही उन्होंने लापरवाह अधिकारियों की रिपोर्ट तलब करने के निर्देश दिये थे। इसी क्रम में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने हाल ही में आईजीआरएस, सीएम हेल्पलाइन और संपूर्ण समाधान दिवस की शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पाया कि 1 सितंबर से 25 सितंबर के बीच प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में प्रदेश के कई जिलों का प्रदर्शन ठीक नहीं है। इसमें शिकायतों के निस्तारण के बाद सीएम हेल्पलाइन एवं सीएम डैशबोर्ड से लिये गये फीड बैक में शिकायतकताओं ने असंतोष जताया है। तथा सख्त कार्रवाई के मुड में है। इनमें देवरिया, भदोही, गोंडा, ललितपुर, प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर, आजमगढ़ और मीरजापुर के जिले शामिल हैं।

समीक्षा रिपोर्ट सीएम को सौंपा गया

देवरिया, भदोही और गोंडा के शिकायतकताओं ने फीड बैक में जताया असंतोष इस पर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने इन जिलों के डीएम और एसएसपी, एसपी को फटकार लगाते हुए इसमें सुधार करने के निर्देश दिये हैं। वहीं मुख्य सचिव समीक्षा बैठक की रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपने वाले हैं। जानकारों की मानें तो रिपोर्ट के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन ले सकते हैं। मुख्य सचिव ने समीक्षा बैठक में पाया कि प्रदेश के कुछ जिलों का अगस्त, सितंबर माह में आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निस्तारण करने में अच्छा प्रदर्शन रहा है। इन्होंने समयबद्ध तरीके से शिकायतों को निस्तारित कर स्पेशल क्लोज रिपोर्ट समिट की है। इसमें अगस्त माह में औरैया, लखीमपुर खीरी और लखनऊ शामिल हैं। इसी तरह सितंबर माह में औरैया, लखीमपुर खीरी, मेरठ, सहारनपुर और गोरखपुर के जिले शामिल हैं। इस पर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने इन जिलों के डीएम और एसएसपी, एसपी की प्रशंसा करते हुए अन्य जिलों के अधिकारियों को इसी आधार पर काम करने के निर्देश दिये। इन जिलों के शिकायतकताओं ने अपनी शिकायत के निस्तारण के फीडबैक पर 70 प्रतिशत तक असंतोष जाहिर किया है।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के समक्ष फिल्म लछमिनिया की विशेष स्क्रीनिंग संपन्न

- उपमुख्यमंत्री के हाथों फिल्म का पोस्टर भी हुआ लॉन्च
- फिल्म को लखीसराय के रितेश एस कुमार ने किया है निर्देशित

केटी न्यूज/पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सह कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा की उपस्थिति में हिन्दी फिल्म लछमिनिया की विशेष स्क्रीनिंग पटना में आयोजित की गई। फिल्म का निर्माण फिल्मेनिया फिल्म फैक्ट्री और नटरंग एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। इस मौके पर मंत्री ने फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि लछमिनिया बिहार की जातिगत संरचना और समाज में व्याप्त असमानता पर गहरे सवाल उठाती है। उन्होंने फिल्म की टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह फिल्म बिहार की समृद्धि और संस्कारों को बढ़ाने वाली है, और इसकी कहानी समाज को जाति और धर्म से ऊपर उठकर एकता के साथ आगे बढ़ने का संदेश देती है। मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने फिल्म को लेकर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि फिल्म का निर्माण लखीसराय के मेकर अजिताभ तिवारी और निर्देशन लखीसराय के हीं रितेश एस कुमार ने किया है। जो इस क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। फिल्म का उद्देश्य जातिगत भेदभाव को समाप्त कर एक समान समाज की स्थापना करना है, जो बिहार के विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने बिहार में कलाकारों और कला को प्रोत्साहित करने की

आवश्यकता पर भी जोर दिया। फिल्म लछमिनिया का निर्माण अजिताभ तिवारी द्वारा किया गया है, और इसमें प्रमुख भूमिकाओं में तनुश्री चटर्जी और सिंटू सिंह सागर नजर आएंगे। निर्देशक रितेश एस कुमार ने फिल्म के सामाजिक संदेश पर जोर देते हुए कहा कि बिहार के विकास के लिए समाज के हर वर्ग को एक साथ आना होगा। यह फिल्म समानता और सामाजिक विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। अभिनेत्री तनुश्री चटर्जी ने कहा की पहली बार आर्ट फिल्म करके बहुत मजा आया। मैं डायरेक्टर सर का आभारी हूं जो मुझे 18 साल काम करने के बाद आर्ट फिल्म करने का मौका दिया। फिल्म दशकों को सामाजिक गतिविधियों से रूबरू कराएगी। अभिनेता सिंटू सिंह सागर ने कहा की रितेश सर ने जब फिल्म की कहानी सुनाई तो मुझे लगा की फिल्म की कहानी लोगों के दैनिक जीवन के आस पास से हीं गुजरती है। मुझे पूरी उम्मीद है की फिल्म लोगों को जरूर कनेक्ट करेगी। फिल्म की टीम ने बिहार सरकार से लछमिनिया को टैक्स फ्री करने की मांग की है, ताकि इसका महत्वपूर्ण संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंच सके। निर्माता अजिताभ तिवारी ने कहा कि हम चाहते हैं कि सरकार इस फिल्म को टैक्स फ्री घोषित करे ताकि अधिक से अधिक लोग इसे देख सकें और इससे प्रेरणा लें।

औरंगाबाद के तत्कालीन एसपी को सरकार ने दिया क्लीनचिट

केटी न्यूज/पटना

2010 बैच के आईपीएस अफसर सुधीर कुमार पोरिका के खिलाफ चल रही विभागीय कार्रवाई समाप्त हो गयी है। बिहार सरकार ने क्लीनचिट दी है। औरंगाबाद के तत्कालीन एसपी सुधीर पोरिका को सभी आरोपों से दोषमुक्त किया है। बता दें कि सुधीर पोरिका जब औरंगाबाद के एसपी थे तब बालू के अवैध खनन और परिवहन में उनकी संलिप्ता पायी गयी थी। ईओयू की रिपोर्ट के आधार पर बिहार सरकार ने 27 जुलाई 2021 को औरंगाबाद एसपी को सस्पेंड किया था। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही का निर्देश दिया गया था। जिसके बाद गृह विभाग ने मामले की जांच के लिए मुख्य जांच आयुक्त को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया। जांच रिपोर्ट गृह विभाग को सौंपी गयी। जांच रिपोर्ट की समीक्षा के बाद सरकार ने संघ लोक सेवा आयोग से जवाब मांगा। यूपीएससी ने सुधीर कुमार पोरिका के खिलाफ लगाये गये आरोपों को अप्रमाणित पाया। जिसके बाद उन्हें दोष मुक्त घोषित करने की सिफारिश की। अब सरकार ने औरंगाबाद के तत्कालीन एसपी के ऊपर लगे सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया है। आरोप मुक्ति के बाद एसपी को राहत मिली है।

इंडो-अरब लीडर्स समिट एंड अवाइर्स कार्यक्रम में भाग लेने गए थे बिहार सरकार के मंत्री

दुबई में गए मंत्री अशोक चौधरी के शराब पार्टी की फोटो वायरल

केटी न्यूज/पटना

एक इवेंट कंपनी के कार्यक्रम में शामिल होने दुबई गये बिहार सरकार के मंत्री सह जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव अशोक चौधरी की एक वायरल तस्वीर से सियासी गलियारे में खलबली मच गयी है। ये तस्वीर एक शराब पार्टी की लग रही है। हालांकि केटी न्यूज इस वायरल तस्वीर की पुष्टि नहीं करता है। जो तस्वीर वायरल हुई है, उसमें पांच लोग बैठे दिख रहे हैं। उनके सामने एक टेबल रखा है, जिस पर वाइन और शैंपेन की बोतल रखी हुई है। मंत्री अशोक चौधरी जिस ओर बैठे हैं उधर ही एक ग्लास के साथ-साथ वाइन ग्लास भी रखा हुआ है। वैसे तस्वीर में मंत्री अशोक चौधरी के हाथ में प्लेट है और वे कुछ खाते हुए दिख रहे हैं। ये तस्वीर उसी इवेंट की बतायी जा रही है, जिसमें शामिल होने के लिए अशोक चौधरी दुबई गये हुए हैं। अशोक चौधरी ने कहा था कि उन्होंने इस इंटरनेशनल कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ऐतिहासिक काम के बारे में लोगों को बताया था। अब जो तस्वीर वायरल हुई है वह उसी इवेंट की बतायी जा रही है। वाइन और शैंपेन पार्टी की इस तस्वीर में मंत्री अशोक चौधरी के साथ वही व्यक्ति नजर आ रहे हैं जो इस तथाकथित इंटरनेशनल समारोह के मंच पर दिख रहे थे। तस्वीर का बैकग्राउंड बता रहा है कि ये पार्टी किसी होटल में चल रही है। इसमें शामिल लोगों के चेहरे पर मस्ती के भाव स्पष्ट तौर पर दिख रहे हैं। वहीं दूसरी ओर यह तस्वीर वायरल होने के बाद सियासी गलियारे में खलबली मचा दी है। बता दें कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी है और नीतीश कुमार इसे अपनी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताते हैं। मंत्री अशोक चौधरी खुद को नीतीश कुमार का सबसे वफादार बताते नहीं थकते। फिर वाइन पार्टी में बैठे उनकी तस्वीर कैसे सामने आ गयी। जेडीयू के नेताओं ने न सिर्फ खुद शराब नहीं पीने बल्कि दूसरों को भी नहीं पीने देने की कसम खा रखी है। विपक्षी पार्टियों ने अशोक चौधरी की वायरल तस्वीर को लेकर तीखे सवाल पूछना शुरू कर दिया है। बता दें कि मंत्री अशोक चौधरी ने जिस इंटरनेशनल समिट और अवार्ड समारोह में शामिल होने का दावा किया था, दुबई के उस तथाकथित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम इंडो-अरब लीडर्स समिट एंड अवाइर्स की पड़ताल की थी। कार्यक्रम का नाम ऐसा था मानो भारत और अरब देशों के लीडर्स बैठकर बड़ी चर्चा करने वाले हों और वहां दिग्गजों को सम्मानित किया जाना हो। हमारी खोजबीन में पता चला कि दिल्ली की एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी ने दुबई के एक होटल में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

इंडो-अरब लीडर्स समिट एंड अवाइर्स में अशोक चौधरी का नाम नहीं

इंडो-अरब लीडर्स समिट एंड अवाइर्स कार्यक्रम में मंत्री अशोक चौधरी का नाम नहीं था। प्रयोजकों ने उनका भी प्रचारित नहीं किया था। सोशल मीडिया पर तीन-चार दिन पहले का एक पोस्टर दिखा, जिसमें सुरेश प्रभु को कार्यक्रम का मुख्य अतिथि बताया गया था। लेकिन अशोक चौधरी का नाम ना तो अतिथि के तौर पर प्रचारित किया गया और ना ही अवार्ड पाने वाले के तौर पर। दुबई के इंडो-अरब लीडर्स समिट एंड अवाइर्स की पूरी पड़ताल के बाद जो कहानी सामने आयी। लेकिन खास बात ये रही कि मंत्री अशोक चौधरी और उनके समर्थकों ने इसे ऐसे प्रचारित किया जैसे मंत्री जी को बड़ा इंटरनेशनल सम्मान मिल गया हो। मंत्री अशोक चौधरी का इंडो-अरब लीडर्स समिट एंड अवाइर्स कार्यक्रम कितना बड़ा था, इसका अंदाजा इस बात से लगाइये कि इस कार्यक्रम में दुबई या किसी अरब देश का सांसद-विधायक की हैसियत वाला व्यक्ति भी मौजूद नहीं था। कार्यक्रम में अरब देशों के नेता के तौर पर मोहम्मद एस. अल किंदी मौजूद थे।

बोले शत्रुध्न सिन्हा... मजबूत बनकर उभरेगा इंडिया गठबंधन

केटी न्यूज/पटना

तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुध्न सिन्हा ने सोमवार को उम्मीद जताई कि उनकी पार्टी जिस इंडिया गठबंधन का हिस्सा है, वह जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव जीतेगी। अभिनेता से नेता बने शत्रुध्न सिन्हा ने यह भी दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है और वह वास्तविक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। शत्रुध्न सिन्हा ने कुछ साल पहले भाजपा से अपना तीन दशक पुराना नाता तोड़ लिया था। सिन्हा ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। इसके नेता इस बात से वाकिफ हैं, भले ही वे इसे स्वीकार न करें। इसलिए वे वास्तविक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए तरह-तरह की बयानबाजी करते रहते हैं। कांग्रेस में कुछ समय रहने के बाद तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए पश्चिम

बंगाल के आसनसोल के सांसद ने कहा कि मुझे लगता है कि इंडिया'गठबंधन, जिसने पहले ही अपनी छाप छोड़ दी है, आने वाले दिनों में और मजबूत बनकर उभरेगा। हमारे सहयोगी दल जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बिहार की राजधानी पटना में जन्मे शत्रुध्न सिन्हा ने सिलीगुड़ी में नौकरी चाहने वालों पर हाल ही में हुए हमले की निंदा की, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार द्वारा इस मामले में पर्याप्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि मैं इस तथ्य पर भी जोर देना चाहूंगा कि ऐसी विसंगतियों के बावजूद, बिहारी प्रवासी पश्चिम बंगाल में बिना किसी डर के रहते हैं।

नशे में धुत बेटे ने मां की पीट-पीट कर की हत्या

पूर्णिया। पूर्णिया में नशे में धुत बेटे ने अपनी बुजुर्ग मां की पीट-पीट कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि बेटा मां को तब तक पीटता रहा जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। मौत के बाद परिजनों में मातम पसरा हुआ है। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पहुंचकर आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया। यह घटना सदर थानाक्षेत्र के हंसदा टोला वार्ड-35 मुंशीबाड़ी में हुई है। मृतका की पहचान भोकता उरांव की पत्नी मुस्मात भादो देवी (62) के रूप में हुई है।मृतका के बेटे जितेंद्र मिंज ने बताया कि उसकी मां मुस्मात भादो देवी के तीन बेटे हैं। आरोपी तीनों में सबसे छोटा बेटा है।

एक नजर

कल्याण बिगहा में जल्द बनेगा 25 और 50 मीटर का आउटडोर रेंज : खेल मंत्री

पटना। बिहार के खेल विभाग के मंत्री सुरेंद्र मेहता ने सोमवार शाम को पटना के कल्याण बिगहा स्थित इंडोर शूटिंग रेंज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों से मुलाकात कर परिचय लिया। साथ ही प्रशिक्षक कौशल नौगरैया से 10 मीटर एयर राइफल और एयर पिस्टल, शूटिंग लेन और अन्य उपकरणों की जानकारी ली। मंत्री ने खुद राइफल और पिस्टल से 10 मीटर की शूटिंग का ट्रायल भी किया। मंत्री मेहता ने प्री-नेशनल प्रतियोगिता में पदक जीतने वाली खिलाड़ी प्रीति और सिम्मी को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। ये दोनों खिलाड़ी हाल ही में आसनसोल में आयोजित प्री-नेशनल टूर्नामेंट में पदक विजेता रही हैं। प्रशिक्षक कौशल नौगरैया और ग्रामीण अवधेश नारायण सिंह ने मंत्री से आग्रह किया कि कल्याण बिगहा में 10 मीटर इंडोर शूटिंग रेंज तो है, लेकिन 25 और 50 मीटर के आउटडोर रेंज का अभाव है। इस वजह से खिलाड़ियों को प्रैक्टिस के लिए अन्य शहरों में जाना पड़ता है। उन्होंने अनुरोध किया कि 25 और 50 मीटर की शूटिंग रेंज की सुविधा जल्द उपलब्ध करवाई जाए, ताकि स्थानीय खिलाड़ी भी उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तरीके से अभ्यास कर सकें।प्रशिक्षक ने बताया कि कल्याण बिगहा के शूटिंग रेंज में प्रशिक्षित कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त की है। इनमें से ऋषिकांत को राजस्थान पुलिस में एसआई, मनीष कुमार और अनामिका कुमारी को असम राइफल्स में नौकरी मिल चुकी है। इसके अलावा कई अन्य खिलाड़ी नेशनल प्रतियोगिताओं के लिए चयनित हुए हैं। खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही कल्याण बिगहा में 25 और 50 मीटर का शूटिंग रेंज बनेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में खेल सुविधाओं का विस्तार हो रहा है और राज्य खेल के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। खेल विश्वविद्यालय और खेल अकादमी जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार आने वाले समय में खेलों के क्षेत्र में शीर्ष स्थान हासिल करेगा। मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने हर पंचायत में खेल का मैदान और स्पोर्ट्स क्लब बनाने का निर्णय लिया है।

गोपालगंज में शराब तस्कर और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़, सिपाही व तस्कर जख्मी

केटी न्यूज/गोपालगंज

गोपालगंज जिले के भोरे थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव में सोमवार को पुलिस और शराब तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें एक सिपाही गोली लगने से घायल हो गया, जिसे तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज में भर्ती कराया गया। इतना ही नहीं पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में गोलीबारी की। इसमें एक तस्कर के पैर में गोली लगी है। उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि गोपालगंज पुलिस को यह गुप्त सूचना मिली थी कि जलालपुर के रास्ते तस्कर शराब लेकर गुजरने वाले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने शराब तस्कर का पीछा करने लगी।

शराब तस्कर अपने को पुलिस से घिरता देख गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें एक सिपाही घायल हो गया। भागने की कोशिश कर रहे तस्कर पर पुलिस को मारी गोली घटना के बाद तस्कर मौके से फरार हो गए। लेकिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उनके ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान एक तस्कर पुलिस की गिरफ्त में आ गया। जबकि अन्य तस्कर फरार हो गए। अन्य शराब तस्करों की तलाश में लगातार छापेमारी जारी है। भागने की कोशिश कर रहे तस्कर पर पुलिस ने भी फायरिंग की। इसमें उसके पैर में गोली लगी है। उसे सदर अस्पताल भर्ती कराया गया है। एसपी अवधेश दीक्षित ने सदर अस्पताल पहुंचकर घायल सिपाही और तस्कर का हाल-चाल लिया और घटना की पूरी जानकारी ली। पुलिस फिलहाल अन्य तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चला रही है।

बिहार में दुष्कर्म पर सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हंगामा

पटना। बिहार की एक अदालत में सोमवार को राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के खिलाफ एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर शिकायत दर्ज की गई। इसमें उन्होंने राज्य में दुष्कर्म की घटनाओं को उजागर किया था। स्थानीय अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मुजफ्फरपुर की अदालत में याचिका दायर की। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने पोस्ट किए जाने पर आपत्ति जताई। राजद अध्यक्ष ने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राज्य की एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए बार-बार बिहार दुष्कर्म के बराबर है लिखा था। लालू यादव के पोस्ट ने बिहार के सभी लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। राजद सुप्रीमो पर मुकदमा चलाने का आग्रह किया है।

विदेशी तीर्थयात्रियों ने विष्णुपद और देवघाट सहित मेला क्षेत्र का किया परिभ्रमण

छह देशों के तीर्थयात्री पहुंचे गया मोक्षधाम, किया पिंडदान

केटी न्यूज/ गया

भगवान विष्णु की नगरी मोक्ष धाम गयाजी में आयोजित हो रहे पितृपक्ष मेले में अफ्रिका और रूस समेत कई देशों के लोग पहुंचे। यहां उन्होंने सनातन परंपराओं के मुताबिक पूरे विधि-विधान से अपने पुरखों की आत्मा की शांति और मोक्ष की कामना को लेकर पिंडदान, श्राद्धकर्म और तर्पण का कर्मकांड विष्णुपद के पास देवघाट पर किया। इसके पूर्व सभी विदेशी तीर्थयात्रियों ने विष्णुपद और देवघाट सहित मेला क्षेत्र का परिभ्रमण किया। गया में 17 सितंबर से पितृपक्ष मेला चल रहा है, जो दो अक्टूबर तक जारी रहेगा। इस अवधि में देशझविदेश के कोनेझकोने से लाखों की संख्या में हिंदू सनातन धर्मावलंबी यहां आकर अपने पितरों को मोक्ष, उद्धार की कामना के साथ पिंडदान, तर्पण,

कर्मकांड और श्राद्ध कार्य को पूरा कर रहे हैं। सोमवार को यूक्रेन, घाना, रूस, उज्बेकिस्तान, नाईजीरिया, साउथ अफ्रीका और जर्मनी से आए विदेशी तीर्थयात्री अपने पूर्वजों का पिंडदान, श्राद्धकर्म और तर्पण किया। सभी ने विष्णुपद मंदिर के पास देवघाट पर आचार्य लोकनाथ गौड़ के नेतृत्व में अपने पुरखों के उद्धार की कामना के साथ श्राद्धकर्म कर्मकांड किया।विदेशों में खासकर यूरोप में सनातन धर्म के प्रसार के लिए कार्य करने वाले लोकनाथ गौड़ के मार्गदर्शन में सभी विदेशी तीर्थयात्रियों ने पिंडदान कराया है। कर्मकांड के दौरान सभी विदेशी तीर्थयात्री भारतीय महिलाएं साड़ी पहने और सनातन धर्म के नियमों का पालन किया। वहीं, विदेशी तीर्थयात्री पिंडदान का अनुष्ठान पूरा कर काफी खुश दिखे। इस संबंध में आचार्य लोकनाथ गौड़ ने बताया कि सभी ईसाई धर्म को मानने वाले थे।

गया में मनाई गई पितृ दीपावली

गया में आयोजित पितृपक्ष मेला के दौरान लाखों की संख्या में तीर्थयात्री गया धाम पहुंचकर अपने पितरों को मोक्ष की कामना के साथ पिंडदान, तर्पण एवं कर्मकांडों को पूरा कर रहे हैं। विष्णुपद मंदिर के समीप फल्गु नदी के तट पर स्थित देवघाट ऐसी तस्वीरें सामने आ रही हैं, जिसे देखकर लोगों का मन प्रसन्न होरहा है। पितृपक्ष के 14वें दिन की शाम विष्णुपद मंदिर के समीप देवघाट पर पितृ दिवाली मनाई गई है।पितरों के स्वर्ग जाने का मार्ग प्रकाशमय होता है आस्था के प्रति लोगों का यह मानना है कि आज के दिन दीपदान करने से पितरों के स्वर्ग जाने का मार्ग प्रकाशमय हो जाता है। दीप जलाकर पितरों को प्रसन्न किया जाता है।

बिहार में जाति सर्वे रोक कर गरीबों, दलितों और भूमिहीनों का हक छीनना चाहती है केंद्र सरकारः विधायक

♦ हक दो, वादा निभाओ अभियान के दूसरे चरण के तहत माले नेताओं व कार्यकर्ताओं ने प्रखंड मुख्यालयों पर किया प्रदर्शन

केटी न्यूज/चौगाईं

भाकपा-माले के 'हक दो, वादा निभाओ अभियान' के दूसरे चरण के राज्यव्यापी आंदोलन के तहत सोमवार को चौगाई प्रखंड पर सैकड़ों की संख्या में गरीबों व भूमिहीनों ने प्रदर्शन कर अपनी आवाज बुलंद की। प्रखंड मुख्यालय में आयोजित प्रदर्शन की अध्यक्षता भदेसर साह ने व संचालन हरीद्वार राम ने किया।

धरना पर चौगाई अंचल के पदाधिकारी ने आकर गरीबों का आवेदन फार्म स्वीकार किया और कहा कि हम लोग नियमानुसार कार्य करते हुऐ आगे की करवाई करेंगे।

भाकपा-माले के राज्य नेता सह डुमरांव विधायक डाक्टर अजीत कुशवाहा ने कहा कि गरीबों को दो लाख रूपए लघु उद्यमी योजना के तहत प्रदान करने के लिए, गांव व शहर में आवास के लिए और भूमिहीन परिवारों को पांच डिसमिल जमीन देने की लड़ाई विधानसभा से लेकर सड़क तक लड़ी गई है। भूमिहीनों व गरीबों को बिहार सरकार की घोषणा के अनुरूप देना होगा वरना संघर्ष तेज होगा। उन्होंने कहा कि जबसे भाजपा जदयू की सरकार आई है, मुख्यमंत्री अपने वादा को भूल जा रहे हैं। 94 लाख गरीबों को दो लाख प्रदान करने का वायदा उनको पूरा करना होगा।

उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार जिसमें भाकपा-माले ने समर्थन दे रखा था उसने एक राज्य में जाति सर्वे कर-के दिखा दिया केंद्र सरकार जनगणना तक रोक कर रखी है इसका कारण यह है कि केंद्र सरकार गरीबों, दलित, अतिपिछड़ा, पिछड़े को उसका वाजिब हक छीन लेना चाहती है।

इस दौरान धरने में माले प्रखण्ड सचिव धर्मेन्द्र सिंह यादव, ऐपवा नेत्री फूल कुमारी देवी, सत्यनारायण पासवान, युवा नेता बिरन कुमार, माले प्रखंड नेता बीरेंद्र महतो, रमेश कुम्हार, बीरबल पासवान, लालदेव जी सरपंच, राजनाथ पासवान, हरेराम महतो, जगदीश मास्टर, दिनेश यादव, निर्मल पासवान, सोनालाल, अनाम पासवान, सत्येन्द्र राम, रजनीकांत आदि ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन में चौगाई प्रखण्ड के चौगाई, फफदार, ओझाबराव, नचाप, बीरपुर, मुरार, अमसारी, बैदा, पांडेयपुर आदि कई गांवों व टोलों के गरीबों, मजदूरों, भूमिहीनों ने भाग लिया, सैकड़ों महिलाएं शामिल रहीं।

केसठ व नावानगर में भी विभिन्न मांगों को लेकर माले ने दिया धरना

भाकपा-माले के 'हक दो, वादा निभाओ अभियान' के दूसरे चरण के तहत सोमवार को केसठ व नावानगर प्रखंड कार्यालयों पर सैकड़ों की संख्या में माले के नेतृत्व में भूमिहीनो ने प्रदर्शन किया। केसठ में प्रदर्शन की अध्यक्षता वीरेंद्र प्रसाद ने व संचालन कामरेड जय बहादुर बारी ने किया। माले जिला सचिव नवीन कुमार, ऐपवा नेत्री रेखा देवी, युवा नेता नासिर हसन, माले प्रखंड नेता हीरालाल पासवान आदि नेताओं ने धरना को संबोधित किया। इस दौरान केसठ सीओ को मांग पत्र सौंपा गया। जिसमे मुख्य रूप से आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आर टी पी एस काउंटर खुलवाने, अत्यंत गरीबों को लघु उद्यमी योजना का 2 लाख देने के लिए 72 हजार रुपए से कम का आय प्रमाण पत्र देने, भूमिहीन परिवारों को 5 डिसमिल जमीन और शहरी बेघरों को पक्का मकान देने की मांग शामिल है। धरना को संबोधित करते हुए डुमरांव विधायक डॉ. अजीत कुशवाहा ने कहा कि गरीबों को दो लाख रूपए लघु उद्यमी योजना के तहत प्रदान करने के लिए, गांव व शहर में आवास के लिए और भूमिहीन परिवारों को पांच डिसमिल जमीन देने की लड़ाई विधानसभा से लेकर सड़क तक लड़ी गई है वो बिहार सरकार को घोषणा के अनुरूप देना होगा वरना संघर्ष तेज होगा। धरना में मुख्य रूप से प्रखंड कमेटी सदस्य हीरालाल पासवान, हरेंद्र सिंह, बुधराम महतो, जवाहिर सिंह, ऐपवा नेता राजकुरी देवी, भगमनिया देवी आदि ने भाग लिया।

खबरें फटाफट

पुलिस ने वसूला 24 हजार जुर्माना

डुमरांव। कोरानसराय मुख्य पथ पर पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया। जिसमें 23 वाहनो से 24 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। पुलिस के इस अभियान से वाहन चालकों के बीच हड़कंप मचा रहा। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान अपराधी, शराब तस्कर, फरार वारंटियों पर पुलिस की विशेष नजर रहती है। वहीं, वाहनों के कागजात, ट्रिपल लोडिंग, ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट आदि की विशेष जांच की जाती है।

रायफल व कारतूस के साथ एक धराया

डुमरांव। पुलिस ने एक व्यक्ति को एक एकनाली रायफल व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। हालांकि, इस मामले में पुलिस बेहद गोपनीयता बरत रही है। पुलिस अभी इस बात की जानकारी नहीं दे रही है कि उसे कहा से गिरफ्तार किया गया है तथा वह कौन है। हालांकि डीएसपी ने इसकी पुष्टि की है और बताया है कि अभी उसके निशानदेही पर छापेमारी चल रही है। माना जा रहा है इस मामले में अभी कई और लोग पुलिस की गिरफ्त में आने वाले है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि मुरार के साथ ही डुमरांव में भी हथियारों का जखीरा मिल सकता है। यही कारण है कि पुलिस इस मामले को काफी गोपनीयता से खंगाल रही है।

पुलिस के रोकने और डिग्गी खुलवाने के बीच ही भाग निकले तीन तस्कर

जवानों के सामने से ही भाग निकले गांजा तस्कर, देखती रह गई पुलिस

♦ बोले एसपी... दिए गए हैं जांच के आदेश, दोषी पुलिस कर्मियों पर होगी उचित कार्रवाई

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल के तिलक राय के हाता ओपी पुलिस के गबरू जवानों के सामने से ही तीन गांजा तस्कर आराम से भाग निकले, पुलिस सिर्फ उन्हें भागते देखते रही या फिर ये कहे कि गबरू जवानों से तस्कर तेज धावक निकले। मामला रविवार को नियाजीपुर बाजार का है। इस घटना के बाद लोगों में इस बात की चर्चा हो रही है कि सरकार ने पुलिस के जिन जवानों को गबरू जवान का प्रमाण पत्र दे रखा है, आखिर उनसे गांजा तस्कर कैसे तेज निकले। गौरतलब हो कि पुलिस की बहाली में दौड़ सहित शारीरिक फिटनेस की जांच की जाती है। जिसमें सफल होने के बाद ही उन्हें वर्दी नसीब होती है। नौकरी के दौरान उन्हें कड़ा प्रशिक्षण के साथ ही फिट रहने के लिए कई कवायदे की जाती है।

बता दें कि रविवार को तिलक राय के हाता ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना पर गांजा से लदी एक स्वीफ्ट डिजायर कार जब्त की। उक्त कार में 23.263 किलो गांजा बरामद हुआ। इस मामले को पुलिस अपनी बड़ी उपलब्धि मान रही है। लगे हाथ सोमवार को डीएसपी ने तिलक राय के हाता ओपी पहुंच बजाप्ते प्रेस वार्ता आयोजित कर इस मामले में पत्रकारों को जानकारी दी। लेकिन, जब उनसे तस्करों के फरार होने के संबंध में पूछा गया तो वे कहने लगे कि डिग्गी खुलवाने के दौरान तीनों तस्कर मक्के के खेत की आड़ में भाग निकले। अब सवाल उठता है कि यदि पुलिस के सामने से तस्कर भाग निकले तो पुलिस ने उनका पीछा क्यों नहीं किया।

दियारा इलाका में अक्सर भाग निकलते है तस्कर : बता दें कि दियारा इलाका सहित जिलेभर में शराब तथा मादक पदार्थों के तस्करी मामले में अधिकांश तस्कर भाग निकलते है और पुलिस माल बरामद कर उनकी शिनाख्त का दावा करते रहती है। दियारा इलाका के कई घटनाओं में यह सामने आ चुका है कि पुलिस के जवानों के सामने से तस्कर भाग निकलते है। शराब बरामदगी मामले में थानों में दर्ज एफआईआर भी इस बात की ओर तस्दीक कर रहे है कि अधिकांश मामलों में तस्कर पुलिस से तेज साबित हो रहे है। तस्करों के भागने से पुलिस की कार्यशैली भी सवालों के घेरे में आ गई है। सवाल उठता है कि आखिर जब पुलिस को गुप्त सूचना मिलती है तथा पुलिस पूरी तैयारी के साथ तस्करों को दबोचने के लिए मुश्तैद रहती है तो उनके सामने से तस्कर आखिर कैसे भागने में सफल हो रहे है।

बोले डीएसपी डिग्गी चेक करने के दौरान भागे तस्कर : इस संबंध में मीडिया द्वारा पूछे जाने पर डीएसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने तस्करों से डिग्गी खुलवाने को कहा, तस्कर डिग्गी खोले, इस दौरान पुलिस टीम जब डिग्गी की तलाशी लेने पहुंची, इसी बीच तीनों तस्कर मक्के की खेत में छिपते हुए भाग निकले। हालांकि, दूसरी तरफ डीएसपी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि पुलिस को देख कुछ दूर पहले ही तस्कर अपना वाहन रोक फसल का फायदा उठा भाग निकले। डीएसपी के वीडियो बयान व जारी प्रेस रिलीज में अंतर से कई सवाल खड़े हो रहे है।

वायरल तस्वीर में दिख रहे हैं पुलिस व तस्कर

इस मामले में वायरल हुए एक तस्वीर से चौकाने वाला खुलासा हुआ है। तस्वीर में साफ दिख रहा है कि जब पुलिस टीम ने उक्त कार को रूकवाई तो उसके ड्राइविंग सीट से पीले रंग का टी-शर्ट पहने एक तस्कर गेट खुल उतरता है। दूसरी तरफ दो अन्य तस्कर भी दिखाई दे रहे है। लेकिन, पुलिस का कहना है कि उनसे डिग्गी खोलने को कहा गया। डिग्गी खुलने पर पुलिस टीम जब तलाशी ले रही थी, इसी दौरान तीनों भाग निकले। बता दें कि हाल के दिनों में बक्सर पहुंचे शाहाबाद रेंज के डीआईजी ने भी कहा था कि माल बरामद व तस्कर फरार, ऐसा नहीं चलने वाला है। लेकिन तिलक राय के हाता ओपी पुलिस के सामने दिन के उजाले में तस्करों का भागना कई सवाल खड़े कर रहा है। इस घटना ने पुलिसकर्मियों की फिटनेस तथा काबिलियत पर भी सवाल खड़ा कर दिया है।

दोषियों पर होगी कार्रवाई

" मामले की सूचना मिली है। जिसके बाद जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच में दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई होगी। - शुभम आर्य, एसपी बक्सर

एक नजर

हर किसी को रास आ रहा है बिहार के विकास में जन सुराज का विजनः डॉ. रमेश सिंह

डुमरांव। बिहार के विकास में तैयार जन सुराज का विजन सूबे के हर व्यक्ति को रास आ रहा है। नौजवान काफी उत्साहित है तथा गांधी जयंती के दिन हो रहे पार्टी गठन में भाग लेने के लिए डुमरांव से सैकड़ों नौजवान पटना जाएंगे। यह कहना है डुमरांव के शिक्षाविद सह समाजसेवी डॉ. रमेश सिंह का। सोमवार को उन्होंने प्रेसवार्ता का आयोजन किया था। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती के दिन जन सुराज अभियान से बदलकर पार्टी में तब्दील हो जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य से जात-पात के समस्या का अंत होने जा रहा है। हर वर्ग के लोगों खासकर नौजवानों का विश्वास जन सुराज के प्रति खूब बढ़ा है। उन्होंने शिक्षा तथा रोजगार के क्षेत्र में जो उद्देश्य स्थापित किया है वह हर वर्ग के गले उतर रहा है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि बिहार के विकास के लिए पार्टी तथा जाति के गलत अवधारणा से ऊपर उठकर बिहार के विकास के लिए जन सुराज को मजबूत करें। श्री सिंह ने कहा कि पार्टी गठन के तत्काल बाद प्रशांत किशोर का आगमन डुमरांव में होगा। लोगों को वे बिहार में किए गए पदयात्रा तथा विकास के तैयार रूपरेखा की जानकारी देंगे। श्री सिंह ने बताया कि 2 अक्टूबर को पार्टी गठन के अवसर पर उत्साही नौजवानों को पटना जाने के लिए डुमरांव से 50 वाहन रिजर्व किया गया है। इस मौके पर डॉ इसरार खान उमाकांत पांडे कन्हैया यादव चुनमुन यादव नंदजी पांडे जगदीश यादव आदि मौजूद थे।

लापरवाही बरतने के मामले में लघु सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता से शोकॉज

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने सोमवार को लघु सिंचाई प्रमंडल अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक लघु सिंचाई प्रमंडल बक्सर के कार्यालय में की। इसे मौके पर डीएम ने जल जीवन हरियाली अभियान अंतर्गत क्रियान्वित हो रही योजनाओं के अद्यतन प्रगति की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि चक्की प्रखंड के हेनवो ग्राम में चंदा पोखर को सीढी घाट निर्माण एवं आहर का जीर्णोद्धार कार्य अभी तक लंबिते है। जबकि एकरारनामो के अनुसार 15 अगस्त तक कार्य पूर्ण हो जानो थो। परंतु शत प्रतिशत कार्य पूर्ण नहीं हुओ है। इसी प्रकार कुल 325 राजकीय नलकूपों में से मात्र 159 नलकूप कार्यरते है। शेष नलकूपों के क्रियाशील होने के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं प्रदान की गई। वही सात निश्चय एवं सात निश्चय 2 के अंतर्गत हर खेत तक सिंचाई का पानी योजना के तहत सिंचाई क्षमता के पुर्नस्थापने के लक्ष्य के अनुसार मात्र 53 प्रतिशत ही आच्छादित किया गयो है। इससे स्पष्ट है कि कार्यपालक अभियंता लघु सिंचाई प्रमंडल बक्सर के द्वारा अपने कार्यों में रूचि नहीं लिया जा रहो है। इस संबंध में कार्यपालक अभियंता लघु सिंचाई प्रमंडल बक्सर से अपना स्पष्टीकरण समर्पित करने का निर्देश दियो गयो। साथ ही मुखिया को विभाग द्वारा आवंटित राशि से नलकूप मरम्मति हेतु संबंधित जन प्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित करते हुए नलकूप मरम्मति यथाशीध्रे कराने का निर्देश दियो गया।

महाकाल मंदिर पोखरा में होगा शहर के सभी पंडालों के मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन

डुमरांव। शहर के मां दुर्गा के प्रतिमाओं का विसर्जन महाकाल मंदिर स्थित पोखरा में होगा। अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार को मां दुर्गा के प्रतिमा विसर्जन के लिए जगत तलाश करने का निर्देश दिया था। इस निर्देश के आलोक में सोमवार को काफी मशक्कत के बाद नगर परिषद ने प्रतिमा विसर्जन के लिए महाकाल मंदिर पोखरा को चिन्हित किया है।महाकाल मंदिर पोखरा में फिलहाल पानी नहीं है। जिससे जरूरत पड़ने पर पोखरा की खुदाई तथा श्रद्धालु भक्तों के प्रतिमा को लेकर आने जाने लायक बनाया जा सकता है। पोखर तक जाने के लिए सड़क व्यवस्था भी ठीक है। मुख्य पार्षद सुनीता गुप्ता के प्रतिनिधि सुमित गुप्ता तथा अन्य वार्ड पार्षदों के अलावा नगर परिषद के कर्मियों के साथ कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार शहर की कई जगह का भ्रमण किए। आखिरकार आम सहमति महाकाल मंदिर पोखरा पर प्रतिमा विसर्जन करने की बनी। क्योंकि महाकाल मंदिर पोखरा तक प्रतिमा लेकर आने-जाने में भी श्रद्धालु भक्तों को काफी सहूलियत मिलेगी। शहर को जाम की समस्या से बचाया जा सकेगा। मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सुमित गुप्ता ने बताया कि महाकाल मंदिर पोखर पर प्रतिमा विसर्जन कराने के फैसले की जानकारी अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पांडे को दे दी गई है। दोनों पदाधिकारियों द्वारा भी महाकाल मंदिर पोखरा को प्रतिमा विसर्जन के लिए उपयोगी माना गया है। कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि नगर के सभी पूजा समितियां को भी अवगत करा कर महाकाल मंदिर पोखरा पर प्रतिमा विसर्जन के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिससे एनजीटी के निदेर्शों का पालन हो सके।

विडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्य सचिव ने दुगार्पूजा की तैयारियों को परखा

केटी न्यूज/बक्सर

♦ वीसी में शामिल हुए डीएम-एसपी, अद्यतन स्थिति की दी जानकारी

मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में सोमवार को वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आगामी दुगार्पुजा व दशहरा मेला के मद्देनजर विधि व्यवस्था विषय पर समीक्षा बैठक की गई। जिसमें जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने भाग लिया।

विसी में डीएम एसपी ने मुख्य सचिव को बताया कि सभी थानों में शांति समिति की बैठक आयोजित करा पूजा समितियों तथा शांति समिति के सदस्यों को सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन की जानकारी दी गई है। पूजा समिति के सदस्यों को इसका अक्षरशः पालन करने का निर्देश दिया गया है। सभी थानाध्यक्षों, बिजली कंपनी, फायर बिग्रेड तथा अन्य पदाधिकारियों द्वारा पूजा पंडालों का भौतिक सत्यापन कर सुरक्षा व्यवस्था तथा विधि व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा है। इस दौरान पूजा समिति के सदस्यों को आवश्यक निर्देश दिए जा रहे है।

डीएम एसपी ने बताया कि शारदीय नवरात्र व दशहरा मेला की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसके निमित दंडाधिकारियों की नियुक्ति कर ली गई है। उन्हें अपने निर्धारित जगह पर प्रतिनियुक्ति अवधि तक रहने का निर्देश दिया गया है। मुख्य सचिव ने आगामी दुगार्पूजा व दशहरा त्योहार में सोशल मीडिया पर विशेष सतर्कता बरतने एवं विधि व्यवस्था संधारण के लिए आवश्यक निर्देश दिया।

काजीपुर में पशु शेड की राशि हड़प गया पीआरएस

♦ लाभुक की शिकायत पर सिमरी पीओ ने पीआरएस पूछा शो-कॉज

♦ कई लाभुकों से पशु शेड लगवाने के नाम पर वसूला है मोटी रकम

केटी न्यूज/सिमरी

प्रखंड के काजीपुर पंचायत में पशु शेड की राशि हड़पने का आरोप पूर्व पीआरएस पर लगा है। एक ग्रामीण ने इसकी शिकायत सिमरी पीओ से की है। यही नहीं ग्रामीणों का आरोप है कि वह कई अन्य पशु-पालकों को भी झांसे में ले पशु शेड लगवाने के नाम पर उनसे 15-20 हजार रूपए की दर से लाखों रूपए लिया है। मामला संज्ञान में आने के बाद उक्त पीआरएस की मुश्किले बढ़ गई है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रखंड के काजीपुर पंचायत के स्थानीय गांव निवासी जितन सिंह ने तत्कालीन पीआरएस संजय सिंह पर पशु शेड की राशि हड़पने का आरोप लगा पीओ से लिखित शिकायत की। पीओ को दिए शिकायत में उसने बताया है कि मनरेगा के तहत पशु शेड बनवाया था। शेड बनने के बाद संबंधित वेंडर उनसे राशि की मांग कर रहा था। परेशान होकर वह मनरेगा कार्यालय में राशि भुगतान के लिए जा रहे थे। तब उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा था। बाद में उन्हें इस बात की जानकारी प्राप्त हुई कि पीआरएस संजय सिंह ने अपने चहेते वेंडर के खाते में राशि का भुगतान करा दिया है। सभी राशि का बंदरबांट कर लिया गया है। पीड़ित ने पीओ के यहां आवेदन दिया। साथ ही आवेदन में यह भी आरोप लगाया है कि पीआरएस संजय सिंह ने पशु शेड बनाने वाले कई लाभुकों से 15 से 20 हजार रुपये वसूले है। विदित हो कि मनरेगा के तहत आर्थिक रूप से कमजोर किसानों को सहायता प्रदान की जाती है। पशु की संख्या के अनुसार शेड बनाने पर राशि का भुगतान होता है। नियमानुसार भुगतान संबंधित किसान के खाते में नहीं होता है। बल्कि वेंडर के खाते में भेजा जाता है, जो पशु शेड के निर्माण के लिए सामग्री उपलब्ध कराया होता है।

वहीं दूसरी ओर पीओ ने संबंधित पीआरएस संजय सिंह से स्पष्टीकरण की मांग की है। हालांकि स्पष्टीकरण जारी होते ही चौसा में पदस्थापित संजय सिंह काजीपुर पहुंच जनप्रतिनिधियों से संपर्क स्थापित किया। आवेदक को उसके पशु शेड की राशि उपलब्ध करा दी। इस संबंध में पूछे जाने पर आवेदक जीतन सिंह ने कहा कि मुखिया, सरपंच आये थे। समझौता हो गया। वह मुझसे लिखवाकर ले गए है। हालांकि, अभी कई आवेदकों से उसने अवैध वसूली की है।

21 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव के चौथे दिन की रासलीला में श्रीकृष्ण के द्वारा माखन चोरी लीला का किया गया मंचन

संतान प्राप्ति के लिए गुरु वशिष्ठ ने दशरथ को दिया पुत्रेष्ठि यज्ञ करने का सुझाव

♦ राम लीला में राम जन्म व नामकरण प्रसंग का हुआ मंचन

केटी न्यूज/बक्सर

श्री रामलीला समिति के तत्वावधान में रामलीला मैदान स्थित मंच पर चल रहे 21 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव के चौथे दिन शनिवार को श्रीधाम वृंदावन से पधारी सुप्रसिद्ध रामलीला मण्डल श्री राधा माधव रासलीला एवं रामलीला मंडल ?के स्वामी श्री सुरेश उपाध्याय व्यास जी के सफल निर्देशन में दिन में कृष्ण लीला व रात्रि में रामलीला के प्रसंग का मंचन किया गया। जिसमें देर रात्रि मंचित रामलीला कार्यक्रम के दौरान ब्रजवासी कलाकारों द्वारा राम जन्म, नामकरण नामक प्रसंग का मार्मिक मंचन किया गया। वहीं इस दौरान दूसरी ओर दिखाया गया कि रावण का अत्याचार बढ़ने पर इंद्र आदि देवताओं द्वारा प्रभु का स्मरण किए जाने पर नारायण भगवान प्रकट होते हैं और सभी देवताओं को आश्वस्त करते हैं। तब सभी देवता वहां से प्रसन्न होकर चले जाते हैं। इधर राजा दशरथ अपनी सभा में बैठे यह विचार करते हैं मेरे पास सब कुछ है परंतु कोई संतान नहीं है। यह विचार करते हुए वह महाराज गुरु वशिष्ठ के पास जाते हैं। जहां वशिष्ठ जी उन्हें संतान प्राप्ति हेतु पुत्रेष्टि यज्ञ कराने का सुझाव देते हैं। महाराज दशरथ द्वारा इसकी स्वीकृति पाकर गुरु वशिष्ठ श्रृंगी ऋषि को बुलवाकर पुत्रेष्टि यज्ञ करवाते हैं। जहां यज्ञ से अग्निदेव प्रकट होकर राजा दशरथ को प्रसाद देते हैं। जिसके प्रताप से महाराजा दशरथ को चार पुत्रों की प्राप्ति होती है। गुरु वशिष्ठ द्वारा इनका नामकरण संस्कार किया जाता है और चारों का नाम राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न रखा जाता है। इस दौरान दर्शक दीर्घा से जय श्री राम की उद्घोष होने लगती हैं और पूरा पांडाल जयकारों से गुंजायमान हो जाता हैं।

इसके पूर्व दिन में माखन चोरी लीला प्रसंग का मंचन किया गया। जिसमें दिखाया गया कि श्रीकृष्ण को अपने घर में माखन चोरी करते हुए यशोदा मैया पकड़ लेती हैं और अपने लल्ला को माखन चोरी की आदत छोड़ने को कहती हैं। माखन चोरी के कारण ही ब्रज की गोपियां तुम्हारी रोज शिकायत लेकर आती है। श्रीकृष्ण अपनी मैया को माखन चोरी छोड़ने का वचन देते हैं और दूसरी तरफ ब्रज गोपियों के घर माखन चोरी करने पहुंच जाते हैं। गोपियां कन्हैया को पकड़ लेती है, परन्तु कृष्ण गोपियों को अपने बातों में उलझा कर उनके ही घर में बांधकर अपने सखाओं के साथ माखन की चोरी करते हैं। दृश्य को देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो श्रीकृष्ण की जयकार करने लगते हैं। लीला के दौरान रामलीला पंडाल दर्शकों से भरा हुआ था। कार्यक्रम के दौरान समिति के सचिव बैकुंठ नाथ शर्मा, संयुक्त सचिव सह मीडिया प्रभारी हरिशंकर गुप्ता, कृष्णा वर्मा, कमलेश्वर तिवारी, उदय कुमार सर्राफ, राजकुमार गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

तीन अक्टूबर से शुरू होगी शारदीय नवरात्रि, शुभ मुहूर्त में होगी कलश स्थापना

केटी न्यूज/डुमरांव

♦ अनुमंडल में भव्य और धूमधाम तरीके से मनाया जाता है नवरात्रि का उत्सव

शारदीय नवरात्र के नौ दिनों में मां के नौ रूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। मां को प्रसन्न करने के लिए भक्त व्रत भी रखते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि के दौरान विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। आश्विन मास में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शारदीय नवरात्रि शुरू हो जाते हैं। हिंदू धर्म में नवरात्रि का बहुत अधिक महत्व होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार शारदीय नवरात्रि का पर्व तीन अक्टूबर गुरुवार से प्रारंभ होगा। जबकि इसका समापन 12 अक्टूबर यानी दशहरा के दिन होगा। नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की उपासना की जाती है। नवरात्रि का उत्सव भव्य और धूमधाम तरीके से मनाया जाता है। माता रानी के स्वागत के लिए पंडाल, मंदिर से लेकर लोग अपनों घरों तक में विशेष तैयारी करते हैं। मान्यता है कि नवरात्रि में मां दुर्गा धरती लोक पर आती हैं और अपने भक्तों पर अपार कृपा बरसाती हैं। नवरात्र के पहले दिन कलश

स्थापना का विधान है। इससे देवी प्रसन्न होती हैं। कलश में ब्राह्मा, विष्णु और महेश व मातृगण का निवास माना जाता है। इसकी स्थापना से जातक को शुभ परिणाम मिलते हैं। आचार्य पंडित आदित्य तिवारी ने बताया कि इस बार कलश स्थापना का समय सुबह 6 बजकर 15 मिनट से 7 बजकर 22 मिनट तक रहेगा। इस तरह कलश स्थापना का समय कुल 1 घंटा 6 मिनट रहेगा। इसके अलावा कलश स्थापना अभिजीत मुहूर्त में भी की जा सकती है। अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 46 मिनट से दोपहर 12 बजकर 33 मिनट तक रहेगा। यानि 47 मिनट का समय मिलेगा।

पालकी में आ रहीं माता रानी : आचार्य ने बताया कि नवरात्र संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ नौ रात है। इन नौ दिनों में उपवास रखकर दुर्गा देवी की पूजा की जाती है। दुर्गा सप्तसती का पाठ, दुर्गा स्त्रत्तेत और दुर्गा चालीसा के साथ राम चरितमानस का भी पाठ किया जाता है। भक्ति भाव से आराधना करने से दुर्गा मां प्रसन्न होती हैं। उन्होंने बताया कि इस बार माता पालकी में आ रहीं हैं। नवरात्र की शुरूआत गुरुवार अथवा शुक्रवार से होती है, तो माना जाता है कि माता पालकी या डोली में आ रहीं हैं। डोली की सवारी से देश में आर्थिक मंदी होगी और महामारी बढ़ने के संकेत भी हैं।

मुर्गे पर होगा माता का प्रस्थान : इस बार माता रानी का प्रस्थान चरणायुद्ध (मुर्गा) पर होगा, जो कि शुभ संकेत नहीं है। देवी दुर्गा जब मुर्गा पर सवार होकर विदा होती हैं तो यह अमंगल माना जाता है। यह शोक और कष्ट का प्रतीक बताया जाता है। आचार्य के अनुसार यह देश दुनिया पर बुरा असर डालने वाला है। लड़ाई-झगड़े बढ़ेंगे और आंशिक महामारी फैलेगी। साथ ही राजनीतिक उथल-पुथल भी देखने को मिल सकता है।

नवरात्रि की पूजन तिथि

03 अक्टूबर 2024 : मां शैलपुत्री की पूजा
04 अक्टूबर 2024 : मां ब्रह्मचारिणी की पूजा
05 अक्टूबर 2024 : मां चंद्रघंटा की पूजा
06 अक्टूबर 2024 : मां कूष्मांडा की पूजा
07 अक्टूबर 2024 : मां स्कंदमाता की पूजा
08 अक्टूबर 2024 : मां कात्यायनी की पूजा
09 अक्टूबर 2024 : मां कालरात्रि की पूजा
10 अक्टूबर 2024 : मां महागौरी की पूजा
11 अक्टूबर 2024 : मां सिद्धिदात्री की पूजा
12 अक्टूबर 2024 : विजयादशमी (दशहरा)

खबरें फटाफट

राजद का धरना प्रदर्शन आज

केसठ। राष्ट्रीय जनता दल के राज्यव्यापी आह्वान पर विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को धरना प्रदर्शन किया जाएगा। राजद के वरिष्ठ नेता सुनील कुमार सिंह उर्फ पप्पू यादव ने बताया कि बिजली विभाग के तहत लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर से गरीबों पर अत्याचार किया जा रहा है। जिसे राजद कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। वही किसान अपनी फसल को बचाने को लेकर सिंचाई की समस्या से हर साल जूझते हैं। सरकार मलई बराज योजना को चालू करने को लेकर कोई पहल नहीं कर रही है। इसके बाद अधिकारियों को मांग पत्र सौप जाएगा। उन्होंने अधिक से अधिक कार्यकताओं को धरना प्रदर्शन में शामिल होने को लेकर अपील की।

एसपीजीआरओ ने पंचायत सरकार भवन का किया निरीक्षण

केसठ। प्रखंड के केसठ पंचायत सरकार भवन में चल रहे भूमि सर्वे व आरटीजीएस का सोमवार को एसपीजीआरओ कृष्ण कुमार ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भूमि सर्वे रिपोर्ट , आरटीपीएस की जानकारी ली। साथ ही कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिया। इस दौरान पंचायत सरकार भवन के चार दिवारी का चल रहे निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। इस संदर्भ में एसपीजीआरओ से जांच में क्या पाए पूछे जाने पर स्थिति समान्य होने की बात कई साथ ही जांच को रूटीन जांच बताया। इस दौरान पंचायत के मुखिया अरविंद यादव उर्फ गामा पहलवान, संजय बारी, अभय कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

किसानों को कराया गया एक दिवसीय क्षेत्र परिभ्रमण

बक्सर। आत्मा द्वारा जिला के अंदर एकदिवसीय अनुमंडल स्तरीय क्षेत्र परिभ्रमण कार्यक्रम सोमवार को पूर्वाहने 12 बजे आयोजित कियो गयो। जिसके तहत बक्सर अनुमंडल के राजपुर, इटाढ़ी, चौसा एवं बक्सर प्रखंड से कुल 40 किसानों को बक्सर प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित ई-किसान भवन से रवाना कियो गयो। इस तरह से प्रति प्रखंड से 10-10 किसानों को परिभ्रमण कार्यक्रम में शामिल कियो गयो। किसानों को परिभ्रमण समेकित कृषि प्रणाली विषय परे सिमरी प्रखंड कै दियामाने गांव में डॉक्टर विजय शंकर राय के कृषि फार्म पर

हथियारों के साथ पुलिस ने बरामद किया 4.68 लीटर अंग्रेजी शराब

देशी कट्टा, पिस्टल, एक मैग्जीन व 8 कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

♦ मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पांडेयपट्टी गांव से पुलिस को मिली सफलता
♦ मामले में दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस कर रही है सघन छापेमारी

केटी न्यूज/बक्सर

महंगे व ब्रांडेड शराब की खरीद-बिक्री की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एक हथियार तस्कर को दबोच लिया। जहा बिक्री करने के लिए रखे अवैध हथियार, जिंदा कारतूस, मैग्जीन व विदेशी शराब बरामद की गई। जबकि, पूछताछ में युवक ने दो शातिर अपराधियों का नाम बताया जिसकी पुलिस द्वारा छापेमारी की जा रही है। फरार अभियुक्त पर पूर्व से नगर व मुफस्सिल थाने में केस दर्ज है। इसकी जानकारी एसपी शुभम आर्या ने मीडिया के समक्ष प्रेस वार्ता कर जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी की गुफ्फसिल थाना क्षेत्र के पाण्डेपट्टी स्थित पंडितजी के मकान में कुछ लोगों द्वारा अवैध शराब एवं हथियार की खरीद-बिकी की जा रही है। उक्त सूचना पर त्वरित कारवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धीरज कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन की गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि राहुल कुमार यादव व

घर की घेराबंदी कर की गई छापेमारी

जहां गठित टीम द्वारा सूचना का सत्यापन एवं त्वरित कारवाई करते हुए उक्त ठिकाने पर घर की घेराबंदी कर छापेमारी की गई। जहा तलाशी के दौरान उक्त मकान से एक देशी कट्टा, एक देशी पिस्टल, एक मैगजिन, आठ जिंदा कारतुस के साथ 4.68 ली० विदेशी शराब बरामद की गई। जहा अभियुक्त ब्रह्मपुर थाना के पांडेपुर निवासी राम कुमार यादव का पुत्र राहुल कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त से बरामद हथियार एवं कारतूस के संबंध में पुछ-ताछ की गई जिसमें उसने बताया की देशी पिस्टल एवं मैग्जीन मुफस्सिल थाना के इस्माइलपुर निवासी रिंकू अंसारी का पुत्र फिरोज अंसारी उर्फ मोदी अंसारी तथा देशी कट्टा इस्माइलपुर के सुरेश चौधरी का पुत्र राहुल चौधरी का है। इस मामले पुलिस द्वारा केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, अन्य फरार दो अभियुक्तो की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जानकारों का कहना है कि गिरफ्तार अपराधी तथा इनका गिरोह हथियार के बल पर ट्रेन में यात्रियों से लूटपाट व शराब तस्करी करते थे। पुलिस इनके नेटवर्क को खंगाल रही है।

राहुल चौधरी पर कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। जबकि, फिरोज अंसारी उर्फ मोदी अंसारी पर मुफस्सिल में चोरी व नगर थाने में मारपीट आदि के केस दर्ज है। इस टीम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धीरज कुमार, मुफस्सिल थानाध्यक्ष अरविंद कुमार, डीआईयू के पुलिस अवर निरीक्षक यूसुफ अंसारी, पुलिस निरीक्षक विकास कुमार, एस आई चन्दन कुमार, डीआईयू व मुफस्सिल थाना। के पुलिस बल शामिल थे।

कट्टा के साथ धराये छात्र की निशानदेही पर दोनाली बंदूक व 20 से अधिक कारतूस बरामद

♦ किशोर से पूछताछ के बाद गांव में छापेमारी अभियान चला रही है मुरार पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल के मुरार थाना क्षेत्र के उच्च विद्यालय ओझा बरांव के पास से पुलिस ने गुप्त सूचना पर एक किशोर को देशी कट्टे के साथ गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर बाद में पुलिस ने ओझा बरांव गांव में सघन छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान उसके घर से एक दोनाली बंदूक तथा 20 से अधिक कारतूस मिला। इसके बाद पुलिस का जांच और तेज हो गया है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस गांव में छापेमारी कर रही है। जानकारों का कहना है कि पुलिस के हाथ एक बड़ा गिरोह लग गया है। इस मामले में विशेष जानकारी देने से फिलहाल पुलिस बचते नजर आ रही है। हालांकि, डुमरांव डीएसपी ने इसकी पुष्टि की है और बताया कि अभी छापेमारी चल रही है। उन्होंने कहा कि प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी जाएगी। गिरफ्तार किशोर उच्च विद्यालय ओझा बरांव का नौवी कक्षा का छात्र बताया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की दोपहर मुरार पुलिस को सूचना मिली थी कि एक किशोर कट्टा लेकर ओझा बरांव उच्च विद्यालय के पास घुम रहा है। इस सूचना पर एक टीम भेज तत्काल उसे गिरफ्तार किया गया। उसके पास से देशी तमंचा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने जब उक्त किशोर से हथियार के संबंध में पूछताछ की तो उसने पुलिस को कई अहम जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस टीम काफी गंभीर हो गई तथा थानाध्यक्ष ने इस घटना की जानकारी वरीय अधिकारियों को दी। जानकारी मिलते ही डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी मामले की तह तक पहुंचने की कवायद शुरू कर दिए है। अब तक उसके निशानदेही पर एक दोनाली बंदूक व 20 से अधिक कारतूस बरामद हुए हैं, पुलिस की छापेमारी अभी चल ही रही है। ऐसे में हथियारों तथा कारतूस की संख्या बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है।

इस संबंध में मुरार थानाध्यक्ष ने कहा कि पूरे मामले की बारीकि से जांच की जा रही है। माना जा रहा है कि पुलिस की छापेमारी व किशोर से पूछताछ के बाद कई चौकाने वाली बातें सामने आ सकती है तथा कलम पकड़ने की उम्र में उसके हाथ में कट्टा थमाने वाले भी पुलिस की जद में आ सकते है।

एक नजर

प्रखंड प्रमुख ने अविश्वास प्रस्ताव पर नहीं दी तिथि, अब पंसस करेंगे तिथि निर्धारित

डुमरांव। स्थानीय प्रखंड प्रमुख तथा उप प्रमुख के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर एक बार फिर से राजनीति गमार्ने लगी है। पंचायत समिति सदस्यों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पांडे से मिलकर अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए तिथि निर्धारित करने को कहा है। पंचायत समिति सदस्यों द्वारा प्रखंड प्रमुख अनुपा देवी तथा उप प्रमुख कृष्णा सिंह के खिलाफ 12 सितंबर को ही अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। पंचायत राज विभाग के नियमानुसार प्रस्ताव के 15 दिनों में प्रखंड प्रमुख को बैठक के लिए तिथि निर्धारित करना था। प्रखंड प्रमुख ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देकर जब अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के लिए तिथि निर्धारित नहीं किया तो प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पांडे ने नियमानुसार दूसरा मौका उप प्रमुख कृष्णा सिंह को देकर बैठक बुलाने की तिथि निर्धारित करने के लिए पत्र दिया। बताया जाता है उप प्रमुख द्वारा भी अविश्वास प्रस्ताव पर बैठक के लिए तिथि निर्धारित नहीं करने का फैसला लिया गया है। ऐसे में सोमवार को पंचायत समिति सदस्यों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से मुलाकात कर पंचायत राज विभाग नियम का हवाला देते हुए अपने स्तर से बैठक की तिथि निर्धारित करने का फैसला लिया गया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि ऐसी स्थिति में पंचायत समिति सदस्यों द्वारा निर्धारित तिथि पर बैठक बुलाने का प्रावधान है तथा बैठक में लिया गया फैसला सर्वमान्य है। हालांकि पंचायत समिति सदस्यों ने बैठक की निर्धारित तिथि का पत्र अभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को नहीं सौंपा है। वैसे अनुमान लगाया जा रहा है कि आठ अक्टूबर को अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए पंचायत समिति की अगली बैठक हो सकती है। पंचायत समिति सदस्यों के इस पैंतरा बाजी के बाद स्थानीय प्रखंड की राजनीति मैं एक बार फिर से हलचल तेज हो गई है। अविश्वास प्रस्ताव के दिन से ही कई पंचायत समिति सदस्य भूमिगत हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि स्थानीय प्रखंड के 21 में से 17 पंचायत समिति सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में हस्ताक्षर कर प्रखंड प्रमुख अनुपा देवी तथा उप प्रमुख कृष्णा सिंह की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

सड़क विहीन क्षेत्रों को जोड़ने का काम शुरू

डुमरांव। नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्रों में कई ऐसे गांव जुड़े हुए हैं, जहां पहुंच पथ नहीं होने से लोगों को आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वैसे गांव के मोहल्लों को नगर परिषद द्वारा बनाने के लिए चिन्हित किया जा रहा है। सोमवार को नप के विस्तारित क्षेत्र का गांव नावाडेरा के वार्ड 2 को रोड से जोड़ने के लिए काम शुरू किया गया। इस मौके पर चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता और ईओ मनीष कुमार पहुंच रोड बनवाने का काम शुरू करवाया। फिर उन्होंने गांव का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान जहां कोई कमी पायी गई उसे जरूरत के अनुसार ठीक करने के लिये ईओ ने आदेशित किया। नल का जल को लेकर भी ईओ ने ग्रामीणों से पूछताछ करते हुए जानकारी हासिल किया। बता दें कि नावाडेरा डुमरांव नप के विस्तारित क्षेत्र में शामिल है, पहले यह कुशलपुर पंचायत का अंग हुआ करता था। नप में शामिल किये जाने से गांव के लोग शहरी सुख पाने की उम्मीद लगाए बैठे हुए थे, लकिन उन्हें इसका सुख अभी तक नहीं मिल पाया था। गांव की सड़क और नाली, गली का अभाव है। फिर वहां के वार्ड पार्षद के अनुशंषा पर जरूरत के अनुसार पथों का निर्माण शुरू किया गया है।

पुराना भोजपुर को-ऑपरेटिव बैंक में लाखों का घोटाला

केटी न्यूज/डुमरांव

♦ वर्षों बाद भी नहीं मिले उपभोक्ताओं के पैसे, मायूश है उपभोक्ता

को-ऑपरेटिव बैंकों में हजारों उपभोक्ताओं का लाखों रुपए का चंपत लग चुका है। नयाभोजपुर का मामला अभी चल ही रहा था कि पुरानाभोजपुर को-ऑपरेटीव बैंक का मामला सामने आने लगा। इस बैंक से भी लाखों रुपए घोटाला का मामला सामने आने लगा है। मिली जानकारी के अनुसार पुराना भोजपुर के मुख्य आरा-बक्सर रोड के किनारे मध्य विद्याल के पास अवस्थित को-ऑपरेटीव बैंक में सैकड़ा उपभोक्ताओं के पैसे का भुगतान नहीं हुआ है। हर दिन उपभोक्ता अपने पैसे को लेकर बैंक का चक्कर काट रहे हैं। इधर बैंक में लगा ताला खुल नहीं रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है की 2013 से ही बैंक से पैसे की निकासी बंद है। बैंक बंद रहने से

उपभोक्ताओं अपन पैसा डूबता नजर आ रहा है। इस पैसे को लेकर उपभोक्ताओं ने अधिकारियों से गुहार तक लगाया, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई।

पुराना भोजपुर को-ऑपरेटिव बैंक के उपभोक्ता अधिकतर फुटपाथी दुकानदार और किसान हैं। इनके द्वारा डेली खाता के अलावे महीना और फिक्सड डिपोजिट में पैसा जमा किया गया है। जब भुगतान का समय आया तो बैंक द्वारा उन्हें टरकाना शुरू कर दिया गया। टरकाते-टरकाते एक दशक गुजर गए लेकिन उनका जमा पैसा नहीं मिला। इस संबंध में कुछ डीपोजिटरों से बात की गई तो पुरानाभोजपुर के संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि मेरा ढाई लाख रूपया जमा है। पैसे के लिए दस सालों से दौड़ लगा रहे हैं, लेकिन एक फुटीकौड़ी भी नहीं मिला। बैंक में जाने के बाद बराबर उसमें ताला लटका ही मिला। फिर इसके लिए अधिकारियों से मिल बात की गई, लेकिन कुछ नहीं हुआ। उसी तरह से स्व. धर्मेन्द्र गुप्ता द्वारा पच्चीस हजार रूपया जमा किया गया था। उनकी पत्नी रेखा देवी जब पैसा के लिए संबंधित लोगों से मिली तो उसे भी टरका दिया गया। फिर उसने अधिकारियों से मिल अपनी दुखड़ा रोई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। उसी तरह से ज्योति कुमारी के पिता ने उसकी शादी के लिये उसके नाम पर खाता खुलवाया था। बेचारा क्या जानता था कि बैंक पैसे का घोटाला कर देखा, लेकिन ऐसा ही हुआ। बेचारा कर्ज लेकर अपनी बेटी का शादी किसी तरह से किया। वहीं जीतेन्द्र गुप्ता ने बैंक में एक लाख रूपया रखा था कि जमा पैसे से दुकान खोल जीवन-यापन चलाएगा, लेकिन उसका पैसा भी नहीं मिल पाया। इसी तरह दर्जनों उपभोक्ता ऐसे हैं, जिनका पैसा डूबा हुआ है। वहीं, उपभोक्ताओं का कहना है कि चेयरमैन और मैनेजर एक दूसरे पर दोषारोपण लगाते हुए केश भी किया है।

बिहार राज्य मास्टर तैराकी चैंपियनशिप में चार गोल्ड मेडल जीत कैप्टन बिजेंद्र सिंह ने किया जिले का नाम रौशन

फ्री स्टाइल तैराकी प्रतियोगिता में कैप्टन बिजेंद्र ने मारी बाजी

केटी न्यूज/बक्सर

♦ 50 मी., 100 मी., 200 मी. एवं 400 मीटर में लिया हिस्सा

राजधानी पटना के राजेंद्रनगर स्थित चंद्रगुप्त जल बिहार तरणताल में बिहार तैराकी संघ के द्वारा राज्य मास्टर तैराकी प्रतियोगिता 2024 का एक दिवसीय आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कई मेधावी प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वही इस चौंपियनशिप में बक्सर जिले के ब्रह्मपुर प्रखंड के सपही गाँव निवासी अंतराष्ट्रीय तैराक कैप्टन बिजेंद्र सिंह भी प्रतिभागी बन कर अपने कुशल तैराकी विद्या से एक साथ चार गोल्ड मेडल जीतकर नेशनल प्रतियोगिता में स्थान

बनाया। इस सम्बंध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर फ्री स्टाइल तैराकी प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए सभी मे स्वर्ण पदक जीता।

बता दें कि कैप्टन बिजेंद्र सिंह अंतराष्ट्रीय तैराक रहते हुए देश के लिए अबतक 400 से अधिक मेडल विभिन्न तैराकी प्रतियोगिताओं में जीत चुके हैं। वर्तमान में ये बिहार तैराकी संघ में चीफ कोच का दायित्व संभाल रहे हैं। इसके अलावा 2008 में सेवानिवृत्त होने के बाद अब अपने पैतृक गाँव सपही में ग्रामीण युवाओं को तैराकी के फायदे और जरूरत के बारे में जागरूक करते हुए तैराकी का गुन फ्री में सिखाते हैं। उन्होंने बताया कि वे अबतक 300 से अधिक युवाओं को तैराकी सीखा चुके हैं, उनमें से कई युवाओं का सरकारी नौकरी भी मिल गई है। उन्होंने बताया कि संसाधन के अभाव होने के बावजूद वे गोकुल जलाशय में युवाओं को तैराकी सिखाते है. इतना ही नहीं लगभग 25 किलोमीटर क्षेत्र में फैले गोकुल जलाशय के जीणोद्धार के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। इनका मानना है कि यदि इस जलाशय को तरणताल के रूप में विकसित कर दिया जाए तो उसमें पर्यटन के साथ साथ खेल व रोजगार की भी अपार संभावनाएं हैं।

वही राज्यस्तरीय मास्टर तैराकी चौंपियनशिप में चार गोल्ड मेडल जीतने पर कैप्टन बिजेंद्र सिंह को बधाई देने वालों का तांता लग गया। बधाई देने वालो में डुमराँव महाराज चन्द्रविजय सिंह, सांसद सुधाकर सिंह, डॉ आर. के. सिंह, डॉ आशुतोष सिंह, डॉ वीके सिंह, सैनिक संघ अध्यक्ष रामनाथ सिंह, रेलयात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष सुधीर सिंह, भाजपा नेता चुनु सिंह, समाजसेवी राजीव सिंह सहित कई लोग शामिल हैं।

जिले के कुपोषित बच्चों की स्क्रिनिंग को किया जाये सुदृढ़ : सिविल सर्जन

केटी न्यूज/छपरा

- काउंसलिंग के दौरान पाए गए कुपोषित बच्चों को एनआरसी सेंटर किया जायेगा रेफर

आशा कार्यकर्ताओं का होगा उन्मुखीकरण

सिविल सर्जन ने आदेश दिया है कि आशा कार्यकर्ता के माध्यम से बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में एडमिशन बढ़ाने के लिए उनका आशा दिवस पर उन्मुखीकरण सुनिश्चित हो। कुपोषित बच्चों की पहचान करते हुए उन्हें सुपोषित करने संबंधी जानकारी दी जायेगी। सिर्फ 10 से 15 फीसद अति गंभीर कुपोषित बच्चों को संस्था आधारित देखभाल की जरूरत होती है। अति गंभीर कुपोषित बच्चों को स्वस्थ करने के लिए उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्रों में भेजा जाता है। एक अध्ययन के मुताबिक केवल 10 से 15 फीसद ही अति-गंभीर कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भेजने की जरूरत है। 90 फीसद बच्चे समुदाय आधारित देखभाल से ही स्वस्थ हो सकते हैं।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया है।

सीएस ने निर्देश दिया है कि कुपोषित बच्चों की स्क्रिनिंग को सुदृढ़ किया जाये। इसके लिए ओपीडी, आईपीडी और अरोग्य दिवस पर आने वाले बच्चों में कुपोषित की पहचान करना सुनिश्चित करें। चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा रेफर किये गये सैम बच्चे के परामर्श एवं भर्ती में फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर सहायता प्रदान करेंगे। एनआरसी में कार्यरत स्टाफ नर्स तथा फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर नियमित रूप से ओपीडी, आईपीडी तथा इन्फैंट ऐंड यंग चाइल्ड फीडिंग काउंसलिंग सेंटर पर आने वाले कुपोषित बच्चों को प्रोटोकॉल के अनुसार एनआरसी में भर्ती करवाना सुनिश्चित करें। ओपीडी में स्क्रीनिंग से आने वाले बच्चों का आंकड़ा संधारित किया जाये और इसकी नियमित समीक्षा हो। संस्थान के इन्फैंट ऐंड यंग चाइल्ड फीडिंग काउंसलर की यह जिम्मवादी होगी कि काउंसलिंग के दौरान पाए गए कुपोषित बच्चों को सेकंड स्क्रिनिंग हेतु पोषण पुनर्वास केंद्र में रेफर करना सुनिश्चित करें।

दो साल में 288 कुपोषित बच्चों का हुआ सफल उपचार: जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीसी सह पोषण पुनर्वास केंद्र के नोडल पदाधिकारी रमेश चंद्र कुमार ने बताया कि पोषण पुनर्वास केंद्र में कुपोषित बच्चों के उपचार की बेहतर सुविधा उपलब्ध है। दो साल में 288 कुपोषित बच्चों का इलाज कर सुपोषित किया गया है। अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक 155 तथा अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक 133 कुपोषित बच्चों का इलाज हुआ है। राज्य में बाकि 23 जिलों से सारण जिले का प्रदर्शन काफी अच्छा है।

एक नजर

23.40 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

छपरा। शराब बंदी के बाद शहर में स्मैक और गांजा की बिक्री जोर-शोर से हो रही है। इस सूचना के बाद सारण एसपी डॉक्टर कुमार आशीष के निर्देश पर मुफस्सिल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 23.40 ग्राम स्मैक के साथ एक ड्रग पेडलर को गिरफ्तार किया है। इस बात की जानकारी देते हुए एसपी ने बताया कि ज़िले में अवैध मादक पदार्थ का सेवन, निर्माण, बिक्री, भण्डारण, परिवहन, तस्करों एवं कारोबारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मुफ्फसिल थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति ग्राम-बदलू टोला स्थित गोरिया टोला के पास मादक पदार्थ (स्मैक) की बिक्री कर रहा है।उक्त सूचना पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए गोरिया टोला पहुंच कर पुलिस ने छापामारी किया गया तो छापामारी के क्रम में कुल-23.40 ग्राम स्मैक एवं 2,060/- रूपया जब्त कर एक ड्रग पेडलर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार स्मैक विक्रेता छपरा शहर के भगवान बाजार थाना अंतर्गत दौलतगंज मोहल्ला निवासी दीपक राय है। एसपी ने बताया कि इस संदर्भ में मुफस्सिल थाना सुसंगत धाराओं के आधार पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है।

घायल रायपुरा सरपंच से मिला युवा ब्राह्मण चेतना मंच का प्रतिनिधिमंडल

छपरा। सारण जिला के गड़खा प्रखंड के रायपुरा पंचायत के सरपंच ज्योतिर्विद पंडित अजय त्रिपाठी पर जानलेवा हमला की सूचना पाकर युवा ब्राह्मण चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुभाष पाण्डेय जी के निर्देशानुसार मंच का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश प्रभारी पंडित संजय पाठक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पंडित श्यामसुन्दर मिश्र एवं प्रदेश सचिव पंडित मनीष कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में सारण जिलाध्यक्ष पंडित अरुण पुरोहित, जिला प्रवक्ता पंडित राजू रंजन तिवारी, जिला सचिव अमित मिश्रा एवं कई अन्य सदस्यगण के साथ जाकर सदर अस्पताल छपरा में मिला तथा सभी समुचित चिकित्सकीय व्यवस्था करवाया।ज्ञात हो कि रविवार की रात्रि कुछ अज्ञात लोगो ने मार्ग में घेरकर उनपर जानलेवा हमला किया था।सभी अपराधियों का चेहरा गमछा से बंधा हुआ था। प्रतिनिधिमंडल ने सभी तरह के सहयोग का आश्वासन दिया तथा जिला प्रशासन से मांग किया कि अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए तथा कठोर सजा दी जाए।

प्रखंड की समस्याओं से उपमुख्यमंत्री को कराया गया अवगत

बिक्रमगंज। विधानसभा दिनारा से भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सह दिनारा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी राजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर विधानसभा दिनारा सहित दावथ एवं सुर्यपूरा सहित दिनारा प्रखंड की प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री से दावथ बाइपास के लिए अधिग्रहित जमीन के उचित आवासीय मुआवजे के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह किया, जिसके लिए यहां की जनता संघर्ष कर रही है।दावथ गांव से गुजरने वाले एन एच एक सौ बीस की दावथ में गड्ढे में हुई तब्दीली की ओर भी उनका ध्यान आकृष्ट कराया, जहां आए दिन कोई न कोई व्यक्ति गिरकर घायल हो जाता है एवं वाहन बुरी तरह फंस जाते हैं। अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे कई अवसर पर पूर्व राजेंद्र सिंह के द्वारा इस विधानसभा की समस्याओं को समय-समय पर उठाया जाता रहा है एवं लोगों के समूह के साथ बातें रखते रहे हैं। वहीं पूर्व मुखिया सीता सिंह है बतलाया किआरा मलिया बाग के रास्ते दिनारा की ओर जाने वाली नेशनल हाईवे रोड का पुनरूद्धार कराने में इन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।इस मौके पर दावथ भारतीय जनता पार्टी प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, सुर्यपूरा प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप कुमार एवं पूर्व मुखिया सीता सिंह कुशवाहा मौजूद रहे।

अनुमंडलीय अस्पताल परिचारी को सम्मान के साथ अधिकारियों व कर्मियों ने दी विदाई

बिक्रमगंज। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की अध्यक्षता में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन। जो सोमवार को अस्पताल कर्मी कमला देवी परिचारी पद से सेवानिवृत्त हो गई। जिसको लेकर विदाई सह सम्मान समारोह कार्यक्रम प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अशोक कुमार के नेतृत्व में किया गया। अवसर पर उन्होंने बताया कि पिछले 32 वर्षों से कमला देवी अपना कार्यकाल सराहनीय पूर्व निर्वहन किया। जिसको अजुमंडलीय अस्पताल परिवार हमेशा याद रखेगा। वही प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सौरभ प्रकाश ने बताया कि वह बहुत सुशील और कर्तव्यनिष्ठ परिचारी थी। जिनकी कमी अस्पताल हो हमेशा खलेगी। अवसर पर सभी कर्मचारी एवं पदाधिकारी द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। मौके पर आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अंकित मित्तल, प्रखंड लेखा प्रबंधक उज्जवल कुमार, प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक अनीश नारायण, प्रधान लिपिक प्रणव कुमार, रणजीत सिंह, वरीय लिपिक अनुमंडल अस्पताल के लालबाबू सिंह, पिरामल प्रोग्राम लीडर कुश कुमार, रामजी राम, नीतू वर्मा, उपेंद्र तिवारी, अभिषेक कुमार सिंह, राजू कुमार सिंह, सूरज कुमार सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

बिजली चोरी करने को लेकर दो पर प्राथमिकी

दावथ। विद्युत आपूर्ति प्रशाखा, दावथ अंतर्गत ग्राम-बतसा का कनीय विद्युत अभियंता दावथ के नेतृत्व मे निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम मे पाया गया की मीटर बाईपास कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर माया देवी पर 17306 तथा योगेश्वर साह पर 12096 रुपये राजस्व की क्षति लगायी गयी है। उपरोक्त उपभोक्ता द्वारा अवैध रूप से मीटर से पहले सर्विस तार को काटकर एक अलग से तार जोड़कर विद्युत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी, जिससे मीटर का सही मान पठन अवरूद्ध हो रहा था। कनीय विद्युत अभियंता दावथ अर्जुन कुमार के द्वारा बताया गया की बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमे उपभोक्ताओं के परिसर में लगे सर्विस तार, मीटर, बिलिंग एवं बिल के ससमय भुगतान की सघन जांच की जा रही है। जांच में मीटर की सील टूटी हुई, टेम्परिंग या बाईपास पाए जाने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है साथ हीं बकायेदार उपभोक्ताओं से अनुरोध करते हुए बताया गया की बिजली बिल समय रहते जमा करा दें अन्यथा विभाग के कर्मी घर-घर जाकर बकायेदारों का लाइन काट रहे हैं, लाइन कटने के बाद बिना बकाया राशि और रिकनेक्शन चार्ज जमा किये लाइन जलाते हुए पाए जाने पर आर्थिक जुमार्ने के साथ दावथ थाना मे प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है।

खबरें फटाफट

डॉ अजय ने फिर थामा जदयू का दामन

जहानाबाद। जनता दल (यू.) जिलाध्यक्ष दिलीप कुशवाहा की अध्यक्षता में लोकसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी रहे डॉ. अजय कुमार प्रजापति ने अपने दर्जनों समर्थकों के साथ जदयू का दामन थामा। जदयू कार्यालय में मिलन समारोह में जिलाध्यक्ष ने कहा कि डॉ. अजय प्रजापति जदयू के पुराने साथी रहे हैं। ये पार्टी के कई पदों पर रहकर पार्टी को मजबूत करने का काम किये थे। इन्होंने विगत लोकसभा चुनाव में पार्टी से इस्तीफा देकर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया था। आज इन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आस्था व्यक्त करते हुए अपने पुराने घर जदयू में वापसी हुए है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के किए हुए विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचने का काम करेंगे।

आहर में डूबने से अधेड़ की हुई मौत

जहानाबाद। विसुनगंज थाना क्षेत्र के पचवाई गांव निवासी दिनेश बिंद उम्र 52 वर्ष की आहर में डूबने से मौत हो गई। थाना अध्यक्ष फूलचंद कुमार यादव ने बताया कि मिली जानकारी के अनुसार दिनेश बिंद सोमवार की दोपहर आहर में शौच करने गए थे। जिसमे डूबने से उनकी मौत हो गई। काफी देर तक जब वह घर नहीं आए तो घर वाले इधर-उधर खोजबीन करने लगे, तभी गांव के बच्चों ने बताया कि दिनेश बिंद को आहार के तरफ शौच करते देखा है। जिसपर परिजन एवं ग्रामीणों के सहयोग से आहार में खोजबीन की गई जहां पानी में तैरता उनका शव मिला।

बैठक में समस्याओं पर हुई चर्चा

बिक्रमगंज। नगर परिषद के सभागार में एसडीएम अनिल बसाक की अध्यक्षता में अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। जिसमें जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों के समस्याओं को उठाया। जिसपर संबंधित विभागों के अधिकारियों ने निराकरण का भरोसा दिया। जनप्रतिनिधियों ने मुख्यतः शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जन वितरण से संबंधित समस्याओं को बैठक में रखने का काम किया। दिनारा उत्तरी के जिला पार्षद प्रदीप कुमार गुप्ता ने अपने क्षेत्र में जन वितरण से संबंधित आने वाली समस्या को रखते हुए सरकार द्वारा निर्धारित यूनिट के अंतर्गत अनाज वितरण के मानकता पर प्रश्न किया।

इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान जख्मी ने रास्ते में तोड़ा दम

आरा में हाई टेंशन विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से अधेड़ की गई जान

- चांदी थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव में सोमवार की सुबह घटी घटना
- हादसे में पति-पत्नी व सास समेत तीन घायल
- घायल लोगों का चल रहा है इलाज

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के चांदी थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव में हाई टेंशन विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से एक अधेड़ की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जबकि उसी हाई टेंशन विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से पति-पत्नी व सास समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

इसके बाद सभी को परिजन एवं स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतक चांदी थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव वार्ड नंबर दो निवासी चांद केश्वर सिंह के 39 वर्षीय पुत्र मुन्ना यादव है एवं वह पेशे से किसान थे। जबकि घायलों में उसी गांव के निवासी व मृतक के पड़ोसी 37 वर्षीय चंद्र किशोर सिंह,58 वर्षीया उनकी मां देव कुमारो देवी एवं 30 वर्षीया पत्नी रेणु देवी शामिल है।

परिजनों को बचाने के दौरान तार की चपेट में आया चंद्र किशोर : घटना के संबंध में जलपुरा पंचायत के सरपंच गुड्डू यादव ने बताया कि चंद्र किशोर सिंह के घर के आगे 11 हजार हाई टेंशन विद्युत प्रवाहित तार टूटकर गिर पड़ा था। जब वह घर से बाहर निकाल कर कुछ काम कर रहे थे। तभी वह उसी हाई टेंशन विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आ गए। उन्हें बिजली के तार में शता देख पहले उनकी मां उन्हें बचाने गई तो वह भी उसी तार के स्पर्श में आ गई। उसके बाद उनकी पत्नी भी बचाने के क्रम में सट गई। तीनों को हाई टेंशन विद्युत प्रवाहित तार में सटा देख जब वह अपने गमछा से उन्हें बचाने गए तो वह भी उसमें तार में सट गए। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों ने जब उन्हें बिजली के तार में सटा देखा तो वह लाठी-डंडे लेकर पहुंचे और उन्हें मारकर तार से छुड़ाया। इसके बाद सभी को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लेकर आए। जहां चिकित्सक ने देख मुन्ना यादव को मृत घोषित कर दिया।

बोले सरपंच बिजली विभाग की है लापरवाही : जबकि घायल चंद्र किशोर सिंह, उनकी पत्नी रेणु देवी एवं मां देव कुमारो देवी का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। मामले की जानकारी परिजनों द्वारा पुलिस को दी गई। जिसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया। वहीं दूसरी तरफ जलपुरा पंचायत के सरपंच गुड्डू यादव ने बिजली विभाग के घोर लापरवाही बरतने के कारण मुन्ना यादव की मौत होने एवं तीनों लोगों को घायल होने का आरोप लगाया है।

पुणे स्पेशल ट्रेन से गिरकर कटिहार के युवक की मौत

मौजूद लोगों द्वारा इसकी सूचना आरा रेल पुलिस को दी गई।

आरा। दानापुर रेल मंडल के आरा स्टेशन के पूरब साइड स्थित डाउन लाइन पर रविवार को गाड़ी संख्या (05289) पुणे- मुजफ्फरपुर स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर कटिहार निवासी एक युवक की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक कटिहार जिला के आजमनगर थाना क्षेत्र के मंगतपुर गांव वार्ड नंबर 12 निवासी राखल शर्मा का 29 वर्षीय पुत्र सुमन कुमार है। वह पेशे से मजदूर था एवं पुणे स्थित प्राइवेट कंपनी में काम करता था।

घटना की जानकारी देते हुए मृतक के भाई मनीष कुमार ने बताया कि वह पुणे जाने के लिए शुक्रवार को घर से खाना खाकर कैपिटल एक्सप्रेस से को पटना पहुंचे। इसके बाद मुजफ्फरपुर-पुणे स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन पर सवार होकर पुणे जा रहे थे। इसी बीच आरा रेलवे स्टेशन के पूरब साइड स्थित डाउन लाइन पर वह असंतुलित होकर ट्रेन से गिर पड़ा। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद वह सूचना पाकर आर रेल पुलिस फौरन घटनास्थल पर पहुंची और उंसके शव को आरा रेल थाना ले आई इसके बाद रेल पुलिस द्वारा जब उसके शव की तलाशी ली गई तो उसके पॉकेट से मिले आधार कार्ड के आधार पर उनकी पहचान की गई। जिसके बाद रेल पुलिस द्वारा इसकी सूचना उसके परिजनों को दी गई है। मृतक दो भाई मनीष एवं सुमित और चार बहन मनिता, राधा, पूनम एवं जुली से पांचवें स्थान पर। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है।इस घटना के बाद मृतक के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दुकानदार ने किशोरी की अस्मत लूटने का किया प्रयास, केस दर्ज

- अंडा खरीदने दुकान पर गई थी पीड़ित किशोरी

केटी न्यूज/काराकाट

जिले के काराकाट थाना क्षेत्र के एक गांव में स्थित अंडा की दुकान पर अंडा खरीदने गई किशोरी के साथ दुकानदार ने अस्मत लूटने का प्रयास किया। किशोरी की मां द्वारा शोरगुल मचाने पर आरोपी दुकानदार हो फरार गया।

घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए पीड़ित किशोरी की मां ने बताया कि गांव निवासी साधु साह का पुत्र उज्ज्वल कुमार ने गांव में ही अंडा दुकान खोल रखा है। सोमवार की शाम उनकी 13 वर्षीय बेटी घर से महज कुछ दूरी पर जब दुकान पर अंडा खरीदने गई, तभी उसे दुकानदार उज्ज्वल उसे जबरन खींचते हुए एक मुर्गा फार्म के अंदर बंद कर छेड़खानी करने लगा। जिसका बेटी ने विरोध किया और जोर जोर से चिलाने लगी। जिसकी आवाज सुन वो मुर्गा फार्म में घुसी। उनको देख आरोपी दुकानदार उन्हें धक्का देते हुए भाग निकला। उसके बाद वो बेटी को वहां से बाहर निकालते हुए स्थानीय थाने पहुंची और आरोपी दुकानदार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया। मामले की पुष्टि करते हुएथानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बताया कि पीड़ित किशोरी की मां के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर फरार आरोपी के गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है।

शोकाकुल परिवार से मिला जनसुराज का प्रतिनिधिमंडल

छपरा। जनसुराज के जिला संयोजक प्रियरंजन युवराज के पिता व प्रसिद्ध समाजसेवी वीरेन्द्र सिंह की रविवार की सुबह इलाज के दौरान आईजीएमएस पटना में आकस्मिक निधन हो गई। निधन की खबर मिलते ही उनके आवास पर पंचायत सहित आस-पास के हजारों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। युवराज के पिता की आकस्मिक निधन की खबर सुनकर सोमवार को जनसुराज के दर्जनों नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने अमनौर पहुंच कर शोकाकुल परिवार से मिल कर सांत्वना दिया। परिजनों से मिलने पहुंचे नेताओं ने कहा कि यह परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है और हम सभी भाई प्रियरंजन के दर्द को समझ सकते है। हम सभी ईश्वर से प्रार्थना करते है कि वह दिवंगत आत्मा को शांति दें और परिवार को इस कठिन समय में सहनशक्ति प्रदान करें।

मामूली विवाद में अधेड़ को मारा चाकू

केटी न्यूज/आरा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव में रविवार की रात मामूली विवाद को लेकर एक अधेड़ को चाकू मार दी गई। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार जख्मी अधेड मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बलुआ गांव निवासी राज कुमार यादव के 45 वर्ष के पुत्र वकील यादव है एवं पेशे से ट्रैक्टर चालक है। इधर वकील यादव ने बताया कि रविवार की रात वह दौलतपुर गांव स्थित चाय के दुकान पर चाय पीने गया था। जहां उन्होंने चाय दुकानदार से नशीला पदार्थ मांगा। जिसको लेकर दोनों के बीच गाली-गलौज हुआ। इसके बाद उक्त दुकानदार ने उन्हें चाकू मार दी गई। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहीं दूसरी ओर जख्मी चालाक वकील यादव ने दौलतपुर गांव निवासी और राकेश यादव पर खुद को चाकू मारने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

शहरी स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर करने को लेकर समन्वय समिति की हुई बैठक, बोले जिला शहरी स्वास्थ्य सलाहकार...

शहरी स्वास्थ्य केंद्रों को एनक्वास सर्टिफिकेशन के लिए किया जा रहा तैयार

केटी न्यूज/आरा

शहरी स्वास्थ्य सुविधाओं को लगातार बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही शहरी स्वास्थ्य को कैसे और बेहतर बनाया जाए एवं शहरी स्वास्थ्य में आने वाली बाधाओं को विभिन्न विभाग के सहयोग से कैसे दूर किया जाए इसको लेकर सोमवार को रोहतास सिविल सर्जन की अध्यक्षता में शहरी स्वास्थ्य समन्वय समिति की बैठक की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से आए अधिकारियों एवं कर्मियों को शहरी स्वास्थ्य केंद्र के बारे में जानकारी दिया गया और इससे मिलने वाली लाभ के साथ-साथ लाभान्वित लोगों की जानकारी प्रदान की गई। जिला शहरी स्वास्थ्य सलाहकार तारिक अनवर ने वहां मौजूद विभिन्न विभाग से आए शहरी स्वास्थ्य समन्वय समिति के लोगों को जिले के सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। उन्होंने बताया कि रोहतास जिले के डेहरी में दो एवं सासाराम में तीन शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित किया जा रहा है। सभी स्वास्थ्य केंद्र को एनक्वास सर्टिफिकेशन के लिए तैयार किया जा रहा है। जिसमें सासाराम के बौलिया स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को एनक्वास के लिए तैयार कर लिया गया है। साथ ही साथ उन्होंने बताया कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ओपीडी में बेहतर बढ़ोतरी हुआ है और प्रतिदिन 70 से 80 ओपीडी किया जा रहा है। इसके अलावा 150 तरह की दवाइयां एवं 63 प्रकार के पैथोलॉजिकल जांच मौजूद है। उन्होंने वहां मौजूद विभिन्न भाग से आए लोगों से अपील किया कि लोगों को शहरी स्वास्थ्य में सेवा लेने के लिए प्रेरित करें।

सरकारी अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा : कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं सिविल सर्जन डॉक्टर मणिराज रंजन ने बताया कि जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को लगातार बेहतर से बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल के साथ-साथ अनुमंडल अस्पताल एवं सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की जा रही है। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर संचालित होने से लोगों को उनके घर के नजदीक ही कई तरह की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो जा रही है, जिस कारण सदर एवं अनुमंडल अस्पताल में लोगों की भीड़ कम हुई है।

हाई टेक सुविधाओं से परिपूर्ण सदर अस्पताल : वहीं कार्यक्रम में मौजूद अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अशोक कुमार ने स्वास्थ्य केंद्रों सुविधा पर प्रकाश डाला और लोगों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में बताया। अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि सदर अस्पताल स्थित मातृ शिशु अस्पताल स्थित एसएनसीयू एवं प्रसूति विभाग पूरी तरह से हाई टेक हो चुका है जिस कारण लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो रहा है।

स्कूल बस पर अचानक गिरा जर्जर विद्युत पोल, बाल-बाल बचे 18 बच्चे

♦ टला बड़ा हादसा, गाजीपुर के कोयला घाट- मियापुरा मुहल्ला की घटना

केटी न्यूज/गाजीपुर

गाजीपुर के कोयला घाट-मियापुरा मुहल्ला स्थित शाहफैज स्कूल के बस पर स्कूल के पास गड़ा जर्जर बिजली का पोल अचानक गिर गया। संयोग अच्छा था कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। स्कूल बस में चालक और परिचालक के साथ 18 बच्चे बैठे थे। पोल गिरते ही चालक ने तत्परता दिखाते हुए बस को तुरंत रोक दिया। जिसमें सभी बच्चों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। उधर घंटों बिजली कर्मियों का कोई अता-पता नहीं था। बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता को जानकारी होने पर तत्काल अवर अभियंता और अधिशासी अभियंता को भेज दिया गया। इसके बाद बस रवाना हुई।

शहर के कोयला घाट-मियापुरा मुहल्ला स्थित एक स्कूल बस पर स्कूल की छुट्टी होने पर करीब 11 बजे 18 बच्चों को लेकर स्कूल से निकल रही थी। स्कूल के गेट के पास ही जर्जर एलटी बिजली पोल बस की छत पर गिर पड़ा। बस के चालक ने बताया कि स्कूल की छुट्टी 10.45 बजे होती है। 11 बजे बस में 18 बच्चों को लेकर स्कूल के गेट से आगे बढ़ते ही अचानक बिजली का पोल बस की छत पर गिर गया। इस संबंध में अधीक्षण अभियंता प्रवीण कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी होते ही तत्काल अवर अभियंता और अधिशासी अभियंता को मौके पर भेज दिया गया। साथ ही इस मुहल्ले के सभी जर्जर पोल को बदलने का निर्देश दिया गया है।

विद्यालय प्रशासन ने की थी जर्जर पोल की शिकायत

कुछ हफ्ते पहले विद्यालय प्रशासन द्वारा अधिशासी अभियंता के नाम पर पत्र भी जारी कर दिया गया जिसमें जर्जर पोल सहित विद्यालय के आसपास स्थित जर्जर तारों के बारे में भी लिखा गया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई और न ही जर्जर तार और पोल को बदला गया। आखिरकार आज विद्युत विभाग की मनमानी के चलते हादसा होते-होते रह गया। अगर इस हादसे में किसी बच्चे की जान चली जाती है, तो क्या विद्युत विभाग इसकी जिम्मेदारी लेता?

खबरें फटाफट

बेसो नदी में नहा रहे दो युवकों में से एक डूबा, दूसरा बचा

गाजीपुर। शादियाबाद थाना क्षेत्र में बेसो नदी के पुल से छलांग लगाकर नहा रहे दो युवक एकाएक गहरे पानी में चले गए और पानी में डूबने लगे। नदी में डूबने से एक की मौत हो गई और दूसरे को ग्रामीणों ने बचा लिया। ग्रामीणों ने बताया कि सिधार गांव का 21 वर्षीय चंचल राम और खितिरपुर का मुस?कान शाह 18 वर्ष दोनों पुल से कूदकर नदी में नहा रहे थे। तभी गहरे पानी में डूबने से चंचल की मौत हो गई। जबकि खितिरपुर निवासी मुस्कान शाह 18 वर्ष को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी होते ही मौके पर रोते-बिलखते परिजन भी पहुंच गए। घटना की जानकारी होते ही शादियाबाद थाना अध्यक्ष श्याम जी मय फोर्स के साथ पहुंच गए, जहां परिजनों कों ढाढ़स बधाते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

वन स्टाप सेंटर में स्वच्छता जागरूकता अभियान आयोजित

बलिया। माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित पाल सिंह के आदेशानुसार सोमवार को वन स्टाप सेन्टर, जिला चिकित्सालय बलिया में स्वच्छता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत जागरूकता शिविर का आयोजन अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव हरीश कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव हरीश कुमार द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को बताया गया कि यदि उनके साथ घर में किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा या प्रताड़ना होती है तो वह बिना किसी डर के अपनी समस्या हम तक पहुंचाएं तथा लैंगिक अपराधों से बालकों के संरक्षण अधिनियम 2012 की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि अधिनियम बच्चों के प्रति होने वाले लैंगिक उत्पीड़न, लैंगिक शोषण एवं पोर्नोग्राफी जैसे जघन्य अपराधों को रोकने के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा बनाया गया है तथा यह एक्ट भारत के सभी नागरिकों पर लागू हैं। घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न से पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को सुना गया और मौके पर ही निस्तारण किया गया।

नरही वसूलीकांड: वांछितों पर एसपी ने 25-25 हजार का इनाम किया था घोषित

वांछित चौकी प्रभारी कोरंटाडीह समेत तीन ने किया एंटी करप्शन कोर्ट में आत्मसमर्पण

♦ 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा रिमांड पर तीनों को भेजा गया जेल

♦ अवैध वसूली कांड में नरही थानाध्यक्ष समेत 29 अभियुक्त जेल में हैं निरुद्ध

केटी न्यूज/बलिया

नरही थाना के अवैध वसूली कांड में वांछित अभियुक्त चौकी प्रभारी कोरण्टाडीह राजेश प्रभाकर एवं विवेचना में प्रकाश में आए प्रवीण राय उर्फ गोलु व चन्दन यादव उर्फ टनमन यादव ने सोमवार न्यायालय एण्टी करप्शन कोर्ट वाराणसी में आत्मसमर्पण किया। जिनको न्यायालय द्वारा 14 दिन न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। जबकि मुकदमा में नामजद कुल 24 अभियुक्त व विवेचना के दौरान कुल पांच अभियुक्त प्रकाश में आए। इस प्रकार सभी 29 अभियुक्तगण न्यायिक अभिरक्षा में जेल में निरुद्ध है।

बता दें कि यूपी बिहार के बॉर्डर पर स्थित भरौली चौराहे पर 24 जुलाई 2024 की रात में एडीजी वाराणसी पीयूष मोर्डिया व डीआईजी वैभव कृष्ण ने छापेमारी कर नरही पुलिस की अवैध वसूली का खुलासा किया था। इस मामले में थानाध्यक्ष नरही, चौकी प्रभारी कोरंटाडीह समेत कई पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया था। थाना से लेकर चौकी तक के अधिकांश पुलिसकर्मियों का तबादला भी किया गया। मौके से अधिकारियों ने दो पुलिसकर्मी समेत 18 लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद में थानाध्यक्ष समेत चार अन्य भी पकड़े गए। इस प्रकरण की विवेचना आजमगढ़ के एएसपी शुभम अग्रवाल कर रहे हैं।

बलिया एसपी विक्रांत वीर ने इस मामले के वांछित आरोपी टनमन उर्फ चन्दन पुत्र स्व दीप चन्द निवासी सारिमपुर हनुमानघाट बक्सर बिहार, उप निरीक्षक राजेश कुमार प्रभाकर तत्कालीन चौकी प्रभारी कोरंटाडीह थाना नरही, जनपद आरक्षी दीपक कुमार मिश्र थाना नरही, संजय यादव पुत्र मनभरन यादव निवासी भरौली खास, अमित बिन्द पुत्र विजय बहादुर निवासी उजियार, गोलू राय उर्फ प्रवीण कुमार पुत्र पारस नाथ राय निवासी भरौली पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया था। इस मामले में पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर नरही थाना के भरौली में दो, उजियार में एक व बिहार के सारिमपुर में एक आरोपी के यहां नोटिस भी चस्पा किया था। इसके अलावा मुनादी की भी कार्रवाई किया था। अब केवल कुर्की की कार्रवाई शेष रह गई थी। जिसके डर से वांछित अभियुक्त व पूर्व चौकी प्रभारी कोरण्टाडीह राजेश प्रभाकर एवं विवेचना में प्रकाश में आए प्रवीण राय उर्फ गोलु व चन्दन यादव उर्फ टनमन यादव ने सोमवार न्यायालय एण्टी करप्शन कोर्ट वाराणसी में आत्मसमर्पण किया। जिनको न्यायालय द्वारा 14 दिन न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

825 कारतूस बरामद होने के बाद जांच एजेंसियां अलर्ट

बलिया। रेलवे स्टेशन पर 825 कारतूस और दो तमंचे तस्करों से जब्त करने के बाद जीआरपी ने सरगना की तलाश तेज कर दी है। पकड़े गए दोनों आरोपी रंजीत कुमार और राशिद उर्फ लल्लन जौनपुर के रहने वाले हैं। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि सरपतहा थाना के जुड़ापुर निवासी शुभम सिंह अवैध शस्त्रों व कारतूस का डीलर है। कारतूस व हथियार ट्रेन से बिहार पहुंचाने के लिए वह देता था। हथियारों की सप्लाई के बाद हम शाहगंज पैसेंजर या प्राइवेट वाहन से लौट आते थे। पुलिस ने बताया कि तलाशी के दौरान दोनों युवकों के पास मिली टिफिन व एक अन्य प्लास्टिक के डिब्बे में कारतूस व तमंचा मिला था। इस अवैध कारोबार में पुलिस को महिलाओं के शामिल होने की भी आशंका है। रेलवे स्टेशन पर 825 कारतूस एवं तमंचा बरामद होने के बाद तमाम केंद्रीय व स्थानीय जांच एजेंसियां अलर्ट हैं। कारतूस के नंबर से किसी दुकान के नाम पर कारतूस जारी हुआ और किसे पहुंचाते थे, इसको लेकर जांच में जुट गई। जीआरपी थाना प्रभारी सुभाष यादव ने बताया कि कारतूस व तमंचा बरामदगी के बाद बिहार जाने वाले ट्रेनों में तलाशी बढ़ा दी गई है।

अपर जिलाधिकारी ने कटान क्षेत्र का किया निरीक्षण, कर्मचारियों को निर्देश- अलर्ट रहें

केटी न्यूज/मऊ

खिसके बोल्डरों को तत्काल ठीक कराने का निर्देश

मऊ के अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र गौरी शंकर घाट (दोहरी घाट), मुक्तिधाम शवदाह स्थल, तटवर्ती क्षेत्रों में कटान की स्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सिंचाई विभाग को खिसके बोल्डरों को तत्काल ठीक कराने का निर्देश दिया। उन्होंने मुक्तिधाम के कटान वाले क्षेत्र में शरणार्थी शिविर में बाढ़ के पूर्व सभी भौतिक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बारिश के दृष्टिगत होने वाली मौतों से बचाव हेतु सुरक्षा उपायों को लेकर जिला प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी के द्वारा ग्राम प्रधान एवं ग्रामीणों से संवाद स्थापित करते हुए बच्चों को जल स्रोतों के पास न जाने हेतु भी प्रयास करने के निर्देश अपर जिलाधिकारी ने दिए। इसके अलावा बच्चों को ऊंचे टीलों से पानी में कूद कर स्नान करने से रोकने हेतु जागरूक करने, ओवरलोडेड नौकाओं पर लोगों को बैठने से रोकने, नदियों नहरों या अन्य स्रोतों के पास लिखी हुई चेतावनी की अवहेलना करने से रोकने के भी निर्देश उन्होंने दिए। जिससे जनहानि से बचाव हो सके।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी ने तहसीलदार घोसी को बाढ़ शरण स्थलों की सतत निगरानी बाढ़ निगरानी समितियां द्वारा करते हुए प्रभावित परिवारों को राहत फिट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने को भी कहा तथा शासन द्वारा अनुमन्य राहत किट एवं डिग्निटी किट का वितरण भी समय समय पर कराने के निर्देश दिए। नई बाजार के पास सरयू नदी पर बने फोरलेन पुल से नदी सीधे रामपुर धनौली से लेकर मुक्तिधाम तक कटान का खतरा होने के कारण क्षेत्र में राहत कार्य की सतत निगरानी तथा राहत चौपाल लगाने के भी निर्देश अपर जिला अधिकारी द्वारा दिए गए। इसके अलावा अपर जिला अधिकारी ने चीउटी डाढ़ बाढ़ चौकी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बाढ़ चौकी पर कार्यरत समस्त कर्मचारियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए। इसके अलावा बाढ़ ग्रस्त एवं कटान वाले क्षेत्रों में भी संबंधित अधिकारियों एवम् कर्मचारियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश अपर जिलाधिकारी द्वारा दिए गए।

चकबंदी अधिकारी गजाधर सिंह 15000 रु. रिश्वत लेते गिरफ्तार

केटी न्यूज/गाजीपुर

चकबंदी अधिकारी गाजीपुर गजाधर सिंह (राजपत्रित) को 15000 रिश्वत लेते हुए उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान वाराणसी की टीम द्वारा सोमवार को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। गौरतलब हो कि शिकायतकर्ता विनीत कुमार राय द्वारा 22 अगस्त 2024 को एक प्रार्थना पत्र आ0नं0-207/1 ग्रामसभा मौधियां में चकबंदी के दौरान सीमांकन के लिए दिया गया था। जिस पर चकबंदी अधिकारी (राजपत्रित) गजाधर सिंह द्वारा उक्त आराजी का सीमांकन करने के लिए शिकायतकर्ता विनीत कुमार राय से 15000 रिश्वत की मांग की गई थी।

घूस मांगे तो करें शिकायत

यदि किसी लोक सेवक द्वारा सरकारी कार्य के बदले रिश्वत मांगा जा रहा हो तो हेल्प लाइन नंबर- 9454401866 पर शिकायत की जा सकती है।

इसकी शिकायत शिकायतकर्ता द्वारा कार्यालय पुलिस अधीक्षक सतर्कता अधिष्ठान वाराणसी सेक्टर वाराणसी पर की गई। जांच से आरोप की पुष्टि होने के बाद उप्र सतर्कता अधिष्ठान वाराणसी की टीम ने गजाधर सिंह को 15000 नगद लेते सोमवार को लवजी सिंह शास्त्रीनगर गाजीपुर के किराये के मकान से रंगे हाथ सतर्कता अधिष्ठान वाराणसी सेक्टर वाराणसी की टीम ने गिरफ्तार किया।

एक नजर

लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश रचने के मामले में केस दर्ज

बलिया। छपरा रेलखंड पर मांझी पुल के समीप ट्रैक पर पत्थर रखकर लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस को पलटाने की कोशिश मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। इसी के साथ इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पीडब्ल्यूआई अशोक कुमार की तहरीर पर बैरिया पुलिस ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के बाद रविवार को तफ्तीश शुरू कर दी। रेल ट्रैक पर पत्थर रखकर शनिवार की सुबह लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस को पलटाने की कोशिश की गई थी। चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा होने से बच गया। ट्रैक पर पत्थर रखने के कारण इंजन का सुरक्षा गार्ड क्षतिग्रस्त होने की जानकारी के बाद ट्रैफिक इंस्पेक्टर संजय सिंह, आरपीएफ प्रभारी बीके सिंह, बैरिया क्षेत्राधिकारी उस्मान, थाना प्रभारी रामायण सिंह सहित रेलवे के अन्य अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया था। इस मामले में अफसरों ने छपरा जंक्शन पर लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस के लोको इंस्पेक्टर अमित कुमार से भी जानकारी हासिल की थी। इसके बाद डाग स्क्वायड के साथ टीम ने घटनास्थल की जांच की। पुलिस, आरपीएफ बलिया और छपरा की स्पेशल टीमें ट्रैक पर पत्थर रखने वालों की तलाश में जुट गई है। इसी के साथ ट्रेन हादसे की साजिश रचने वालों की तलाश में यूपी -बिहार के तटवर्ती गांवों में पुलिस की सक्रियता बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि मांझी के लोग पुल से होकर यूपी में घूमने आते हैं। घटना वाले दिन की सुबह तीन- चार की संख्या में कुछ युवक दिखे थे। लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस गुजरने से करीब आधे घंटे पूर्व बलिया-सियालदह गुजरी थी। तब ट्रैक पर पत्थर नहीं रखा था। अगर पत्थर रहता तो सियालदह एक्सप्रेस से भी टकराया होता। इस पहलुओं पर पुलिस पड़ताल कर रही है। सीओ मो. उस्मान के मुताबिक इस मामले में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने भेजा शोक संवेदना पत्र

बलिया। उतर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष नईम प्रधान के पिता हसीन अहमद की पिछले हफ्ते मृत्यु हो गई थी। इसकी खबर सुनकर राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शोक व्यक्त किया और भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नईम प्रधान के परिवार के नाम शोक संवेदना पत्र भेजा। जिसे गाजीपुर कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष सुनील राम अपने प्रतिनिधि मंडल के साथ मऊपारा गांव में नईम प्रधान के घर पर पहुंचकर प्रियंका गांधी वाड्रा का पत्र सौंपा तथा उनके पिता को श्रद्धांजलि दी। प्रतिनिधि मंडल में एआईसीसी सदस्य रविकांत राय, अल्पसंख्यक प्रदेश महासचिव सबीहुल हसन, जिला उपाध्यक्ष हामिद अंसारी, चंदिका यादव, राजेश गुप्ता, विद्याधर पांडे,शहर अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा, मीडिया प्रभारी अजय श्रीवास्तव व पदाधिकारीगण मौजूद थे।

सातवें राष्ट्रीय पोषण माह कार्यशाला में करायी गई 11 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई

मऊ। सातवें राष्ट्रीय पोषण माह सितंबर 2024 के अन्तर्गत जनपद स्तरीय कायार्शाला का आयोजन नगर पालिका कम्युनिटी हॉल में किया गया। इस वर्ष के पोषण माह की थीम है एनीमिया टेस्ट, ट्रीट, टॉक, वृद्धि निगरानी, ऊपरी आहार, पोषण भी पढ़ाई भी। जिला कार्यक्रम विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनोज राय जिला पंचायत अध्यक्ष रहे। कार्यक्रम में कन्वर्जेन्स विभागों मुख्यतः स्वास्थ विभाग, उद्यान विभाग, कृषि विभाग, प्रोबेशन विभाग एवं अन्य की सहभागिता रही। कन्वर्जेन्स विभागों द्वारा कार्यशाला में पोषण पर आधारित आकर्षक स्टॉल लगाये गये। कृषि विभाग द्वारा श्री अन्न योजना के अन्तर्गत मोटे अनाजों का प्रदर्शन एवं उनसे होने वाले लाभ का स्टॉल के माध्य से प्रचार प्रसार किया गया। उद्यान विभाग द्वारा औषधियों, फलों एवं पोषण वाटिका हेतु पोषक फल, सब्जियों का प्रदर्शन किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी श्वेता त्रिपाठी द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं लिंग भेद पर चर्चा की गयी। डॉ. दिनेश यादव द्वारा बीएचएसएनडी सत्र एवं ग्रामीण स्वास्थ्य एवं पोषण में आंगनबाडी कार्यकत्री एवं आशा की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की गयी। बाल विकास परियोजना अधिकारी कोपागंज राजेश कुमार सिंह द्वारा पोषण भी पढ़ाई भी विषय पर चर्चा की गयी। बाल विकास परियोजना अधिकारी शहर रंजीत कुमार द्वारा प्रतिवर्ष मनाये जाने राष्ट्रीय पोषण माह के महत्व की जानकारी दी गई। बाल विकास परियोजना अधिकारी परदहां संजीव कुमार द्वारा कुपोषण के विभिन्न प्रकारों एवं उससे रोक थाम की उपायो पर चर्चा की गयी। बाल विकास परियोजना अधिकारी फतेहपुर मण्डॉव अश्वनी कुमार राय द्वारा ऊपरी आहार विषय आदि पर प्रकाश डाला गया। कार्यशाला में जिलाधिकारी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा 11 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई करायी गयी।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत छात्र छात्राओं द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान

मऊ। परदहां ब्लाक के पिपरीडीह स्थित रामअवध सिंह महाविद्यालय पर स्वच्छ भारत मिशन के तहत छात्र छात्राओं ने भार गांव में स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान में भार,फुलवरिया, गढीया आदि गांवो में लोगों को साफ सफाई रखने के लिए जागरूक किया गया । भार स्थित पशु अस्पताल पर भी छात्र छात्राओं द्वारा सांफ सफाई की गई । इस दौरान छात्र छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को बताया कि स्वच्छता अपनाने से आसपास का वातावरण भी स्वच्छ हो जाता है। इस मौके पर मुख्य अतिथि अजीत कुमार सिंह ने कहा कि जहां स्वच्छता होती है वहीं ईश्वर का वास होता है इसलिए लोग अपने आसपास साफ और स्वच्छ रखें।

गाजीपुर पुलिस लाइन में आयोजित परामर्श कार्यक्रम में आए 26 पारिवारिक विवाद

आपस का विवाद भुला खुशी-खुशी घर लौटे पति-पत्नी

केटी न्यूज/गाजीपुर

परिवार परामर्श केंद्र द्वारा पुलिस लाइन के प्रांगण में पुलिस अधीक्षक डॉ. ईराज राजा के निर्देश पर कुल 26 पारिवारिक विवादों को सुना गया। इनमें चंपा पत्नी राम अवध निवासी माझा थाना रामपुर माझा की शिकायत मिली कि उनके पति आए दिन उन्हें मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते हैं। इस पर पति-पत्नी को बैठाकर समझाया गया और दोनों की विदाई करवाई गई। सुराती देवी पत्नी राम प्रसाद निवासी पालनपुर थाना जमानिया की शिकायत थी कि उनकी बहू आए दिन छोटी-छोटी बात पर विवाद करके मायके चली जाती है। इस पर दोनों पक्षों को समझाकर विदाई करवाई गई। ज्योति गुप्ता पत्नी अमित कुमार गुप्ता निवासी पारा थाना नोनहरा की शिकायत थी कि उनके पति आए दिन उन्हें मानसिक व शारीरिक रूप से परेशान करते हैं। इस पर पति-पत्नी को समझाकर विदाई करवाई गई।

सावित्री देवी पत्नी नितीश कुमार निवासी भदौरा थाना गहमर की शिकायत पर उनके ससुराल पक्ष के लोग आए दिन उससे मारपीट करते रहते हैं। इस पर पति व ससुराल पक्ष के लोगों को समझा कर विदाई करवाई गई। प्रियंका देवी पत्नी रामाश्रय निवासी उसिया थाना दिलदारनगर की शिकायत थी कि उनके पति गलत संगत में आकर उन्हें मारते -पीटते रहते हैं। इस पर पति-पत्नी को समझा कर विदाई करवाई गई। सपना पत्नी सूरज निवासी फुल्लनपुर थाना कोतवाली की शिकायत थी कि उनके पति आए दिन शराब पीकर उनके साथ मारपीट करते रहते हैं। इस पर पति-पत्नी को समझा कर दोनों एक साथ खुशी-खुशी रहने के लिए कहा गया और विदाई करवाई गई। चंदन पुत्र कांता राम निवासी शहाबुद्दीनपुर थाना कासिमाबाद की शिकायत थी कि उनकी पत्नी आए दिन खुदकुशी करने की धमकी देती रहती है। इस पर पति-पत्नी को समझा कर विदाई करवाई गई।

सात पारिवारिक विवाद में विधिक कार्रवाई का सुझाव देते हुए पत्रावली बंद कर दी गई। चार पारिवारिक विवाद में कुशलता प्रकट होने के बाद पत्रावली बंद कर दी गई। शेष पारिवारिक विवाद में एक पक्ष अनुपस्थित होने के कारण अगली तिथि निर्धारित की गई। इन सभी प्रकरण के निस्तारण में वीरेंद्रनाथ राम, सरिता गुप्ता महिला प्रकोष्ठ प्रभारी, नीतू मिश्रा महिला मुख्य आरक्षी, सुनीता गिरी महिला आरक्षी, संध्या महिला आरक्षी, रोली सिंह महिला आरक्षी आदि लोग प्रमुख थे। इसकी जानकारी परिवार परामर्श केंद्र के सदस्य वीरेंद्र नाथ राम ने दी।

जीवन में शिक्षित होना जरूरी है, शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है: अजय कुमार लल्लू

केटी न्यूज/मऊ

श्री शीतला माता मंदिर मऊ के प्रांगण में मध्य देशीय वैश्य महा सभा मऊ द्वारा संत गणिनाथ सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह धूमधाम से कराया गया। इसके अंतर्गत नर्सरी से लेकर इंटर तक के छात्रों को सात वर्गों में अलग अलग बांट कर प्रथम द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र तथा मेडल पहना कर सम्मानित किया गया।

पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि तमकुही राज के पूर्व विधायक अजय कुमार लल्लू तथा विशिष्ट अतिथि महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मनीष मद्धेशिया, अमिला के पूर्व चेयरमैन अजय गुप्ता ,मधुबन के पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि शंकर मद्धेशिया ,मनोज गुप्ता ,जैनेश पंकज, मंजू मद्धेशिया ,किरण मद्धेशिया, रोली मद्धेशिया, पारस नाथ गुप्ता, रामदास गुप्ता आदि ने किया। अजय कुमार लल्लू ने कहा कि जीवन में शिक्षित होना अनिवार्य है। उन्होंने अभिभावकों की तरफ संकेत करते हुए कहा कि मोबाइल का उपयोग समयानुसार बच्चो को करने दें । इस अवसर पर हर्षित, मोहित, दीप शिखा ,आर्यन पलक ,सूर्यांश ,निशा ,खुशी, पलक, ऋषि ,अक्षत, सागर ओजस ,पीहू ,आराध्या ,काव्या, पल्लवी ,शौर्य तथा अंश गुप्ता को प्रथम द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार क्रमश सभी वर्गो में दिया गया। ज्ञात हो कि नगर के सेंट जीएन स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में लगभग पांच सौ बच्चो ने हिस्सा लिया था।

धान खरीद के लिए 4000 क्रय केंद्र स्थापित, आज से होगी शुरुआत

- लखनऊ संभाग के तीन जनपद (हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर) में भी आज से की जाएगी खरीद
- धान बिक्री के लिए करीब 32 हजार किसानों ने करा लिया है पंजीकरण

केटी न्यूज/लखनऊ

पहली अक्टूबर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में धान खरीद शुरू हो जाएगी। लखनऊ संभाग के जनपदों में अलग-अलग तिथियों में खरीद होगी। हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर में पहली अक्टूबर तथा लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव में पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ पहली नवंबर को खरीद होगी। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपये व धान ग्रेड ए का 2320 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। किसानों को धान की उतराई, छनाई व सफाई की मद में 20 रुपये प्रति कुंतल की दर से प्रतिपूर्ति की जाएगी। उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में किसानों द्वारा धान बिक्री के लिए खाद्य-रसद विभाग व अन्य क्रय एजेंसियों के कुल 4000 क्रय केंद्र निर्धारित किए गए हैं। योगी सरकार ने किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान कराने का निर्देश दिया है। पश्चिम उत्तर प्रदेश के जनपदों में पहली अक्टूबर से धान खरीद शुरू होगी, जो 31 जनवरी तक चलेगी। यह खरीद पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली,आगरा, अलीगढ़, झांसी संभाग में होगी। वहीं लखनऊ संभाग के हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर जनपद में भी धान खरीद इसी अवधि में होगी।

धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रु निर्धारित

खाद्य-रसद विभाग की तरफ से धान खरीद के लिए पहली सितंबर से पंजीकरण शुरू हो गया था। प्रदेश के जनपदों में 30 दिन में अब तक लगभग 32 हजार किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपये व धान ग्रेड ए का 2320 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में किसानों द्वारा धान बिक्री के लिए खाद्य-रसद विभाग व अन्य क्रय एजेंसियों के कुल 4000 क्रय केंद्र निर्धारित किए गए हैं। कृषि विभाग के मुताबिक खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए धान से आच्छादित क्षेत्रफल 61.24 लाख हेक्टेयर है। इस वर्ष धान का उत्पादन 265.54 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है। औसत उत्पादन लगभग 43.36 कुंतल प्रति हेक्टेयर अनुमानित है।

एक नजर

गुरु और शिष्य के रिश्ते को विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर ने किया शर्मशार

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा के साथ सहायक आचार्य द्वारा अश्लील बातें व गलत हरकत करने के मामले में आज सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने आरोपी सहायक आचार्य सुधीर उपाध्याय को निलंबित करने की मांग को लेकर कुल सचिव को ज्ञापन सोपा है।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर सुबह से ही विश्वविद्यालय में डटे रहे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक शिवम सिंह के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकताओं ने कुलसचिव से ज्ञापन के माध्यम से मांग किया है,कि विश्वविद्यालय के पर्यावरण शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य सुधीर उपाध्याय द्वारा छात्रा से अनैतिक व अश्लील वार्ता का ऑडियो संज्ञान में आया है।प्रोफेसर ने ऐसे कृतियों के माध्यम से विश्वविद्यालय की गरिमा को गिराने का कार्य किया है। प्रदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में ऐसी घटनाओं का होना अत्यंत शर्मनाक व दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे में इस विषय पर विश्वविद्यालय को ऐसे शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर जांच समिति गठित करनी चाहिए। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आपसे मांग करती है, कि जांच समिति का अध्यक्ष किसी वरिष्ठ महिला शिक्षक को बनाना चाहिए। जांच समिति में अन्य किसी शिक्षण संस्थान की एक वरिष्ठ महिला शिक्षक को शामिल करना चाहिए साथ ही साथ समिति में दो छात्राओं को भी रखने का प्रावधान किया जाना चाहिए। जिससे जांच की प्रमाणिकता बनी रहे जांच समिति द्वारा अधिकतम एक सप्ताह के अंदर जांच पूर्ण करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करना चाहिए। पढ़ने वाले विद्यार्थियों से गोपनीय ढंग से पूछताछ करते हुए उनकी पहचान गुप्त रखी जाए। बताते चलें कि गुरु और शिष्य के रिश्ते को पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एक सहायक प्रोफेसर ने शर्मशार कर दिया। बीए प्रथम वर्ष की एक छात्रा से असिस्टेंट प्रोफेसर द्वारा अश्लील बातें की जाती थी।छात्रा ने शिक्षक पर आरोप लगाते हुए स्वंम कुलपति को प्रार्थना पत्र देकर प्रोफेसर के खिलाफ शिकायत किया था।तथा उक्त आरोपी प्रोफेसर के खिलाफ साक्ष्य के रूप में अश्लील बात की हुई ऑडियो भी उपलब्ध कराया था। आरोपी शिक्षक द्वारा की गई इस हरकत से छात्रा सदमे में है। फिलहाल छात्रा के परिजन छात्रा को अपने साथ घर ले गए है। हालांकि मामला पुलिस विभाग तक भी पहुंच चुका है लेकिन जिम्मेदार मीडिया के सामने अभी कुछ भी बोलने को तैयार नही है।

पदाधिकारी ने निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करने का लिया संकल्प

चंदौली। उत्तर प्रदेश कांग्रेस पिछड़ा विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने जनपद डा. अनिल यादव व दंगल सिंह यादव प्रदेश महासचिव, राधेश्याम यदुवंशी प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। जनपद वासियों ने सभी नवनियुक्त पदाधिकार मिलने पर खुशी जाहिर की। प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने डॉ. अनिल यादव प्रदेश महासचिव को प्रभारी मिजार्पुर और सोनभद्र और राधेश्याम यदुवंशी को सह प्रभारी सोनभद्र बनाया है। साथ ही दंगल सिंह यादव को गृह जनपद में प्रभार मिलने पर सभी जनपदवासी कांग्रेस जन शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। कहा कि कांग्रेस ने हमेशा अपने कार्यकताओं का सम्मान किया है। ऐसे में शीर्ष नेतृत्व जमीन से जुड़े कार्यकताओं का भागीदारी सुनिश्चित कर अहम जिम्मेदारी दे रही है। पदाधिकारी ने कहा कि जो हमें जिम्मेदारी मिली है उसका निर्वहन ईमानदारी और निष्ठा के साथ करूंगा। इस दौरान सतीश बिंद, संतोष कुमार, धर्मेंद्र तिवारी अमरदेव शामिल रहे।

स्वयं सहायता समूह में बेहतर आय पर हुई चर्चा

चंदौली । धानापुर समृद्धि महिला प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की वार्षिक आम सभा धानापुर, चंदौली में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की दीदियों समेत ब्लॉक स्टाफ उपस्थित रहे, इस बैठक में 2023-2024 के विशेष व्यवसायो पर चर्चा हुई और आगामी बिजनेस प्लान को प्रस्तुत किया गया और कहा गया कि FPO में जुड़ने से महिला किसानों के लिए अपने स्वयं के संगठन के जरिए बेहतर आय और जुड़े किसानों को अपनी उपज के लिए बाजार मिलता है जिससे स्वयं सहायता समूह की दीदियों को सस्ती दरों पर खाद बीज कीटनाशक दवा कृषि यंत्र जैसे जरूरी सामान उपलब्ध होगा जिससे केंद्र सरकार की महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा और उनकी आजीविका चलेगी। मीटिंग में चेयरमैन समीना बेगम,सीईओ संदीप, सीए सादिक खां,एमबीके सीमा, ब्लॉक स्टाफ और समूह की दीदियां उपस्थित रहीं।

सीएमओ ने पांच विद्यालयों सहित रेहटी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

जौनपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह ने जलालपुर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय कोतवालपुर, प्राथमिक विद्यालय हुसेपुर, कंपोजिट विद्यालय शिवपुर सहित कुल पांच विद्यालयों व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेहटी का निरीक्षण किया। समस्त विद्यालयों में साफ-सफाई की व्यवस्था अच्छी पायी गयी एवं मिड डे मील मेनू के अनुसार बना था। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बच्चों से भी संवाद किया एवं उन्हें संक्रामक रोगों के बारे में जागरूक किया। इसके बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेहटी का निरीक्षण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेहटी को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेट दिया जाना है। उक्त के दृष्टिगत मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं एवं तैयारी का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि प्रयास किया जा रहा है कि चिकित्सालय को उक्त सर्टिफिकेट प्राप्त हो जाए।

खबरें फटाफट

महिला पुलिसकर्मी ने लगाया दहेज प्रताड़ना का आरोप

चंदौली। पुलिस लाइन स्थित डायल-112 कार्यालय में तैनात एक महिला पुलिसकर्मी ने अपने पति अशोक यादव पर दस लाख रुपए और चार पहिया दहेज में मांगने का आरोप लगाते हुए सदर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। अशोक यादव पुलिस लाइन में कांस्टेबल के पद पर नियुक्त हैं। फिलहाल पुलिस मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। अशोक और महिला ने आठ माह पहले कोर्ट मैरिज किया था। सदर कोतवाली में दर्ज मुकदमे के अनुसार डायल-112 के कार्यालय में तैनात महिला पुलिस कर्मी ने अशोक यादव पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया है। महिला ने बताया अशोक के द्वारा दस लाख रुपए और एक चार पहिया वाहन की डिमांड की जा रही है। दहेज की डिमांड के चलते अशोक यादव अपनी पत्नी के साथ नहीं रहते हैं। आरोप है अशोक के परिवार के लोग भी दहेज को लेकर बार-बार धमकी देते हैं। इसके चलते महिला काफी दिनों से मानसिक रूप से परेशान है। आरोप है कि अशोक यादव के अलावा उसके माता-पिता और अजय यादव प्रताड़ित कर रहे हैं।

बच्चों को बीमारियों से बचाने के लिए योगी सरकार ने उठाए विशेष कदम

परिषदीय स्कूलों में मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए अभियान चलाएगी सरकार

- डेंगू और मलेरिया से बचाव के लिए विद्यालयों में फुल आस्तीन के कपड़ों की अनिवार्यता
- विद्यालय परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई और जागरूकता पर जोर
- समुदाय का सहयोग लेने और स्थानीय निकायों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश

केटी न्यूज/लखनऊ

मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए उठाए जा रहे कदम

उत्तर प्रदेश सरकार ने बरसात के मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए विशेष अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। यह अभियान परिषदीय विद्यालयों में तो चलाए ही जाएंगे, साथ ही अभिभावकों को जागरूक करने के लिए पंचायत स्तर पर भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अधिक वर्षा के कारण आबादी के आसपास होने वाले जलभराव से बीमारियों के पनपने की संभावना को देखते हुए योगी सरकार ने यह कदम उठाया है। बरसात के दिनों में गांवों और शहरों के कई क्षेत्रों में जलभराव की समस्या उत्पन्न होने की संभावना बनी रहती है। ऐसे में डेंगू, मलेरिया और अन्य मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए, योगी सरकार ने बच्चों को इन बीमारियों से बचाने के लिए परिषदीय विद्यालयों में विशेष कदम उठाए हैं। इसमें बच्चों को फुल आस्तीन के कपड़े पहनकर स्कूल आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है और विद्यालय परिसरों की साफ-सफाई तथा जलभराव की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

बरसात के मौसम में जलभराव के कारण मच्छरों के पनपने से बच्चों के स्वास्थ्य पर खतरा बढ़ जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए योगी सरकार के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह के निर्देश पर छात्र-छात्राओं को इन बीमारियों से बचाने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। इतना ही नहीं, किसी बच्चे में बुखार या सिरदर्द के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास करने को भी कहा गया है।

शिक्षक-अभिभावक जागरूकता अभियान: विद्यालय प्रबंधन समितियों और अध्यापक-अभिभावक बैठकों के माध्यम से अभिभावकों को डेंगू और अन्य बीमारियों के खतरों से अवगत कराया जा रहा है। उन्हें यह भी समझाया जा रहा है कि बच्चों को फुल आस्तीन के कपड़े पहनाकर स्कूल भेजना जरूरी है।

जलभराव की समस्या का समाधान

योगी सरकार ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों और प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया है कि स्कूल परिसर में जलभराव की समस्या होने पर तुरंत जल निकासी की व्यवस्था करें और मच्छर रोधी दवाओं का छिड़काव कराएं। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह के निर्देशन में स्कूल परिसरों में फॉगिंग और साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था की गई है। स्कूल के गमलों, टायरों, बोतलों में पानी इकट्ठा न होने देने की भी खास तैयारी की गई है। मच्छरों से बचने के लिए फॉगिंग के लिए स्थानीय निकायों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

समुदाय का सहयोग लेने पर जोर: पंचायत, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कर्मचारी और अन्य सामाजिक संगठनों के सहयोग से अभिभावकों को जागरूक किया जा रहा है। इधर, पंचायत स्तर पर बैठकें आयोजित कर अभिभावकों खासकर माताओं को इन प्रयासों में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। घर से स्कूल के लिए निकलने वाले बच्चे के बचाव के पूरे प्रबंध कर भेजने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया जा रहा है।

चेकिंग के दौरान तीन थानों की पुलिस टीम और बदमाशो के बीच हुई मुठभेड़, गिरफ्तार

केटी न्यूज/जौनपुर

गैंगस्टर एक्ट में वांछित है घायल अपराधी

थाना शाहगंज, सरपतहां व खुटहन की संयुक्त पुलिस टीम के साथ हुई मुठभेड़ में अन्तर्जनपदीय बदमाश के पैर में लगी गोली। घायल बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा उसका एक साथी मौके से फरार होने में सफल रहा। बदमाश के कब्जे से पुलिस ने तमंचा कारतूस, मोटर साइकिल व नकदी बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार देर रात चेकिंग के दौरान थाना खुटहन, शाहगंज व सरपतहां की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। रविवार की देर रात्रि को खुटहन पुलिस टीम द्वारा चेकिंग की जा रही थी, तभी एक बाइक सवार पुलिस टीम को देख भागने लगे। थानाध्यक्ष खुटहन मय हमराह द्वारा बाइक सवार का पीछा करते हुए आसपास के थानों को बताया गया कि दो संदिग्ध व्यक्ति मोटर साइकिल से निजमापुर की तरफ बढ़ रहे हैं। सूचना पर थाना शाहगंज व सरपतहां पुलिस टीम निजमापुर की तरफ रवाना होकर चेकिंग करने लगी, कुछ समय बाद बाइक सवार बदमाश आते दिखे जो पुलिस को देख निजमापुर से शाहगंज के तरफ जा रहे खड्डुजा के बायी तरफ उतरकर भांगने लगे। पुलिस टीमों द्वारा मौके पर आकर घेराबंदी की गई, अपने आपको घिरा देखकर हड़बड़ाहट में उनकी मोटरसाइकिल फिसल गयी। पुलिस टीम द्वारा दोनों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया परन्तु बदमाशों द्वारा पुलिस टीम पर फायर किया। जवाब में पुलिस टीम द्वारा चलाई गयी गोली से एक बदमाश घायल हो गया व एक बदमाश अंधेरे का लाभ उठाकर भागने मे सफल रहा।

घायल बदमाश से पूछताछ में पता चला कि वह अंर्तजनपदीय वांछित, शातिर अभियुक्त आसिफ पुत्र शौकत निवासी हसनाडीह थाना अहिरौला जनपद आजमगढ है तथा थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ से गैंगस्टर एक्ट में वांछित है। घायल बदमाश को पुलिस अभिरक्षा में लेकर ईलाज हेतु अस्पताल भेजा गया। बदमाश के पास से 01 देशी तमन्चा .315 बोर मय 01 जिन्दा व 01 खोखा कारतूस, एक मोटर साइकिल व नकदी बरामद हुआ है। उस पर विभिन्न जनपदों में लगभग एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज है।

बांस की सीढ़ी लगा घर में घुसकर जेवरात और फोन की चोरी

चंदौली। जलीलपुर चौकी क्षेत्र के बखरा गांव स्थित छोटेलाल के घर से बीती रात चोरों द्वारा नगदी सहित आभूषण व मोबाइल पर हाथ साफ कर दिया गया। भुक्त भोगी ने चोरी की लिखित सूचना जलीलपुर चौकी को भी सूचना के आधार पर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। बखरा गांव निवासी छोटेलाल पुत्र पन्नालाल का गांव में मकान है। वह बीती रात अपने परिजनों के साथ घर में सोया हुआ था। इधर मौका पाकर बांस की सीढ़ी लगाकर छत के रास्ते घर में घुसकर चोर घर में रखे सात हजार रुपये मूल्य का एक सोने का झुमका, एक चांदी का पायल, एक एंड्राइड मोबाइल, दो कीपैड मोबाइल चार्जर, ब्लूटूथ , कॉलेज बैग सहित अन्य सामान चोरी करके ले भागे। इधर जब परिजनों को सुबह इस बात की जानकारी हुई तो जलीलपुर चौकी पर आकर चोरी की संबंध में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में जुट गई।

रेलकर्मी के बंद पड़े मकान से 4 लाख रु. का सामान ले उड़े चोर

केटी न्यूज/चंदौली

अलीनगर थाना क्षेत्र के अमोघपुर गांव में रेल कर्मी रामचंद्र सिंह चौहान के बंद पड़े मकान से चोर करीब चार लाख रुपए के आभूषण सहित लैपटॉप और सात हजार नगदी चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी होने पर भुक्तभोगी ने अलीनगर थाने में तहरीर दी।

जानकारी के अनुसार अमोघपुर निवासी रामचंद्र सिंह चौहान बिहार के जपला में रेलवे में कार्यरत हैं। जो करीब आठ दिन पूर्व अमोघपुर से जपला चला गए थे। इसी बीच उसके पड़ोसियों ने घर का दरवाजा खुला देखकर पहले तो डोर बेल बजाई। जब घर से कोई नहीं निकला तो उन्होंने भुक्तभोगी को मोबाइल पर कॉल किया। इस पर रामचंद्र ने खुद को ड्यूटी पर होने की बात बताई। साथ ही घटना की जानकारी होने पर वह जपला से अमोघपुर पहुंचे। जहां उन्होंने घर के सभी दरवाजों के ताले टूटे हुए देखे। जब वह कमरों के अंदर गए तो सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। साथ ही कई सामान घर से गायब भी मिले। इस पर उन्होंने इसकी जानकारी 112 नंबर पर दी। सूचना पर तत्काल पुलिस पहुंची। तत्पश्चात भुक्तभोगी ने अलीनगर थाने में तहरीर दी। इस पर पुलिस कार्रवाई में जुट गई। भुक्तभोगी के अनुसार उनके घर से चार लाख के आभूषण, एक लैपटॉप व सात हजार नगदी चोर चोरी कर कर ले गए। इस बाबत अलीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस मामले की जांच किया जा रहा है,जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ 3 अक्टूबर को मिशन शक्ति के पांचवें चरण में प्रदेश की आधी आबादी को देंगे तोहफा

आधी आबादी को और सशक्त करेगी महिला स्वास्थ्य हेल्पलाइन

- टेली-परामर्श के माध्यम से स्त्री रोग विशेषज्ञ सुनेंगी महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं
- सीएम योगी आदित्यनाथ की पहल से ग्रामीण महिलाओं को मिलेगा सबसे ज्यादा फायदा

केटी न्यूज/लखनऊ

17 अक्टूबर 2020 को मिशन शक्ति को किया गया था लांच

योगी सरकार ने प्रदेश भर में महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सम्मान के महत्व को पहचानते हुए उनके स्वास्थ्य को लगातार प्राथमिकता दी है। मिशन शक्ति के प्रत्येक चरण में महत्वपूर्ण सुधार पेश किए गए हैं, जिसकी शुरूआत 17 अक्टूबर, 2020 में हुई, इसके बाद 26 फरवरी, 2021 को दूसरा चरण, 21 अगस्त, 2021 को तीसरा चरण और 14 अक्टूबर, 2022 को चौथा चरण शुरू किया गया था। पांचवें चरण की शुरूआत प्रदेश की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए योगी सरकार के अथक प्रयास को जारी रखना है, जो यह सुनिश्चित कर रहा है कि महिलाओं को वह स्वास्थ्य सेवा और सहायता मिले जिसकी वे हकदार हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार शारदीय नवरात्रि के पहले दिन 3 अक्टूबर को अपने महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति कार्यक्रम के पांचवें चरण का शुभारंभ करने जा रही है। इस नए चरण के तहत महिलाओं के लिए, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में एक समर्पित स्वास्थ्य हेल्पलाइन- 'महिला स्वास्थ्य लाइन' की जल्द ही लांच किया जाएगा।

ग्रामीण महिलाओं को मिलेगी टेली-परामर्श की सुविधा: वीमेन पावर लाइन 1090 की तर्ज पर हेल्पलाइन को शुरू किया जाएगा, जिसका उद्देश्य उन महिलाओं को सुलभ स्वास्थ्य सेवा सहायता प्रदान करना है, जिन्हें अक्सर सामाजिक दोष के कारण स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर चर्चा करने में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इस हेल्पलाइन के जरिए महिलाओं को स्त्री रोग विशेषज्ञों के साथ टेली-परामर्श की सुविधा दी जाएगी, जिसके तहत महिलाओं (ग्रामीण महिलाओं) को दूर के अस्पतालों या क्लीनिकों के चक्कर लगाने से छुटकारा मिल जाएगा। उन्हें घर पर ही स्त्री रोग विशेषज्ञ का मार्गदर्शन मिल सकेगा। इसका सबसे ज्यादा लाभ ग्रामीण महिलाओं को होगा। यह हेल्पलाइन महिलाओं को समय पर और गोपनीय चिकित्सा सहायता प्राप्त करने में सशक्त बनाएगी, जिससे ग्रामीण उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में अंतर को खत्म किया जा सकेगा।

गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने को योगी सरकार ने लिया फैसला: महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन (WCSO) के अनुसार, नई स्वास्थ्य हेल्पलाइन न केवल तत्काल चिकित्सा सलाह प्रदान करेगी, बल्कि महिलाओं को मातृ स्वास्थ्य, प्रजनन स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं को सुलझाने में भी मदद करेगी। हेल्पलाइन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की उन महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करना है, जिनके लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल तक पहुंच एक चुनौती बनी हुई है।

सुभाषितम्

विपत्तियों में ही लोग अपनी शक्ति से परिचित होते हैं, समृद्धि में नहीं।

- अज्ञात

विदेश में भारतीय प्रवासियों की चुनौतियाँ और योगदान

अमेरिका में प्रवासी भारतीय समुदाय वहां की सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों में जिस तरह से क्रियाशील हैं। उसके बाद से वहां के राजनेताओं का झुकाव भारतीय समुदाय के साथ अपने रिश्ते को मजबूत बनाने मे हुआ है। पिछले कुछ वर्षों मे राष्ट्रपति चुनाव से लेकर स्थानीय चुनाव में भारतीयों की भूमिका महत्वपूर्ण हुई है। हाल ही के राष्ट्रपति चुनाव मे कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप दोनों ही, भारतीय समुदाय के समर्थन के लिए एड़ी चोटी का पसीना बहा रहे हैं। वहीं अमेरिका के नस्लवाद और कट्टर धार्मिक चरमपंथियों के कारण प्रवासी भारतीयों को चुनौती का सामना भी करना पड़ रहा है। अमेरिका में बसे भारतीय प्रवासियों की संख्या पिछले कुछ दशकों में तेजी से बढ़ी है। 2010 से 2020 के बीच की अवधि में प्रवासी भारतीयों की संख्या एरिजोना में 74% और जॉर्जिया में 67% तक बढ़ गई है। प्रवासी भारतीयों की व्यापक उपस्थिति, बढ़ती राजनीतिक एवं आर्थिक शक्ति को दशार्ती है। इस बदलाव के कारण अमेरिका में प्रवासी भारतीयों को चुनौती भी मिलना शुरू हो गई है। इसका संतुलन किस तरह से बनेगा, इसको लेकर भारतीयों मे चिंता भी बढ़ गई है। भारतीय प्रवासियों का अमेरिका के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। 20वीं सदी के प्रारंभ से भारतीयों ने अमेरिका और अन्य देशों मे जाकर व्यापार और नौकरी करना शुरू कर दिया था। 1913 में पहला गदर आंदोलन ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा बनकर, प्रवासियों की स्थिति को मजबूत बनाया है। समय के साथ, भारतीय प्रवासी न केवल आर्थिक रूप से विदेशों में सशक्त हुए। अमेरिका और अन्य देशों मैं भारतीय प्रवासियों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान भी बनाई। वर्तमान में, भारतीय प्रवासी समाज कई देशों में वहां की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्थिति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। भारत से बाहर रहकर भी वह अपनी मातृभूमि के साथ पारिवारिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक संबंधों के कारण मजबूती के साथ जुड़े हुए हैं। विदेश में रहते हुए उन्होंने आर्थिक, शैक्षणिक, और तकनीकी क्षेत्र में वहां पर भागीदारी करते हुए, भारत के विकास में बड़ा योगदान दिया है। बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी अमेरिकी मे आईटी, उद्योग, चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग भी बढ़ा है। इन दिनों सारी दुनिया के देशों में जिस तरह से नस्लवाद, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आधार पर संघर्ष, अप्रवासन नीतियों में आए बदलावों ने प्रवासियों के जीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। ट्रंप प्रशासन के दौरान कठोर अप्रवासन नीतियों ने भारतीय प्रवासियों के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी की थीं। विशेष रूप से, एच1-बी वीजा और ग्रीन कार्ड जैसी प्रक्रियाओं में कड़े नियम प्रवासी भारतीयों के लिए मुश्किल बन गये थे। इन सबके बावजूद, भारतीय प्रवासियों ने अमेरिका में हर चुनौती का सामना करते हुये नई ऊँचाइयाँ हासिल की हैं। प्रवासी भारतीयों की सफलता केवल व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं है। प्रवासी भारतीयों ने दोनों देशों के बीच में संबंधों को बढ़ाने में भी विशेष योगदान दिया है। भारत और अमेरिका के बीच में प्रवासियों ने एक सेतु के रूप में काम करते हुए, वहां पर अपनी स्थिति को मजबूत बनाया है। अमेरिका में बसे भारतीय प्रवासी भारत और अमेरिका की आर्थिक समृद्धि और विकास का प्रतीक बन गये हैं। उनकी भूमिका वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को मजबूती प्रदान करती है। हाल ही में अमेरिका में हो रहे राष्ट्रपति चुनाव को लेकर जिस तरह से भारतीय समुदाय ने दोनों ही राजनीतिक दलों के साथ समन्वय बनाया। वह राजनीतिक तौर पर प्रवासी भारतीयों की स्थिति को मजबूत बनाते हुए, वहां की राजनीतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में योगदान सराहनीय है। हाल ही में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका की यात्रा की थी। उन्होंने भी वहां की राजनीति में भारतीय समुदाय को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने में अहम भूमिका निभाई है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अमेरिका की यात्रा पर गए।

चिंतन-मनन

व्यक्ति-निर्माण समाज पर निर्भर

व्यक्ति का निर्माण केवल उसी पर नहीं, बहुत कुछ अंशों में समाज पर निर्भर है इसलिए उसे अपने निर्माण को समाज के निर्माण में देखना है। सफलता का पहला सूत्र है- मूल्यों का परिवर्तन। समाज का निर्माण मूल्यों के परिवर्तन से ही होता है। स्वार्थ और संग्रह, ये दोनों मूल्य जब विकसित होते हैं तब व्यक्ति पुष्ट होता है और समाज क्षीण। क्षीण समाज में समर्थ व्यक्तित्व विकसित नहीं हो पाते। आज का समाज सही अर्थ में क्षीण है। उसे पुष्ट करने के लिए स्वार्थ और विसर्जन के मूल्यों को विकसित करना जरूरी है। इनसे समाज पुष्ट होगा। पुष्ट समाज में समर्थ व्यक्तित्व पैदा होंगे। क्षीण कोई नहीं होगा। मैंने देखा है स्वार्थ और संग्रह परायण समाज ने अनेक प्रकार की क्रूताओं और अनैतिकताओं को जन्म दिया है। इसे बदलना क्या आज के सामाजिक व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है? सफलता का दूसरा सूत्र है- शक्ति का विकास। शक्ति के दो स्रोत हैं- मानसिक विकास और संगठन। मानसिक विकास के लिए धर्म का अभ्यास और प्रयोग करना जरूरी है। संगठन की शक्ति का विस्फोट इतना हुआ है कि अब इसमें कोई विवाद ही नहीं है।
हमारे पूज्य भिक्षु स्वामी ने संगठन का मूल्य दो शताब्दी पूर्व ही समझ लिया था। उनके अनुयायियों को क्या उसे अब भी समझना है। वात्सलता और सहानुभूति को विकसित किए बिना संगठन सुदृढ़ नहीं हो सकता। आज सबकुछ शक्ति-संचय के आधार पर हो रहा है। इसलिए संगठन अब अनिवार्य हो गया है। छोटे-छोटे प्रश्न इस महान कार्य में अवरोध नहीं बनने चाहिए। सफलता का तीसरा सूत्र है- शातौर परिवर्तन का यथार्थ-बोध। कुछ स्थितियां देशकालातीत होती है। उन्हें बदलने की जरूरत नहीं है, किंतु देशकाल सापेक्ष स्थितियों का देशकाल के बदलने के साथ न बदलना असफलता का मुख्य हेतु है। परिवर्तन के विषय में युवकों का दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट होना चाहिए। बदलना अपने आप में कोई उद्देश्य नहीं है और नहीं बदलना कोई सार्थकता नहीं है।

एसडी बर्मन : संगीतकारों के संगीतकार

दिलीप कुमार पाठक

हरदिल अजीज संगीतकार सचिनदेव बर्मन का मधुर संगीत आज भी श्रोताओं को भाव-विभोर करता है. उनके जाने के बाद भी बर्मन दादा के प्रशंसकों के दिल से एक ही आवाज निकलती है- ओ जाने वाले हो सके तो लौट के आना.... यह बर्मन दादा के संगीत का अपना प्रभाव है. दरअसल उससे बाहर कोई संगीत प्रेमी निकलना चाहता भी नहीं है. बर्मन दादा के संगीत को सुनते हुए, खासकर कालजयी फिल्म गाइड का उन्हीं के द्वारा गाया गया गीत वहाँ कौन है तेरा मुसाफि र जाएगा कहाँ यह गीत हर किसी को भी मंत्रमुग्ध तो करता ही है. खासकर सुनने वाले को बुद्धत्व के मार्ग पर ले जाता है. जब तक गीत खत्म हो रहा होता है, तब तक तो आदमी डूब चुका होता है. सन 1944 में संगीतकार बनने का ख्वाब लेकर बर्मन दादा बंबई आ गए. जहां सबसे पहले उन्हें 1946 में फिल्मिस्तान की फिल्म एट डेज में बतौर संगीतकार काम करने का मौका मिला, लेकिन इस फिल्म के जरिए वे कुछ खास पहचान नहीं बना पाए. कहते हैं संघर्ष से ही प्रतिभा चमक बिखेरती है. वही मुकाम बर्मन दादा का हुआ. 1947 में उनके संगीत से सजी फिल्म दो भाई के पार्श्वगायिका गीता दत्त के गाए गीत मेरा सुंदर सपना बीत गया... की सफलता के बाद वे कुछ हद तक बतौर संगीतकार अपनी पहचान बनाने में सफल हो गए. कुछ सालों बाद बर्मन दादा को मायानगरी बंबई की चकाचौंध कुछ जमी नहीं. वो बंबई की आबो हवा में घुटने लगे, शायद वो हसरत मचल रही थी, जो उनको हिन्दी सिनेमा का बर्मन दादा बनाने के लिए बेचैन थी. आखिरकार वे सबकुछ छोड़कर वापस कलकत्ता आ गए. हालांकि उनका मन वहां भी नहीं लगा. बर्मन दादा को बंबई में शोहरत की बुलन्दियों को छूना था. अंततः बर्मन दादा अपने आपको बंबई आने से रोक नहीं पाए. बर्मन दादा ने ने करीब 3 दशक की अपनी सिनेमाई यात्रा में लगभग 90 फिल्मों के लिए कालजयी संगीत दिया. बर्मन दादा की सिनेमाई यात्रा पर रिसर्च करने पर पता चलता है कि, उन्होंने सबसे ज्यादा काम देव साहब एवं साहिर लुधियानवी साहब के साथ किया. बाद में साहिर साहब से उसूलों की आंच टकराई दोनों दिग्गजों का आत्मसम्मान मचल गया. अंततः दोनों की जोड़ी टूट गई.सन 1949 में फिल्म आजादी की राह पर के लिए उन्होंने पहली बार गीत लिखे, लेकिन प्रसिद्धि उन्हें फिल्म नौजवान, से मिली. नवजवान फिल्म में संगीतकार बर्मन दादा थे. ठंडी हवाएँ, लहरा के आयें रुत है जवां तुमको यहाँ, कैसे बुलाएँ ठंडी हवाएँ...इस गीत को लिखने के बाद साहिर लुधियानवी नाम का जिक्र लिटरेचर की दुनिया से हटकर थोड़ा सिनेमा, संगीत पर होने लगा . इस गीत पर संगीतकार बर्मन दादा ने शास्त्रीय संगीत पद्धति थाट बिलावल के राग बिहाग एवं रबींद्र संगीत पर संगीत रचा, जो हिन्दी सिनेमा एवं संगीत में मील का पत्थर साबित हुआ. इस फिल्म के गानों की आपार

सफलता के बाद बर्मन दादा एवं साहिर दोनों सफलता की गारंटी, के साथ ही दोनों एक दूसरे के पूरक बन गए. बाद में साहिर लुधियानवी ने बाजी, प्यासा, फिर सुबह होगी, कभी कभी जैसे लोकप्रिय फिल्मों के लिए गीत लिखे. विद्वान लोग कहते हैं कि बहुत जहीन लोग कम समझ आते हैं क्यों कि उनके अन्दर एक कोने में सिरहन पैदा करने वाली खामोशी होती है, वहीं एक कोने में असंतुलित कर देने वाला शोर होता है. बर्मन दादा एवं साहिर लुधियानवी दोनों अपनी - अपनी प्रतिभा में पूरा का पूरा अध्याय थे. एक दौर में एस डी बर्मन दादा, साहिर साहब, देव साहब एवं गुरुदत्त साहब आदि के ग्रुप के तौर पर काम करते थे, कहते हैं कि बर्मन दादा एवं साहिर की प्रतिभा का फायदा सबसे ज्यादा देव साहब एवं गुरुदत्त साहब को अपने फि ल्मों में यादगार संगीत के कारण हुआ. देव साहब एवं गुरुदत्त साहब ने बर्मन दादा की प्रतिभा को खूब सराहा, एवं खूब फायदा कमाया . बर्मन दादा ने 1951 में फिल्म नौजवान के गीत ठंडी हवाएं, लहरा के आए... के जरिए लोगों के दिलों में जगह बनाई. 1951 में ही गुरुदत्त साहब की पहली निर्देशित फिल्म बाजी के गीत तदबीर से बिगड़ी हुई तकदीर बना दे... में बर्मन दादा और साहिर साहब की जोड़ी ने संगीतप्रेमियों का दिल जीत लिया. देव साहब की फिल्मों के लिए बर्मन दादा ने सदाबहार कालजयी संगीत दिया. उनकी फिल्मों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. बर्मन दादा के नाम के जिक्र के साथ सबसे पहले देव साहब का नाम याद आता है.
बर्मन दादा के पसंदीदा निमार्ता-निर्देशकों में देव साहब के अलावा विमल राय, गुरुदत्त साहब, ऋषिकेश मुखर्जी, आदि प्रमुख रहे हैं. बर्मन दादा की फिल्म जगत के किसी कलाकार या गायक के साथ शायद ही अनबन हुई हो, लेकिन 1957 में प्रदर्शित फिल्म पेइंग गेस्ट के गाने चांद फिर निकला... के बाद लता मंगेशकर और उन्होंने एकसाथ काम करना बंद कर दिया. दोनों ने लगभग 5 वर्ष तक एक-दूसरे के साथ काम नहीं किया. बाद में बर्मन दादा के पुत्र आरडी बर्मन (पंचम दा) ने अपने पिता को मनाया, बाद में लता मंगेशकर ने बर्मन दा के संगीत को अपनी आवाज दी. महान बनने से पहले किसी भी शख्स को उसके भीतर की इंसानियत, उसूल, स्थायित्व, धैर्य, सब्र, ही उसे महानता की ओर ले जाती है. किसी भी शख्सियत में ठहराव एक आभूषण होता है. बर्मन दादा हिन्दी सिनेमा के लिए ईश्वर का नायाब तोहफा थे. सचिन देव बर्मन ने अपनी जिंदगी में जो शोहरत, इज्जत, मुहब्बत कमाई, उसका कोई सानी नहीं है. सचिन देव उर्फ. बर्मन दादा का अंदाज अद्वितीय था. संगीतकार तो बहुत हुए, लेकिन रबींद्र संगीत, थाट बिलावल के राग विहाग को अपनी सिग्नेचर स्टाइल बनाया, बाद में सभी संगीतकार लगभग इसी के अंतर्गत संगीत रचते थे. सिर्फ आपका मौलिक सृजन, चालीस इंच की सिल्वर स्क्रीन आपको सुपरस्टार नहीं बनाती, आपके अन्दर की अथाह प्रतिभा लगन आपको बर्मन दादा बनाती है. मगर सचिन देव बर्मन यूं ही महान नहीं बने. उनके अंदर का प्रेम, उनके भीतर की करुणा एक संवेदनशील मनुष्य के रुप में दिखाई पड़ते हैं. उनकी शख्सियत का अपना चार्म था. अपनी ज़िन्दगी में बेहद लोकप्रिय, संवेदनशील आदमी होने का पूरा कंप्लीट पैकेज थे. देवानंद साहब अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म गाइड बना रहे थे. यह साठ के दशक के लगभग की बात होगी. देव साहब ने गीतकार कविराज शैलेंद्र को गीत लेखन एवं संगीत निर्देशन का कार्यभार बर्मन दादा को दे दिया. देव साहब की फि ल्में संगीत प्रधानता पर टिकी होती थीं. उनकी फि ल्मों में संगीत सर्वोत्तम होता था. उनके अभिनय में फिल्म का संगीत सहायक होता था. संगीत से ही देव साहब की फिल्मों का मूड सेट होता था.

वन नेशन वन इलेक्शन आज के भारत की आवश्यकता

प्रहलाद सबनानी

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत में लोकसभा एवं विभिन्न प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही होते रहे हैं। परंतु केंद्र सरकार द्वारा कुछ विधानसभाओं को 1950 एवं 1960 के दशक में इनकी अवधि समाप्त होने के पूर्व ही भंग करने के चलते कुछ विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा से अलग कराने की आवश्यकता पड़ी थी, उसके बाद से लोकसभा, विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं एवं स्थानीय स्तर पर नगर निगमों, निकायों एवं पंचायतों के चुनाव अलग अलग समय पर कराए जाने लगे। आज स्थिति यह निर्मित हो गई है कि लगभग प्रत्येक सप्ताह अथवा प्रत्येक माह भारत के किसी न किसी भाग में चुनाव हो रहे होते हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष केवल 65 दिन ऐसे रहे हैं जब भारत के किसी स्थान पर चुनाव नहीं हुए हैं। किसी भी देश में चुनाव कराए जाने पर न केवल धन खर्च होता है बल्कि जनबल का उपयोग भी करना पड़ता है। जनबल का यह उपयोग एक तरह से अनुत्पादक श्रम की श्रेणी में गिना जाना चाहिए क्योंकि इस प्रकार के श्रम से किसी प्रकार का उत्पादन तो होता नहीं है परंतु एक तरह से श्रमदान जरूर करना होता है। यह श्रम यदि बचाकर किसी उत्पादक कार्य में लगाया जाय तो केवल कल्पना ही की जा सकती है कि इस श्रम से देश के सकल घरेलू उत्पाद में अतुलनीय वृद्धि दर्ज की जा सकती है। अमेरिकी थिंक टैंक के एक अर्थशास्त्री के अनुसार, देश में बार बार चुनाव कराए जाने के चलते उस देश का सकल घरेलू उत्पाद लगभग एक प्रतिशत से कम हो जाता है। चुनाव कराने के लिए होने वाले खर्च पर भी यदि विचार किया जाय तो भारत में केवल लोकसभा चुनाव कराने के लिए ही 60,000 करोड़ रुपए का खर्च किया जाता है। आप कल्पना कर सकते हैं इस राशि में यदि विभिन्न प्रदेशों की विधानसभाओं, नगर निगमों, निकायों एवं ग्राम पंचायतों के चुनाव पर किए जाने वाले खर्च को भी जोड़ा जाय तो खर्च का यह आंकड़ा निश्चित ही एक लाख करोड़ रुपए के आंकडें को पार कर जाएगा। उक्त बातों के ध्यान में आने के पश्चात केंद्र सरकार ने विचार किया है कि भारत में ह्लवन नेशन वन इलेक्शनह्न के नियम को लागू किया जाना चाहिए। इस विचार को आगे बढ़ाने एवं इस संदर्भ में नियम आदि बनाने के उद्देश्य से भारत के पूर्व राष्ट्रपति माननीय श्री रामनाथ कोविंद जी की अध्यक्षता में एक विशेष समिति का गठन किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट हाल ही में राष्ट्रपति/केंद्र सरकार को सौंप दी है। इसके बाद, केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल की समिति ने इस रिपोर्ट को स्वीकृत कर लिया है एवं इसे अब लोकसभा एवं राज्यसभा के सामने विचार के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। किसी भी देश की लोकतंत्रीय प्रणाली में समय पर चुनाव कराना एक महत्वपूर्ण कार्य होता है। चुनाव किस प्रकार हों, समय पर हों एवं सही तरीके से हों, इसका बहुत महत्व होता है। परंतु देश में चुनाव बार बार होना भी अपने आप में ठीक स्थिति नहीं कही जा सकती है। विश्व के कई देशों, यथा स्वीडन, ब्राजील, बेलजियम, दक्षिण अफ्रीका, आदि में समस्त प्रकार के चुनाव एक साथ ही कराए जाने के नियम का पालन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। चुनाव एक साथ कराने के कई फायदे हैं जैसे इन देशों में चुनाव कराने सम्बंधी खर्चों पर नियंत्रण रहता है। दूसरे, सुरक्षा हेतु पुलिसकर्मियों एवं चुनाव करवाने के लिए स्थानीय कर्मचारियों की बड़ी मात्रा में आवश्यकता को कम किया जा सकता है। तीसरे, देश में चुनाव एक साथ कराने से अभिशासन पर अधिक ध्यान दिया जा सकता है एवं चौथे विभिन्न स्तर के चुनाव एक साथ कराने से चुनाव में वोट डालने वाले नागरिकों की संख्या में निश्चित ही वृद्धि होती है क्योंकि नागरिकों को मालूम होता है कि पांच साल में केवल एक बार ही वोट डालना है अतः वह अन्य कार्यों को दरकिनार करते हुए अपने वोट डालने के अधिकार का उपयोग करना पसंद करता है। इसी प्रकार यदि कोई नागरिक किसी अन्य नगर यथा दिल्ली में कार्य कर रहा है और उसके मुंबई का निवासी होने चलते उसे वोट डालने के लिए मुंबई जाना होता है तो पांच वर्ष में एक बार तो इस महान कार्य के लिए वह दिल्ली से मुंबई आ सकता है परंतु पांच वर्षों में पांच बार तो वह दिल्ली से मुंबई नहीं जा पाएगा। इसके अलावा लोकसभा, विधानसभाओं, स्थानीय निकायों एवं पंचायतों के चुनाव अलग अलग होने से विभिन्न पार्टियों के पदाधिकारी, इनमें केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों के मंत्री आदि भी शामिल रहते हैं, अपना सरकारी कार्य छोड़कर चुनाव प्रचार के लिए अपना समय देते हैं। जबकि, यह समय तो उन्हें देश एवं प्रदेश की सेवा में लगाना चाहिए। इससे देश में अभिशासन की गुणवत्ता पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। वन नेशन वन इलेक्शन के लिए गठित उक्त विशेष समिति ने यह सलाह दी है कि शुरूआत में लोकसभा एवं समस्त प्रदेशों की विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराए जा सकते है। यदि ऐसा होता है तो यह भी सही है कि देश में लोकसभा एवं विधान सभा चुनाव एक साथ कराने के लिए संसाधनों की भारी मात्रा में आवश्यकता पड़ेगी, इसका हल किस प्रकार निकाला जाएगा इस पर भारतीय संसद में विचार किया जा सकता है। साथ ही, भारत में 6 राष्ट्रीय दल, 54 राज्य स्तरीय दल एवं 2000 से अधिक गैर मान्यता प्राप्त दल हैं जिनके बीच में सामंजस्य स्थापित करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, भारत में अंतिम बार लोकसभा एवं विधानसभाओं के चुनाव एक साथ 1960 के दशक में कराए गए थे। आज भारतीय नागरिकों को भी शिक्षित करने की आवश्यकता होगी कि लोकसभा, विधान सभाओं एवं स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ किस प्रकार कराए जा सकते हैं ताकि उन्हें वोट डालने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। इन समस्याओं का हल भारतीय संसद में चर्चा के दौरान निकाला जा सकता है। यदि किसी कारण से केंद्र में लोकसभा अथवा किसी प्रदेश में विधानसभा पांच वर्ष की समय सीमा के पूर्व ही गिर जाती है तो लोकसभा अथवा उस प्रदेश की विधान सभा के चुनाव शेष बचे हुए समय के लिए पुनः कराए जा सकते हैं, ऐसे प्रावधान को कानूनी रूप प्रदान दिया जा सकता है। इससे विभिन्न राजनैतिक दलों के सांसदों एवं विधायकों पर भी यह दबाव रहेगा कि वे लोकसभा अथवा विधानसभा को समय पूर्व भंग कराने अथवा गिराने का प्रयास नहीं करें।

ढलती सांझें नारकीय जीवन जीने को मजबूर?

नरेन्द्र भारती

बेशक एक अक्तूबर 2024 को विश्व वृद्ध दिवस मनाया जा रहा है मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। केवल मात्र एक दिन बड़ी धूमधाम से कार्यक्रम किए जातें हैं बाकि 364 दिन इन वृद्धों को कोई याद तक नहीं करता वृद्धों कें नाम पर चलाई जा रही योजनाएं कागजों में ही क्रियान्वित होती हैं ।बुजुर्ग ढलती साझें है ।ढलती साझें आज नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं ।वृद्वों को आश्रमों में भेजा जा रहा है। बुजुर्ग किसी दूसरे द्वारा नहीं बल्कि अपने ही बेटों के कारण उपेक्षित हैं शायद यह उनका दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि जिन बच्चों के लिए अपना पेट काटकर व भूखे रहकर उनका पालन पोषण किया आज वही बेटे उन्हे दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। बुजुर्गों का तिरस्कार,एक खौफनाक त्रासदी है ।आज देश में बुजुर्गों की जो हालत हो रही है उसके मामले समय-समय पर उजागर होते रहते है। कहते है बुजुर्ग अनुभवों की खान होते हैं ।बुजुर्ग वटवृक्ष के सामान होते हैं जिनकी शीतल छाया में बच्चे सुरक्षित रहते है मगर आज अपने ही वृक्ष को काटने पर उतारु हो गए हैं। देश में आज लाखों वृद्ध लोग नारकीय जीवन जीने पर मजबूर हैं तथा दुसरों पर मोहताज हैं ।बुजुर्गो ने पाई-पाई जोड़कर जिन बच्चों को मंहगी व उच्च तालिम देकर पैरों पर खडा.किया आज उन्ही के सामने दो जून की रोटी के लिए गिड़गडा रहे है ।मां-बाप का कर्ज आज तक कोई नहीं चुका पाया है। बुजुर्गों ने अपनी खुशियों का गला घोंटकर अपने बच्चों को हर खुशी प्रदान की मगर आज वही चिराग माता -पिता के दुश्मन बन गए हैं बुजुर्ग परिवार का स्तम्भ होते हैं। आज देश में बुजुर्ग लोग तिरस्कृत जीवन जीने को मजबूर हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वृद्धों के भरण-पोषण के लिए कानून बनाए हैं मगर वे फाईलो की धूल चाट रहे हैं नजीजन लोग कानूनों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। आधुनिक युग की तथाकथित बहुएं व कलयुगी बेटे बुजुर्गों से बुरा व्यवहार कर रहे हैं ।लेकिन एक दिन उन्हे भी बुढापा आयेगा तब उन्हें भी अपनी करनी का फल अवश्य मिलेगा। आज बुजुर्गो को स्टोर रुम में रखा जाता है मगर एक दिन स्टोर रुम तुम्हारा भी इंतजार कर रहा है जब तुम्हे भी ऐसा ही नसीब होगा ।क्योकि जैसा बोओगे वैसा ही काटोगे। अक्सर देखा गया है कि अधिकांश लोग वृद्ध आश्रमों की शरण ले रहे हैं क्योकि जब यह लोग दुखी हो जाते हैं तो वृद्ध आश्रम ही आखिरी विकल्प सूझता हैं। आज बहुत से वृद्ध एकाकी जीवन जी रहे ह। बेटों के पास आज समय नहीं हैं कि अपनों का सहारा बने हमें घर में अपने बुजुर्गों की दिन-रात सेवा करनी चाहिए क्योकिं बुजुर्गों की सेवा से बड़ा कोई तीर्थ नहीं हैं। आज स्थिति यह है कि वृद्ध लोग दाने-दाने को तरस रहे हैं ।विडम्बना देखिए कि आज मां-बाप का बंटबारा किया जा रहा है उन्हे महिनों में बांटा गया है कि इस माह किस बेटे के पास खाना खाना है तथा अगले महिने दूेसरे बेटे के घर खाना है। जिन मां बाप ने अपने बेटों में कभी भेदभाव तक नहीं किया आंच तक नहीं आने दी कांटा तक चुभने नहीं दिया आज वही बच्चे उनका बंटवारा कर रहे हैं ।ऐसी परिर्स्थितियों के कारण कई लोग असमय ही मौत को गले लगा रहे हैं। बुजुर्गों के साथ बेंटो द्वारा मारपीट की घटनाएं भी होती रहती हैं। मारपीट के कारण कई मारे जा चुके हैं। ऐसी औलादें समाज पर कलंक है जो अपने ही जन्मदाताओं को नरक की जिन्दगी दे रहे है। लेकिन कहते हैं इतिहास अपने आप को दोहराता है। समय बहुत बलवान होता है एक दिन सजा जरुर मिलेगी।

आज का राशिफल

मेष आपका दिन सफलता से भरा होगा। आपके लिए आस-पास की यात्रा के योग बन रहे हैं।

तुला आज दिन मिलाजुला प्रभाव रखेगा। किसी भी मामले में फैसला जल्दबाजी में न करें।

वृषभ आपकी योजनाएं सफल होंगी। करियर के मामले में किसी बहुप्रतिक्षित शुभ परिणाम से भी हर्ष होगा।

वृश्चिक आपका दिन लोकप्रियता में बीतेगा। किसी राजनयिक से निकटता व दोस्ती होगी।

मिथुन व्यर्थ के कार्यों में समय बर्बाद न करें। खर्च में कटौती करना बहुत आवश्यक है।

धनु आज दिन लाभ और समृद्धि से भरा होगा। आपके विरोधी परास्त होंगे।

कर्क आज आपका दिन लाभ और सफलता से भरा होगा। पराक्रम वृद्धि से शत्रुओं का मनोबल गिरेगा।

मकर आज भाग्य साथ दे रहा है। आपको कोई उपहार या सम्मान का लाभ मिलेगा।

सिंह लाभ होगा और सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्य विकास के योग हैं।

कुंभ आज संतान पक्ष से हर्ष और लक्ष्मी की बड़ी मात्रा में प्राप्ति से कोष वृद्धि कारक है।

कन्या प्रिय व्यक्ति के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रहेंगे। काम का भार भी आज कुछ ज्यादा अनुभव करेंगे।

मीन आज सुबह से ही भागदौड़ रहेगी। किसी मंगलमय या धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाओं में व्यस्त रहेंगे।

राजकाज

लोकसभा चुनाव के बाद भी नहीं बदले मोदी

2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। जोड़-तोड़ करके मोदी की सरकार बनी। गठबंधन की सरकार होने के बाद, यह माना जा रहा था। मोदी अपने आप को बदलेंगे। राजनीति में सहयोगी दलों और विपक्ष को साथ लेकर चलेंगे। पिछले तीन महीनो में मोदी के रुख में कोई बदलाव नहीं आया। उल्टे वह पहले की तरह आक्रामक नजर आ रहे हैं। जिसके कारण लगातार उनके लिए चुनौतियां बढ़ रही हैं। सबसे बड़ी दिक्कत अब यह हो गई है। संघ और पार्टी के अंदर से भी मोदी को चुनौती मिलना शुरू हो गई है। जो जाल उन्होंने अपने विरोधियों के लिए बिछाया था अब वही जाल मोदी सरकार के गले में फंदे की तरह फस रहा है। इसके बाद भी उनके एटीट्यूड में कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिल रहा है।

आरक्षण : अपने ही जाल में फंसी भाजपा

अमेरिका में राहुल गांधी ने एक प्रश्न के उत्तर में आरक्षण को लेकर जो जवाब दिया था। उसमें उन्होंने कहा था कि समाज में जब समानता आ जाएगी। तो आरक्षण अपने आप समाप्त हो जाएगा। भाजपा ने उनके इस बयान को कांट छांट करके बताया गया कि राहुल आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं। इसका देश मे प्रचार प्रसार किया। यह प्रचार प्रसार भाजपा के खुद के गले मैं फांस की तरह अटक गया है। सोशल मीडिया के जमाने में अब किसी भी चीज को ज्यादा समय तक छुपाया नहीं जा सकता है, वही हुआ। इस तरह के आरोप लगाने से 10 साल पहले भाजपा को फायदा हुआ। अब पुरानी वाली रणनीति अपनाने से फायदा होने की जगह नुकसान हो रहा है। पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की जो क्रेडिबिलिटी जनता के बीच में थी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1869 विश्व में पहला पोस्टकार्ड आस्ट्रियाई पोस्ट ऑफिस द्वारा जारी किया गया। 1887 बलूचिस्तान भारत में मिला दिया गया था। 1918 ब्रिटिश फौज की मदद से अरब सैनिकों ने दमिश्क तुर्की से छीन लिया। 1928 सोवियत नेता जोसफ स्टालिन की पंचवर्षीय योजना लागू हुई थी। 1936 जनरल फ्रासिस्कों फ्रैंको सरकार के मुखिया मनोनीत हुए थे। 1946 न्यूरेमबर्ग में अंतर्राष्ट्रीय युद्ध अपराध नययाधिकरण ने नाजी नेताओं को मौत की सजा सुनाई थी। 1953 आंध्र प्रदेश अलग राज्य बना। 1958 माप तौल की मीट्रिक प्रणाली लागू की गई। 1964 जापान की बुलेट ट्रेन ने टोकियो से ओसाका तक पहली यात्रा की। 1967 भारतीय पर्यटन निगम की स्थापना हुई। 1978 लड़के और लड़कियों की विवाह योग्य आयु 48 से 24 और 45 से 8 वर्ष की गई। 1979 सत्तर वर्ष के अमरीकी नियंत्रण के बाद पनामा नहर पनामा को सौंप दिया गया।

दैनिक पंचांग

1 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.05 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृश्चिक	09.19 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	11.35 बजे से
बुध	कन्य में	मकर	13.41 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	15.27 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.00 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	18.30 बजे से
राहु	मीन में	वृष	20.10 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	22.09 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.22 बजे से
3.00 से 4.30		सिंह	02.38 बजे से
बजे तक		कन्या	04.50 बजे से

मंगलवार 2024 वर्ष का 275 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 21.40 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 09.16 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 02.17 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 08.22 बजे तदनन्तर शकुनि 21.40 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 03° 18' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872119 **जूलियन दिन** 2460584.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 27 **विशेष** चतुर्दशी श्राद्ध, रायबहादुर डॉ. हीरालाल जयंती, विश्व वृद्ध एवं राष्ट्रीय रक्तदान दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पैसो से खुशियां नहीं खरीदी जा सकती! स्टडी में सामने आई सच्चाई

पैसा जरूरी है लेकिन क्या वह जीवन भर खुश रहने के लिए काफी है? क्या सारे अमीर लोग अपने जीवन में बहुत खुश हैं? ये कुछ ऐसे सवाल हैं जो खुशी और पैसे के बीच के संबंध को बयां करते हैं। साथ ही यह भी दर्शाते हैं, कि पैसा सबसे ताकतवर होने के बावजूद किसी के लिए खुशी नहीं खरीद सकता।

यह सदियों पुराना सवाल क्या पैसा खुशी खरीद सकता है?
आज भी लोगों को सोचने और बहस करने पर मजबूर कर रहा है। लोग जब जीवन में वित्तीय सफलता के लिए प्रयास करते हैं, तो खुशी की खोज को अक्सर भौतिक धन के रूप में आंका जाता है। इसलिए, पैसे और खुशी के बीच के जटिल संबंध की खोज करके, कोई भी यह समझने की कोशिश कर सकता है कि वास्तव में हमारे जीवन को क्या परिपूर्ण और संतुष्ट बनाता है।

स्टडी- पैसे और खुशी का संबंध
शोधकर्ताओं डैनियल काहनेमन और मैथ्यू किलिंग्सवर्थ द्वारा हाल ही में किए गए एक संयुक्त अध्ययन ने आम धारणा को चुनौती दी है कि आय की एक निश्चित सीमा तक पहुंचने के बाद खुशियां ही खुशियां होती है। एक स्मार्टफोन ऐप का उपयोग करते हुए, दोनों ने 33,000 से अधिक प्रतिभागियों से डेटा एकत्र किया, जो दर्शाता है कि बढ़ती आय के साथ खुशी में वृद्धि होती है। अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला गया कि कम आय वाले व्यक्ति उच्च आय वालों की तुलना में बढ़ी हुई आय से खुशी में अधिक लाभ का अनुभव करते हैं।

ये निकला निष्कर्ष
शोधकर्ताओं ने पाया कि अधिक धन वाले व्यक्तियों में अधिक सकारात्मक आत्म-धारणा होती है। भावनात्मक कल्याण भी आय के साथ बढ़ता है, लेकिन केवल 75,000 डॉलर के वार्षिक वेतन तक (आज के लिए समायोजित 90,000 डॉलर, जो लगभग 74 लाख रुपये है) इस बिंदु के अलावा, उच्च वेतन खुशी सूचकांक में महत्वपूर्ण रूप से योगदान नहीं करते हैं, जो पैसे और कल्याण के बीच संबंधों की सीमा का संकेत देता है। हालांकि, इन निष्कर्षों में विरोधाभास हैं। किलिंग्सवर्थ के 2023 के अध्ययन ने 500,000 डॉलर की आय तक की खुशी पर पैसे के सकारात्मक प्रभाव का सुझाव दिया जो लगभग 4 करोड़ होता है।

खुश रहने के लिए पैसा काफी नहीं
हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट द्वारा जोर दिया गया है, कि खुशी प्राप्त करने में संबंधों की भूमिका महत्वपूर्ण है। एक अच्छे जीवन के लिए संबंधों को आवश्यक माना जाता है, धन केवल एक सीमा तक ही आपको खुशियां दे पाती है। कुछ व्यक्ति अपने सामाजिक संबंधों और खुशी को बढ़ाने के लिए महंगी ट्रिप, म्यूजिक नाइट गेदरिंग जैसी एक्टिविटीज को भी प्राथमिकता देते हैं।

खुशी मन की अवस्था है
केवल पर्याप्त आय अर्जित करने से खुशी की गारंटी नहीं मिलती है। प्रसिद्ध अमेरिकी ईसाई प्रचारक बिली ग्राहम ने एक बार कहा था, जब धन खो जाता है, तो कुछ भी नहीं खोता है; जब स्वास्थ्य खोता है, तो कुछ थोड़ा सा नुकसान होता है; लेकिन जब व्यक्ति का चरित्र खो जाता है, तो उसका सब खो जाता है। इसलिए, जीवन में खुश रहने के लिए चरित्र और वित्तीय सफलता का साथ-साथ रहना बहुत जरूरी है।

आज के समय में अधिकतर लोग टेरेस गार्डनिंग करना काफी पसंद करते हैं। यकीनन यह काफी अच्छा लगता है। हालांकि, टेरेस गार्डनिंग के कुछ नुकसान भी होते हैं। जानिए इसके बारे में।

आसान नहीं है टेरेस गार्डनिंग

होम डेकोर में इन दिनों प्लांटिंग का चलन काफी बढ़ता जा रहा है। यह आपके घर को और भी ज्यादा खूबसूरत बनाने में मदद करते हैं। हालांकि, ऐसे भी कई लोग होते हैं, जो सिर्फ एक या दो प्लांट्स ही अपने घर में नहीं लगाना चाहते हैं या फिर उनके घर में इतना स्पेस ही नहीं होता है कि वे प्लांटिंग कर सकें। ऐसे में अक्सर लोग टेरेस गार्डनिंग का रास्ता चुनते हैं। टेरेस गार्डन पर अक्सर लोग कुछ सुकून के पल बिताना चाहते हैं। यकीनन टेरेस गार्डनिंग करना अच्छा विचार है। इससे आपको कई तरह के फायदे मिलते हैं। लेकिन टेरेस गार्डनिंग करना इतना आसान भी नहीं है। टेरेस गार्डनिंग करते हुए आपको कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है या फिर इससे आपको कुछ नुकसान भी उठाने पड़ सकते हैं।

वाटर लीकेज की समस्या

अक्सर यह देखने में आता है कि जब लोग टेरेस गार्डन बनाते हैं तो उन्हें कुछ वक्त बाद ही अपने घर में वाटर लीकेज की समस्या का सामना करना पड़ता है। खासतौर से, टेरेस गार्डन का सही तरह से इंस्टॉलेशन ना किया जाए या फिर उसकी मेंटेनेंस को अनदेखा किया जाए, तो इससे पूरी बिल्डिंग में वाटर लीकेज शुरू हो जाती है। इससे आपकी पूरी बिल्डिंग को ही काफी नुकसान होता है।

मेंटेनेंस की जरूरत

यूं तो हर पौधे को केयर की जरूरत होती है, लेकिन जब आप टेरेस गार्डन बनवाते हैं तो आपको अतिरिक्त केयर करनी चाहिए। अक्सर लोग इस पर बहुत अधिक ध्यान नहीं दे पाते हैं। जिसके चलते प्लांट्स कम समय में ही सूख जाते हैं या फिर उनकी वह ग्रोथ नहीं हो पाती है। इसलिए, अगर आप टेरेस गार्डन बनवा रहे हैं तो आपको यह समझ लेना चाहिए कि गार्डन की मेंटेनेंस के लिए आपको कुछ वक्त निकालना होगा।

वजन की समस्या

टेरेस गार्डन के दौरान हम मिट्टी से लेकर पौधों तक का इस्तेमाल करते हैं, जिसके कारण टेरेस पर वजन बढ़ जाता है। कभी-कभी बिल्डिंग यह लोड नहीं ले पाती है और फिर इससे स्ट्रक्चर को डैमेज हो सकता है। इसलिए, जब भी आप टेरेस गार्डन बनवाएं तो यह सुनिश्चित करें कि बिल्डिंग स्ट्रक्चर डैमेज रोकने के लिए अतिरिक्त वजन को आसानी से सह सके।

बहुत अधिक लागत

टेरेस गार्डन बनवाना तो हम सभी चाहते हैं, लेकिन वास्तव में यह आपकी जेब पर बहुत अधिक भारी पड़ सकता है। टैरेस गार्डन बनाने में कंटेनर, मिट्टी, पौधों और सिंचाई आदि की शुरुआती लागत बहुत अधिक आ सकती है। इतना ही नहीं, बाद में टेरेस गार्डन के रख-रखाव में भी आपको काफी अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं।

कीटो का संक्रमण

टेरेस गार्डन के साथ एक समस्या यह होती है कि वह कीटों के प्रति संवेदनशील होते हैं। यह आपके प्लांट्स को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं। अक्सर लोग टेरेस गार्डन का सही तरह से ख्याल नहीं रख पाते हैं, जिससे पेस्ट से जुड़ी समस्या बढ़ने लगती है। इतना ही नहीं, टेरेस गार्डन में चूहों और पक्षियों को कंट्रोल करना काफी मुश्किल हो जाता है।

खाने के अलावा साफ-सफाई में भी काम आता है कॉर्नफ्लोर

दाग से छुटकारा

अगर कालीन पर स्याही के दाग लग गए हैं, तो एक बड़े चम्मच दूध में कॉर्नफ्लोर मिलाकर पेस्ट बनाएं और दाग पर लगाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। जब पेस्ट सूख जाए, तो उसे झाड़ दें और उस दाग वाले हिस्से पर वैक्यूम क्लीनर से एक बार साफ कर लें।

खिलौने खिल उठेंगे

अगर स्टफ्ड खिलौने गंदे हो गए हैं, तो उनकी धूल निकालने का काम भी कॉर्नफ्लोर बड़े आराम से कर सकता है। बड़ा खिलौना हो, तो पूरे खिलौने पर थोड़ा-थोड़ा कॉर्नफ्लोर छिड़क दें। पांच मिनट रुकें और फिर ब्रश से खिलौने के फर को झाड़ दें। सारी गंदगी निकल जाएगी और खिलौना चमक उठेगा।

छोटे खिलौनों की सफाई

अगर छोटे स्टफ्ड खिलौनों को साफ करना हो, तो खिलौनों को एक बैग में डालें, उसमें थोड़ा कॉर्नफ्लोर डालकर, बैग का मुंह बांध दें। फिर बैग को अच्छी तरह से हिलाएं। थोड़ी देर बाद बैग खोलकर, खिलौनों को ब्रश से साफ कर लें।

उलझे को सुलझाए

जूतों के फीते या रस्सियां कई बार बेतरह सख्ती से भिंच जाती हैं। इनकी गठानें खोलना मुमकिन है, कॉर्नफ्लोर की मदद से। उलझी हुई गांठों पर कॉर्नफ्लोर का पेस्ट लगा दीजिए, गठानें आसानी से खुल जाएंगी।

चिक्कट सफाचट

रसोई की दीवार पर तेल-घी के दागों के कारण सतह एकदम चिक्कट हो जाती है। इसे साफ करने में समय और साबुन दोनों बहुत लगते हैं। कॉर्नफ्लोर आसानी से इसमें मदद कर सकता है। एक नर्म कपड़े पर कॉर्नफ्लोर छिड़किए और दागों पर हल्के हाथ से तब तक रगड़िए जब तक कि वो साफ ना हो जाए। वैसे ज्यादा समय नहीं लगेगा।

हेलीकॉप्टर पेरेंट तो नहीं बन गए हैं कहीं आप

क्या आप जानते है कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या होती है? अगर नहीं तो अब जान लीजिए और खुद को भी परख लीजिए कि कही आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग तो नहीं बन गए हैं।

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग यानि कि ऐसे अभिभावक जो बच्चों के ऊपर हेलीकॉप्टर की तरह मंडराते रहते हैं। बच्चों पर अत्यधिक कंट्रोल रखते हैं, उन पर जरूरत से दा ध्यान देते हैं, उन्हें ओवर प्रोटेक्ट करते हैं, उनके लिए अत्यधिक पजेसिव होते हैं और अधिकांश समय बच्चों के साथ ही रहते हैं। यहां तक कि ऐसे अभिभावक बच्चों को उनका पर्सनल स्पेस भी देना भूल जाते है। आज के दौर में बच्चों को हर प्रकार से सही मार्गदर्शन देना जरूरी है, लेकिन हेलीकॉप्टर पेरेंट्स बच्चे के बेहद छोटे-छोटे कामों में भी हस्तक्षेप करते है और उनसे जुड़े छोटे-छोटे निर्णय भी खुद ही लेते हैं जैसे दोस्त चुनना, घूमने जाना, खेलना आदि। आइए, जानते हैं कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से बच्चे को क्या नुकसान हो सकते हैं -

- ऐसे अभिभावक बच्चों के जूते के फीते बांधने से लेकर उनके खाने की प्लेट उठाना, लंच पैक करके देना आदि छोटे-छोटे काम खुद ही कर देते हैं। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते।
- ऐसे अभिभावक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका नहीं देते, क्योंकि दूसरों के सामने वे खुद ही बच्चे का पक्ष रख देते है। इससे आगे जाकर बच्चा किसी के सामने खुद अपनी बात को सही तरीके से रखना नहीं सीख पाता और कई बार चुनौती और असफलता हैंडल नहीं कर पाता।
- ऐसे बच्चे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना नहीं सीख पाते क्योंकि हर बुरी बला से बचाने के लिए मातापिता हर वक्त आपके आस-पास ही मौजूद रहते हैं।
- ऐसे बच्चे अगर मातापिता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाते तो उनके डिप्रैशन में जाने की आशंका अधिक रहती है।
- ऐसे बच्चे सफल होने का श्रेय कभी स्वयं नहीं ले पाते क्योंकि सफलता उन्हें मातापिता की बदौलत मिलती है।

इनडोर प्लांट्स के लिए बेस्ट होते हैं ये फर्टिलाइजर

अपने हाउसप्लांट की बेहतर ग्रोथ के लिए फर्टिलाइजर का इस्तेमाल करना जरूरी होता है। ऐसे कई फर्टिलाइजर होते हैं, जिन्हें इनडोर प्लांट्स के लिए काफी अच्छा माना जाता है।

आज के समय में हम सभी अपने घर की खूबसूरती को कई गुना बढ़ाने के लिए प्लांट्स का इस्तेमाल करते हैं। यकीनन ये आपके घर को अधिक हरा-भरा और पॉजिटिव बनाते हैं। अमूमन जब भी हम अपने घर में प्लांट्स लगाते हैं तो हमारी इच्छा यही होती है कि हर दिन उनकी ग्रोथ हो। हालांकि, इसके लिए आपको उनकी सही तरह से देखभाल करनी होती है। इनडोर प्लांट्स को सही जगह पर रखने से लेकर उनकी पानी व फर्टिलाइजर का इस्तेमाल करना जरूरी होता है। हालांकि, इनडोर प्लांट्स की जरूरतें अलग होती हैं और इसलिए यह बेहद आवश्यक है कि आप अपने इनडोर प्लांट के लिए सही फर्टिलाइजर का चयन करें। ऐसे कई फर्टिलाइजर होते हैं जो इनडोर प्लांट के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं और वे उन्हें पोषित करने में मदद करते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही फर्टिलाइजर के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप अपने इनडोर प्लांट के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं-

आर्गेनिक फर्टिलाइजर

आर्गेनिक फर्टिलाइजर प्लांट में पोषक तत्व शामिल करते हैं और ये मिट्टी की संरचना में सुधार करते हैं। इन्हें नेचुरल रिसोर्स से बनाया जाता है। मसलन, आर्गेनिक फर्टिलाइजर बनाने के लिए खाद, कम्पोस्ट या अन्य कार्बनिक पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है। इन्हें सीधे मिट्टी में इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो कम्पोस्ट चाय बनाकर भी उसे प्लांट में डाल सकते हैं। यह फर्टिलाइजर एनवायरनमेंट फ्रेंडली माने जाते हैं।

लिक्विड फर्टिलाइजर

लिक्विड फर्टिलाइजर आमतौर पर लिक्विड होते हैं और इन्हें इस्तेमाल करने से पहले पानी के साथ डायलूट किया जाता है। इन्हें प्लांट रूट्स द्वारा जल्दी से अब्जॉर्ब किया जाता है। लिक्विड फर्टिलाइजरआर्गेनिक होते हैं और इन्हें आर्गेनिक मैटीरियल जैसे सीवीड्स, कंपोस्ट एक्सट्रैक्ट की मदद से बनाया जाता है। इन्हें मिक्स करना और प्लांट्स पर अप्लाई करना काफी आसान होता है।

वाटर सॉल्यूबल फर्टिलाइजर

वाटर सॉल्यूबल फर्टिलाइजर ऐसे फर्टिलाइजर होते हैं, जो पानी में आसानी से घुल जाते हैं। आप अपने रेग्युलर वाटर रूटीन में इसे शामिल कर सकते हैं। इसके लिए आप बस उन्हें पानी के साथ मिलाएं और अपने वाटरिंग सेशन में इस फर्टिलाइजर में शामिल करें। वाटर सॉल्यूबल फर्टिलाइजर में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, और पोटेशियम का बैलेंस अनुपात सही होता है। जहां नाइट्रोजन पत्तों की ग्रोथ में मददगार है, वहीं पोटेशियल ओवर ऑल प्लांट हेल्थ पर अच्छा असर छोड़ते हैं। वाटर सॉल्यूबल फर्टिलाइजर प्लांट द्वारा काफी जल्दी अब्जॉर्ब कर लिए जाते हैं।

स्लो रिलीज फर्टिलाइजर

स्लो रिलीज फर्टिलाइजर समय के साथ धीरे-धीरे पोषक तत्व रिलीज करते हैं। जिसके कारण आपको इन्हें बार-बार इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं होती है। इस तरह के फर्टिलाइजर को मिट्टी की सतह पर लगाया जाता है। अगर आप बहुत अधिक बिजी रहते हैं और अपने प्लांट की केयर के लिए पर्याप्त समय नहीं निकाल सकते हैं तो ऐसे में स्लो रिलीज फर्टिलाइजर का इस्तेमाल करना अच्छा रहता है।

संक्षिप्त समाचार

दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक

साहिबगंज, एजेंसी। साहिबगंज के जिरवाबाड़ी थाना परिसर में दुर्गा पूजा को लेकर रविवार को शांति समिति की बैठक हुई. अध्यक्षता सदर एसडीओ अंगार नाथ स्वर्णकार ने की. एसडीओ ने लोगों से दुर्गा पूजा सौहार्द के साथ मनाने की अपील की. शांति समिति के सदस्यों ने दुर्गा पूजा के आयोजन में आपसी सहयोग करने की बात कही. एसडीओ ने कहा कि पूजा के दौरान जिला प्रशासन अलर्ट मोड में रहेगा. सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से अफवाह फैलाने की कोशिश करने वालों या शांति भंग करने का प्रयास करने वालों से पुलिस सख्ती से निबटेगी. डीजे बजाने पर प्रतिबंधित रहेगा. चौक-चौराहों व संवेदनशील इलाकों में पुलिस बलों की तैनाती रहेगी.

सेल रांची यूनिट्स के 10 कर्मी केदारताल के लिए रवाना

रांची, एजेंसी। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की रांची यूनिट्स के 10 कर्मचारी रविवार को केदारताल पर्वतारोहण के लिए रवाना हुए. इस पर्वतारोहण अभियान की ऊंचाई लगभग 4,754 मीटर (15,598 फीट) है जो शारीरिक और मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण है. केदारताल ट्रैक अपनी चुनौतीपूर्ण पथरीली चढ़ाइयों और जंगली इलाके के लिए जाना जाता है. मौके पर सेल रांची यूनिट्स के मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एसजे जाचक ने ध्वजांकन किया और पर्वतारोहियों को उनकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी. उन्होंने कहा कि यह यात्रा साहस, प्रतिबद्धता और टीमवर्क का प्रतीक है और सेल के कर्मचारियों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बनेगी.

सुंदरनगर थाना में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक

जमशेदपुर, एजेंसी। सुंदरनगर थाना में रविवार को शांति समिति की बैठक हुई. जिसकी अध्यक्षता पुलिस निरीक्षक जादूगोड़ा सुरेश प्रसाद ने की. जहां मौके पर जिला भू अर्जन पदाधिकारी गुंजन कुमारी सिंन्हा, थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा समेत शांति व पूजा समिति के सदस्य मौजूद रहे. वरीय पदाधिकारियों ने सभी पूजा समितियों से पूजा के नियमों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया गया. सभी पंडालों में अग्निशमन की व्यवस्था, वॉलिंटियर की प्रतिनियुक्ति, रात 10 बजे के बाद माइक नहीं बजाने, दिन में केवल भक्ति गाने ही बजाने का दिशा निर्देश दिया गया. अधिकारियों ने कहा बाइकर्स गैंग पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी. पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरा लगाने के लिए भी कहा गया. साथ ही दुर्गा पूजा के दौरान सभी पंडालों में और विसर्जन के दौरान डीजे नहीं बजाने के लिए कहा गया.

टाटा कंपनी को देनी होगी डूंगरी के ग्रामीणों को बिजली-पानी व सुविधाएं - विधायक

धनबाद, एजेंसी। झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने डूंगरी मौजा के ग्राम थान, आदर्श उच्च विद्यालय, डुमरी जामाडोबा में रविवार को ग्रामीणों की पानी बिजली व अन्य समस्याओं के लेकर बैठक की. इस दौरान डूंगरी के ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से विधायक को अगत कराया. कहा - टाटा कंपनी ने खनन कार्य कर ग्रामीणों की जमीन बर्बाद कर दी है. ग्रामीण खेती नहीं कर पा रहे हैं. कंपनी फसल क्षतिपूर्ति के नाम पर खानापूर्ति करती है. विधायक इस पर पहल करे. विधायक पूर्णिमा सिंह ने कहा कि टाटा कंपनी को डूंगरी मौजा के रैयतों व ग्रामीणों को बिजली पानी अन्य मूलभूत सुविधाएं देनी होंगी. उन्होंने कहा कि टाटा प्रबंधन से वार्ता कर ग्रामीणों की समस्याओं का निदान कराया जायेगा. मौके पर भीम महतो, कुंदन महतो, जोहार महतो, दिनेश सिंह, अमित महतो, फेकन तुरी, अजय तुरी, दिलीप महतो, धनेश्वर महतो, उत्तम महतो, विशाल महतो, छोटेलाल महतो, संतोष महतो, कविता देवी, छवि देवी, आशा देवी, चंपा देवी, करुणा देवी, गीता देवी, रीता देवी, खुशबू देवी आदि थे. झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने रविवार को जामाडोबा कालीमेला स्थित बाबा सुदेश्वरनाथ शिव मंदिर में मत्था टेका. उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं से रूबरू हुईं.

झारखंड का समुचित विकास होने तक चैन से नहीं बैठेंगे: केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान

धनबाद, एजेंसी। लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान रविवार को जनाक्रोश रैली में शामिल होने धनबाद पहुंचे. कोयला नगर नेहरू स्पोर्टस कांपलेक्स में आयोजित रैली में चिराग ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव झारखंड का भविष्य तय करेगा. इसलिए इस बार ऐसी कोई गलती नहीं करनी है, जिससे आने वाले पांच साल तक पछताना पड़े. उन्होंने कहा कि यह संकल्प कर आया हूं कि जब तक झारखंड का समुचित विकास नहीं होगा, तब तक चैन से नहीं बैठेंगे. हेमंत सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि पांच साल से झारखंड में विकास रुक गया है. भ्रष्टाचार चरम पर है.

सीएम हेमंत सोरेन ने झारखंड की जनता को शर्मसार किया है. मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गए. इस बार एक-एक वोट सोच समझ कर देना है. इस चुनाव में ऐसी पार्टी के ऐसे विधायक को चुनना है जो विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य व युवाओं की चिंता करे. जात-पात, धर्म से ऊपर उठकर बेहतर झारखंड बनाना है. इसमें सभी का साथ चाहिए. आज बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार के लिए लोगों को दूसरे राज्य जाना

पड़ता है. अब झारखंड को ऐसा राज्य बनाना है जहां से किसी को बाहर न जाना पड़े.

आरक्षण और संविधान को कोई खतरा नहीं

विपक्ष पर निशाना साधते हुए चिराग पासवान ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कई तरह के झूठ फैलाये गए. कांग्रेस ने कहा कि अगर एनडीए सत्ता में आता है तो आरक्षण और संविधान समाप्त हो जाएगा. जब तक चिराग जिंदा है, तब तक आरक्षण और संविधान को कोई खतरा नहीं है. उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में उन्हें कई तरह से तोड़ने का प्रयास किया गया, लेकिन वह टिके रहे और बिहार में पांच में से पांच सीटों पर जीत दर्ज की. कहा कि उनका जन्म अविभाजित बिहार में हुआ था इसलिए झारखंड भी उनकी जन्मभूमि है. अब झारखंड का विकास करने आया हूं. अपने पिता स्व. रामविलास पासवान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने जनसेवा में अपनी जान कुर्बान कर दी. कोरोना के समय दूसरे प्रदेशों से पैदल आने वालों की सेवा को प्राथमिकता दी. इस कारण उनका निधन हो गया. अपने पिता के नक्शे कदम पर चल रहे हैं. लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र प्रधान ने कहा कि यदि विधानसभा चुनाव में एनडीए में लोजपा को सम्मानजनक सीटें मिलती हैं, तब तो गठबंधन के तहत चुनाव लड़ेंगे. अन्यथा लोजपा प्रदेश की 81 सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार है.

रैली की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दिलीप पासवान ने की जबकि मंच संचालन बेलाल खान ने किया. मौके पर झारखंड प्रभारी सह जमुई सांसद अरुण भारती, सह प्रभारी खगड़िया सांसद राजेश वर्मा, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र द्विवेदी, प्रमोद सिंह, आशा पासवान, ममता रंजन, मुंद्रिका पासवान, ज्ञानचंद गौतम आदि मौजूद थे.

बोकारो में भी हुआ जोरदार स्वागत

इससे पहले रांची से बोकारो पहुंचने पर नयामोड़ में चिराग पासवान का लोजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया. गाजा बाजा के साथ जेसीबी से फूलों की वर्षा कर उनका स्वागत किया गया. मौके पर जिला प्रभारी रामकुमार वर्मा, संजय श्रीवास्तव, अरविंद कुमार, राकेश कुमार, महानगर अध्यक्ष सुमन कुमार पासवान, निखिल प्रशांत, प्रेमचंद कुमार, सत्येंद्र यादव, प्रेम कुमार राय आदि उपस्थित थे.

फूड क्राफ्ट इंस्टिट्यूट में डीएमएफटी क्षेत्रों के 20 छात्रों के लिए कंप्रिहेंसिव कोर्स शुरू

देवघर, एजेंसी। फूड क्राफ्ट इंस्टिट्यूट में डीसी विशाल सागर ने शुक्रवार से शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए कंप्रिहेंसिव कोर्स का शुभारंभ किया. इस अवसर पर डीसी ने फूड क्राफ्ट इंस्टिट्यूट के बच्चों से मुलाकात की और उन्हें मिल रही सुविधाएं से अवगत हुए. बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी. डीसी ने कहा कि यह पहल केवल प्रशिक्षण नहीं है, यह भविष्य निर्माण एक कड़ी है. जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि युवाओं को प्रशिक्षित और शिक्षित कर रोजगार से जोड़ा जाये. प्रशिक्षण के साथ ही सफल ग्रेजुएट्स को प्लेसमेंट के लिए तैयार किया जायेगा. उन्हें शिक्षा से रोजगार की ओर सुगम रूपांतरण में मदद मिलेगी. यह समग्र दृष्टिकोण न केवल व्यक्तिगत आजीविका को बढ़ाने का लक्ष्य रखता है, बल्कि कुशल पेशेवरों को तैयार करके स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान देने का कार्य करेगा. इस क्रम में डीसी ने फूड क्राफ्ट इंस्टिट्यूट में होटल मैनेजमेंट से संबंधित चार पाठ्यक्रमों में फूड प्रोडक्शन, बेकरी एवं कन्फेक्शनरी, फूड एंड बेवरेजेज तथा हाउसकीपिंग कोर्स को लेकर सत्र में की गयी विभिन्न गतिविधियों व कार्यों की जानकारी ली. चयनित छात्रों को निःशुल्क शिक्षा, आवासन व भोजन दिया जायेगा

कोर्स में डीएमएफटी क्षेत्र के 20 चयनित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा, आवासन व भोजन की सुविधा दी जायेगी.

तुपकाडीह में 200 झारखंडी कलाकार-साहित्यकार हुए सम्मानित

बोकारो, एजेंसी। बोकारो जिले के तुपकाडीह स्थित श्रमिक हाई स्कूल मैदान में रविवार को झारखंडी कलाकार-साहित्यकार सम्मान समारोह का आयोजन हुआ. कार्यक्रम का आयोजन न अंबेडकर क्लब, पैंथर क्लब व जय हिंद कला मंच ने संयुक्त रूप से किया था. उदघाटन तीर्थनाथ आकाश व अन्य अतिथियों ने दीप जलाकर किया. खोरठा के प्रखर विद्वान व धरा-गगन सिद्धांत के प्रणेता दिवंगत डॉ एके झा समेत अन्य दिवंगत कलाकारों व साहित्यकारों की तस्वीर पर माल्यार्पणकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. राज्य के लगभग 200 कलाकारों व साहित्यकारों को शॉल, प्रशस्ति पत्र व पौधे देकर सम्मानित किया गया. तीर्थनाथ आकाश ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के निर्माण में खोरठा कलाकारों का भी अहम योगदान रहा है. गीतकार विनय तिवारी ने कहा कि खोरठा के सभी कलाकारों, साहित्यकारों को एक मंच पर आकर खोरठा के विकास के लिए गंभीर प्रयास करने की जरूरत है.कार्यक्रम का संचालन श्याम केवट 'चित्रकार' ने किया. सम्मानित होने वाले कलाकारों-साहित्यकारों में मनोज देहाती, गौतम कुमार महतो, कैलाश देहाती, अमन राठौर, कैलाश जैक्शन, सतीश दास, रॉबिन दास, राकेश दास, पायल राजवंशी, आनंद केरवार, धनुषधारी गोस्वामी, रमेश दास, आशा कुमारी, गुंजा कुमारी, दीपक दीवाना उर्फ ढुलकु, विनोद महतो रसलीन, प्रेमचंद कालिंदी, हबीब नाज, अशोक महतो, शिवानी जैक्सन, राजेश दीवाना, रवीना महतो, वर्षा ऋतु, हनी चंद्रवंशी, पिंकी सिंह, सीमा महतो, चांदनी महतो, मिथुन झारखंडी, मुकेश साव, उमेंद्र कुमार,निमाय महतो, मुकेश साव, विश्वनाथ गोस्वामी, विनय तिवारी, महेंद्रनाथ गोस्वामी 'सुधाकर', गिरिधारी गोस्वामी आकाशखूंटी, डॉ नागेश्वर महतो, दीपक सवाल, डॉ मुकुंद रविदास आदि शामिल हैं.

दुर्गा पूजा से पहले रांची में माहौल बिगाड़ने का प्रयास धार्मिक स्थलों के पास प्रतिबंधित मांस से हुआ बवाल

रांची, एजेंसी। राजधानी के विभिन्न इलाके में एक धार्मिक स्थलों के पास सहित तीन क्षेत्र में रविवार को प्रतिबंधित मांस का टुकड़ा मिलने की सूचना पर लोग आक्रोशित हो गये. घटना से आक्रोशित लोगों ने घंटों जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया. घटना की सूचना मिलने पर लोअर बाजार सहित अन्य थाना की पुलिस के अलावा ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल, जिला प्रशासन के अधिकारी, सिटी डीएसपी और कोतवाली डीएसपी सहित अन्य अधिकारी पहुंचे.

इस दौरान पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराने का प्रयास किया. लेकिन आक्रोशित लोग आरोपी को चिह्नित कर गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे. जब पुलिस के द्वारा 48 घंटे के अंदर आरोपियों की गिरफ्तार का आश्वासन दिया गया, तब जाकर लोग शांत हुए और आवागमन सामान्य हुआ. इसी बीच पुलिस ने नगर निगम की टीम को बुलाकर मांस के टुकड़ों को थड़पखना, चडरी सरना स्थल के समीप और मेन स्थित के धार्मिक स्थल के पास से हटवाया.

मिली जानकारी के अनुसार एचबी रोड थड़पखना स्थित एक धार्मिक स्थल के पास दिन के सवा ग्यारह बजे एक बोरे में प्रतिबंधित मांस फेंके जाने की सूचना मिलने पर स्थानीय लोग आक्रोशित हो गये. इस बात की जानकारी धीरे- धीरे अन्य लोगों को मिली, जिसके बाद

थड़पखना के पास बड़ी संख्या में लोग जुटने लगे. घटना से आक्रोशित लोग सड़क पर उतर आये और नारेबाजी करते हुए हंगामा शुरू कर दिया. सड़क पर बांस- बल्ली लगाकर लालपुर-अल्बर्ट एक्का चौक मार्ग को जाम कर आवागमन बाधित कर दिया.

इस दौरान घटना स्थल के दोनों ओर बड़ी संख्या में दो पहिया, चार पहिया और स्कूल बसें जाम में फंसी रही. घटना की सूचना मिलने पर रांची जिला दुर्गा पूजा समिति के मुख्य संरक्षक मुनचुन राय, श्री महावीर मंडल के पूर्व अध्यक्ष जय सिंह यादव, भैरव सिंह सहित अन्य लोग पहुंचे. आक्रोशितों से घटना की जानकारी लेने के बाद नेताओं ने भी इसका विरोध किया. जिसके बाद गुस्साये लोग सड़क पर बैठकर प्रदर्शन और नारेबाजी करने लगे. इसी बीच बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी वहां पहुंचे और आक्रोशितों से वार्ता कर उन्हें समझाने का प्रयास किया. जिसके बाद नेताओं के हस्तक्षेप और पुलिस के द्वारा गिरफ्तारी के आश्वासन पर दिन के दो बजे के बाद मामला शांत हुआ और आवागमन सामान्य हुआ.

घटना स्थल पर पहुंचे ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि थड़पखना के पास सड़क पर प्रतिबंधित मांस का टुकड़ा गिरने की सूचना मिलने के बाद इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरा को देखा गया. फुटेज में दिखा कि 11.02 बजे ट्रैक्टर से एक बोरे गिरा. जिसमें प्रतिबंधित मांस का टुकड़ा था.

कांग्रेस के चुनावी अभियान का आगाज गांधी जयंती के दिन से, हर गांव-टोला में संवाद यात्रा निकाली जायेगी

रांची, एजेंसी। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस गांधी जयंती के दिन यानी दो अक्टूबर से अपने औपचारिक चुनावी अभियान की शुरुआत करेगी. इसके लिए राज्य के नेताओं की चार टीम बनाई गई हैं, जो पहले चरण में उन क्षेत्रों में अभियान चलाएगी जहां पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार थे. इसके बाद सीट बंटवारे के बाद दूसरे चरण में गठबंधन उम्मीदवारों के लिए अभियान चलाया जाएगा. वहीं, विधानसभा स्तर पर हर गांव-टोला में संवाद यात्रा निकालेगी. 15 अक्टूबर से जिला स्तर के नेता पंचायत में अभियान चलाएंगे. इसके माध्यम से सरकार की उपलब्धियां को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा.

झारखंड में बांग्लादेशी को खोजनेवाले भाजपा के नेता 18 वर्षों तक राज करने के दौरान सो रहे थे : प्रदेश कांग्रेस कैंपेनिंग कमेटी के

चेयरमैन सुबोधकांत सहाय ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान ये जानकारी दी. उन्होंने कहा कि चुनाव में जाने के लिए हमारे पास सरकार के किए हुए कार्य पूंजी के रूप में हैं. हमारी नीतियों में भविष्य के विकास की झलक है. आज झारखंड में बांग्लादेशी को खोजनेवाले भाजपा के नेता 18 वर्षों तक राज करने के दौरान सो रहे थे. इन्हें चुनाव के समय ही ऐसे मुद्दे दिखते हैं. उन्होंने कहा कि हजारों करोड़ के घोटाले के आरोप में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर एफआईआर दर्ज हुआ है. उन्हें नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए.

घोषणा पत्र पर हेमंत से भी सलाह-मशवरा करेंगे : बंधु तिर्की : मेनीफेस्टो कमेटी के चेयरमैन बंधु तिर्की ने कहा की घोषणा पत्र तैयार करने के लिए पूरे प्रदेश में चौपाल लगाकर लोगों की राय ली जा रही है. इसमें यह व्यवस्था की जाएगी कि हर छह माह में मेनिफेस्टो के सोशल ऑडिट की व्यवस्था हो. नीतिगत,आर्थिक, सामाजिक सभी पहलुओं की समीक्षा कर घोषणा पत्र के बिंदु तैयार किए जाएंगे. जिलावार वहां के स्थानीय मुद्दे, राज्य स्तर के मुद्दे, जमीन के मुद्दे एवं अन्य विसंगतियों पर चर्चा की जाएगी. चार अक्टूबर तक प्रदेश कार्यालय में प्रतिवेदन समर्पित करेंगे, जिसे संकलित कर राष्ट्रीय नेतृत्व को समीक्षा हेतु भेजा जाएगा. वहां से अनुमति मिलते ही इसे घोषित किया जाएगा. घोषणा पत्र तैयार होने के बाद मुख्यमंत्री से मिलकर हम अपने और उनके घोषणा पत्र पर चर्चा कर इसे अमलीजामा पहनाएंगे. मौके पर प्रदीप कुमार बलमुचू, राकेश सिन्हा, सतीश पौल मुंजनी, सोनाल शांति, कमल ठाकुर, शांतनु मिश्रा आदि उपस्थित थे.

नेशनल लोक अदालत: 9 अरब 60 करोड की रिकॉर्ड रिकवरी

धनबाद, एजेंसी। नेशनल लोक अदालत का उद्घाटन शनिवार को धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा के चेयरमैन राम शर्मा ने किया। इस नेशनल लोक अदालत में रिकार्ड 9 अरब 60 करोड रूपए की रिकवरी की गई। मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा के चेयरमैन राम शर्मा ने कहा कि नेशनल लोक अदालत संविधान की परिकल्पना को पूरी करने के दिशा में एक कदम है, नवम्बर 2013 से पूरे देश में नेशनल लोक अदालत का आयोजन हर तीन माह मे किया जा रहा है।हमारा संविधान हर लोगों को सामाजीक, आर्थिक एवं सस्ता सुलभ न्याय की गारंटी देता है।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत आम आदमी के हित के लिये लगाये जाते हैं। बिना प्रशासनिक सहयोग के हम समाज तक न्याय नहीं पहुंचा सकते। लोक अदालत में महीनों कोर्ट का चक्कर लगाने और पैसे की बर्बादी से बचा जा सकता है। इससे लोगों को मानसिक शांति भी मिलती है। साथ ही प्रेम और सौहार्द आपस में फिर से बन जाता है। लोगों मे प्रेम, शाति, समृद्धि और समरसता बनी रहे यही इस लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य है।

अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राकेश रोशन ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से व्यापक पैमाने पर मुकदमों का निष्पादन किया जा रहा है। जिसमें समय की बचत के साथ-साथ वादकारियों को विभिन्न कानूनी पचड़ों से मुक्ति मिल रही है। शुरूआती चार घंटे में एक लाख सात हजार विवादों का निपटारा मुकदमो के निपटारे के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आदेश पर 12 बेंच का गठन किया गया है। जिनके द्वारा विभिन्न तरह के सुलहनीय विवादों का निपटारा किया गया।

इलाज के दौरान कोलकर्मी की मौत, नियोजन के लिए प्रदर्शन

धनबाद, एजेंसी। धनबाद की बोर्रागढ़ कोलियरी में कार्यरत विजय उरांव की मौत शुक्रवार की रात दुर्गापुर के अस्पताल में हो गयी. नियोजन को लेकर शव रख कर्मियों ने कोलियरी में प्रदर्शन किया.

बीसीसीएल पीबी एरिया अंतर्गत बोर्रागढ़ कोलियरी में जनरल मजदूर के पद पर कार्यरत विजय उरांव की इलाज के दौरान दुर्गापुर के एक अस्पताल में शुक्रवार की रात मौत हो गयी. शनिवार को मजदूरों ने जनता श्रमिक संघ के बैनर तले ने कोलियरी कार्यालय के समीप मृतक का शव रख उनके आश्रित को नियोजन व मुआवजा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया. आंदोलन का नेतृत्व संघ के अमर सिंह कर रहे थे.बताया जाता है कि 18 सितंबर को ड्यूटी के दौरान शाम चार बजे विजय उरांव की तबीयत बिगड़ गयी थी. उस समय कर्मियों ने बायोमेट्रिक हाजिरी से आउटकर उन्हें घर भेज दिया था. घर पहुंचने के बाद स्थिति और खराब हो गयी. परिजनों ने उसे केंद्रीय अस्पताल धनबाद में भर्ती कराया. हालत गंभीर देख केंद्रीय अस्पताल से दुर्गापुर रेफर कर दिया. वहां इलाज के क्रम में शुक्रवार की रात उसकी मौत हो गयी.

झारखंड की सभी 81 सीटों पर चुनाव लड़ेगा अटल विचार मंच

जमशेदपुर, एजेंसी। पूर्व विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने कहा कि अटल विचार मंच झारखंड विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी उतारेगा। चुनाव आयोग से मंच को मान्यता नहीं मिली है। इसमें लंबी प्रक्रिया है। प्रयास है कि सभी 81 सीटों पर प्रत्याशी उतारें। विस चुनाव में उनका मुद्दा झारखंड का समुचित विकास, राजनीति में ईमानदारी, नैतिकता और अटल जी के रास्ते पर चलना है। झारखंड में ईमानदारी व नैतिकता की कमी है।

अटल विचार मंच किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगा। अपने बलबूते चुनावी समर में उतरेगा। वे रविवार को सर्किट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश और झारखंड की राजनीति में मुफ्त में देने का प्रचलन चला है,

जिसके वे खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि अटल विचार मंच का गठन 14 दिन पहले हुआ है। उनके पास समय कम है।

यशवंत सिन्हा ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ इलेक्टोरल बॉन्ड मामले में केस दर्ज किया गया है। यदि मामले की निष्पक्ष जांच हुई तो कौन-कौन इलेक्टोरल बॉन्ड में फंसेंगे, इसकी कल्पना नहीं कर सकते हैं। देश में भ्रष्टाचार की जांच नहीं हो रही है।

किसी के साथ गठबंधन नहीं: अटल विचार मंच किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगा। अपने बलबूते चुनावी समर में उतरेगा। उन्होंने कहा कि देश और झारखंड की राजनीति में मुफ्त में देने का प्रचलन चला है, जिसके वे खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि अटल विचार मंच का गठन 14 दिन पहले हुआ है। उनके पास समय कम है।

इलेक्ट्राल बांड में कई लोग फंसेंगे: यशवंत सिन्हा ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ इलेक्टोरल बॉन्ड मामले में केस दर्ज किया गया है। यदि मामले की निष्पक्ष जांच हुई तो कौन-कौन इलेक्टोरल बॉन्ड में फंसेंगे, इसकी कल्पना नहीं कर सकते हैं। देश में भ्रष्टाचार की जांच नहीं हो रही है।

झारखंड में मानसून कमजोर, एक-दो दिन होगी विदाई

रांची, एजेंसी। झारखंड में मानसून अब पूरी तरह से कमजोर पड़ गया है। अगले एक से दो दिन में विदाई हो जाएगी। इस बीच प्रदेश में तेज धूप की वजह से उमस भरी गर्मी बढ़ गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज किसी भी जिले में बारिश की संभावना नहीं है। झारखंड में ये स्थिति अगले दो दिन तक रहेगी।हालांकि, दुर्गा पूजा के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना है। इस दौरान 30 से 40 किमी की रफ्तार से ठंडी हवा भी चल सकती है। मौसम विभाग की माने को इस बार झारखंड में ला-नीना का असर देखने को मिलेगा। ऐसे में इस साल कड़ाके की ठंड पड़ सकती है।

झारखंड में साइक्लोनिक सर्कुलेशन के खत्म होते ही तेज धूप निकलने लगी है। सुबह 10 बजे ही प्रदेश का तापमान 30 डिग्री से ऊपर जा रहा है।

270 प्रीमियम पर भाव, 124 प्रतिशत मुनाफे के संकेत

नईदिल्ली, एजेंसी। केआरएन हीट एक्सचेंजर एंड रेफ्रिजरेशन के आईपीओ शेयरों के अलॉटमेंट को आज सोमवार 30 सितंबर को फाइनल रूप दिए जाने की उम्मीद है। कंपनी का यह आईपीओ निवेश के लिए 25 सितंबर को खुला था और 27 सितंबर को बंद हुआ। बता दें कि तीन दिन में इस इश्यू को ओवरसब्सक्राइब किया गया। यानी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। कंपनी के आईपीओ को बिक्री के आखिरी दिन तक 213.26 गुना सब्सक्राइब किया गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, शुरुआती शेयर बिक्री में 1,09,93,000 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 2,34,43,38,230 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। इसका प्राइस बैंड 220 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। इधर, ग्रे मार्केट इस शेयर की तगड़ी डिमांड देखी जा रही है। आज सोमवार को ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 270 रुपये प्रीमियम पर है। यानी आईपीओ प्राइस 220 से करीबन 123 प्रतिशत अधिक है। केआरएन हीट एक्सचेंजर ने आईपीओ में 209-220 रुपये के प्राइस बैंड के साथ 15.54 मिलियन नए शेयर पेश किए थे। कंपनी की योजना केआरएन हीट एक्सचेंजर के आईपीओ में 1,55,43,000 इक्विटी शेयरों का नया इश्यू शामिल है। लगभग 242.5 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग राजस्थान के अलवर के नीमराणा में एक नई विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी केआरएन एचवीएसी प्रोडक्ट्स में निवेश के लिए किया जाएगा। आय का एक हिस्सा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए भी इस्तेमाल किया जाएगा।

लिस्टिंग पर किया था मालामाल, अब शेयर बेच निकल रहे निवेशक

नईदिल्ली, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयरों में आज सोमवार को भारी गिरावट देखी गई है। कंपनी के शेयर आज कारोबार के दौरान 4 प्रतिशत से अधिक गिरकर 100 रुपये के नीचे आ गए थे। बता दें कि लिस्टिंग के बाद पहली बार यह शेयर 100 रुपये के नीचे आया है। साथ ही अपने ऑल टाइम हाई प्राइस 157.53 रुपये जिसे कंपनी ने 20 अगस्त 2024 को छुआ था, तब से अब तक यह शेयर 38 प्रतिशत गिर गया है। पिछले महीने इसमें 16 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। एनएसई पर इंट्रा डे में ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर 98.80 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। बता दें कि ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का आईपीओ अगस्त महीने में 76 के भाव पर आया था। कंपनी के शेयर प्राइस लिस्टिंग के हफ्ते भर में ही डबल हो गए थे।

क्या है डिटेल

टियर-2 और टियर-3 शहरों में ईवी पहुंच को बढ़ावा देने के लिए, कंपनी ने हाल ही में अपना नेटवर्क पार्टनर प्रोग्राम लॉन्च किया है। ओला इलेक्ट्रिक ने पूरे भारत में अपनी बिक्री उपस्थिति का विस्तार करने के लिए पहले ही 625 पार्टनर्स को अपने साथ जोड़ लिया है। कंपनी की आगामी त्योहारी सीजन से पहले 1,000 पार्टनर्स तक पहुंचने की योजना है। हाल के एक नोट में ब्रोकरेज फर्म एचएसबीसी ने बताया कि उसने कई ओला सर्विस स्टेशनों का दौरा किया। एचएसबीसी ने कहा कि सर्विस कैपासिटी में सुधार एक महत्वपूर्ण सेक्टर है जिस पर ओला इलेक्ट्रिक को अपनी मोटरसाइकिलों के लॉन्च से पहले ध्यान देना चाहिए, जिनका 15 अगस्त को लॉन्च किया गया था। अगस्त में ओला इलेक्ट्रिक की बिक्री 34 प्रतिशत घट गई। सितंबर का मासिक ऑटो डेटा कल जारी होने वाला है। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का अप्रैल-जून तिमाही में एकीकृत घाटा सालाना आधार पर बढ़कर 347 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी को इससे पिछले साल की अप्रैल-जून तिमाही में 267 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के मुताबिक, समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 1,644 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले साल समान तिमाही में यह 1,243 करोड़ रुपये थी।

निवेश-बचत: सही समय पर संपत्तियों की वसीयत जरूर बनाएं; नॉमिनी से ही सब कुछ तय नहीं हो जाता

नईदिल्ली, एजेंसी। एक दशक पहले सरकारी सेवाओं से वरिष्ठ पदों पर सेवानिवृत्त हुए पति-पत्नी की कोई संतान नहीं थी। उन्होंने सेवानिवृत्त होने के बाद कुछ दोस्तों और समान आयु वर्ग के लोगों के साथ रहने के लिए सेवानिवृत्ति समुदाय में जाने का फैसला किया था। उनके पास काफी संपत्ति थी। वे आध्यात्मिक भी थे और एक ऐसे समूह का हिस्सा थे जो उन दान कार्यों में लगे थे जो उन्हें पसंद थे। उस व्यक्ति ने अपने जीवनकाल के बाद अपनी सारी संपत्ति उस संगठन के लिए छोड़ने का मन बना लिया था जिस पर वे विश्वास करते थे।

हर बुजुर्ग की तरह, जब उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगीं, तो वे कुछ भतीजों और एक भतीजी के नियमित संपर्क में थे। भतीजे और भतीजियों ने भी अपने चाचा और चाची का ख्याल रखना शुरू कर दिया। चाचा की यह इच्छा थी कि उनके नहीं रहने के बाद कुछ रकम पोते और पोतियों व भतीजियों को मिल जाए। उनको एक सुझाव दिया गया कि वे एक वसीयत का मसौदा तैयार करें जिसमें स्पष्ट रूप से बताया जाए कि वे क्या चाहते हैं। हर छोटी बात का विवरण दिया जाए। हालांकि, दोनों बुजुर्ग इस बात को लेकर स्पष्ट थे कि वे अपनी संपत्ति का क्या करना चाहते हैं, लेकिन वे कागज पर लिखने में सहज नहीं थे।

नॉमिनी से ही सब कुछ तय नहीं हो जाता

उन्होंने कुछ भतीजों को कुछ म्यूचुअल फंड निवेशों के लिए नॉमिनी बनाया। बाकी रकम के लिए चैरिटी का नाम लिख दिया। उनका दिल्ली और हैदराबाद में घर था, जिनके किराये से खर्चा चल रहा था। कोविड के दौरान, चाचा का निधन हो गया। चूंकि उनकी सारी संपत्ति पत्नी के पास संयुक्त रूप से थी, इसलिए यह सब उनके नाम हो गई। वह भी वसीयत बनाने को तैयार नहीं थीं। वह भी कुछ संपत्ति उन्हीं तीन लोगों को देना चाहती थी। इनमें दो भतीजे और भतीजी थी जिनके बारे में वे इतने सालों से बात कर रहे थे। चाची ने हाथ से लिखा हुआ एक पत्र छोड़ रखा था। वह चाहती थीं कि उनकी वित्तीय संपत्ति तीन लोगों को समान रूप से वितरित की जाए। संपत्ति का चौथा हिस्सा दान में दिया जाए। घर भी दान में दिए जाएं। पिछले साल उनकी मृत्यु के बाद यह दस्तावेज उनके एक मित्र ने इसे पेश किया था। लेकिन, अब तक घर के 10 दावेदार हो गए। इनमें उनके कई भतीजे और भतीजी के साथ अन्य लोग थे।

बचत और निवेश को समेकित करें

मकानों का रखरखाव करना कठिन है। उनसे किराये पर निर्भर रहना असुरक्षित है। बचत और निवेश को समेकित करें और कुछ बैंक खाते रखें। स्वास्थ्य देखभाल और करीबी लोगों के समर्थन के संबंध में अपनी पसंद बनाएं। जहां भी संभव हो उसका दस्तावेजीकरण करें। महत्वपूर्ण यह कि एक वसीयत तैयार करें।

सही समय पर लें सही फैसला

एक बार जब आप 60 साल के या सेवानिवृत्त हो जाएं, तो अपनी अचल संपत्ति में हिस्सेदारी कम कर दें। महत्वपूर्ण बात यह है वसीयत तब बनाएं, जब आप शारीरिक और मानसिक रूप से निर्णय लेने और चीजों को अपने प्रियजनों या उन संगठनों को सौंपने में सक्षम हों जिन्हें आप सौंपना चाहते हैं। अपने निधन के बाद अपने प्रियजनों को दुखी न छोड़ें, क्योंकि आपने जीवित रहते हुए यह स्पष्ट रूप से तय नहीं किया है कि अपनी संपत्ति का क्या करना है। सेवानिवृत्त होने के बाद कम अव्यवस्थित वित्तीय जीवन जीने की मानसिकता बनाएं। म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स को कम करें। स्टॉक होल्डिंग्स को भी सीमित करें।

कोर्ट-कचहरी के साथ होती है परेशानी

मामला अब अदालत में है। यह अधिकांश बुजुर्ग लोगों का मामला है जिनके पास स्पष्ट निर्देश नहीं है कि वे अपनी संपत्ति का क्या करना चाहते हैं। ऐसे में सभी बुजुर्ग जीवन के अंतिम पड़ाव के लिए योजना बनाएं। उनके पास कम से कम वित्तीय परिसंपत्तियां हों, जिन्हें प्रबंधित करना और संभालना आसान हो। जैसे ही आप 50 वर्ष के हो जाएं, सोचें कि जब सेवानिवृत्त होंगे तो आप और आपका जीवनसाथी क्या करना पसंद करेंगे। आप एक अच्छी सेवानिवृत्ति के हकदार हैं। यह सुनिश्चित करना सही होगा कि आपके पास आराम से रहने के लिए पैसा हो।

भारतपे से अशनीर ग्रोवर का पूरी तरह पत्ता साफ!

नईदिल्ली, एजेंसी। डिजिटल पेमेंट कंपनी भारतपे और उसके कोफाउंडर रहे अशनीर ग्रोवर के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद खत्म हो गया है। मीडिया खबरों के मुताबिक दोनों पक्षों ने इसके लिए एक समझौता किया है। इसके मुताबिक अशनीर ग्रोवर पूरी तरह कंपनी से बाहर हो जाएंगे। वह कंपनी से किसी भी रूप में नहीं जुड़े रहेंगे और शेयरहोल्डिंग का भी हिस्सा नहीं होंगे। भारतपे के एक प्रवक्ता ने कहा कि अशनीर ग्रोवर के कुछ शेयर को ट्रांसफर कर दिए जाएंगे और बाकी शेयर उनका फैमिली ट्रस्ट ट्रांसफर करेगा। दोनों पक्षों ने एकदूसरे के खिलाफ दायर मामलों को आगे नहीं बढ़ाने पर सहमति जताई है। फिनटेक कंपनी ने अशनीर ग्रोवर और उनके परिवार पर 88.67 करोड़ रुपये के गबन का आरोप लगाया था।

अशनीर ग्रोवर ने एक बयान में कहा कि उन्होंने भारतपे के साथ मामले को निपटाने के लिए एक समझौता किया है। उन्होंने कहा, मुझे कंपनी के मैनेजमेंट और बोर्ड पर पूरा भरोसा है। वे कंपनी को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए अच्छा काम कर रहे हैं। मैं कपंनी की ग्रोथ और सफलता चाहता हूं। मैं अब किसी भी क्षमता में भारतपे से जुड़ा नहीं रहूंगा, न ही शेयरहोल्डिंग का हिस्सा रहूंगा। मेरे शेष शेयरों का प्रबंधन मेरे पारिवारिक ट्रस्ट द्वारा किया जाएगा। दोनों पक्षों ने

दायर मामलों को आगे न बढ़ाने का फैसला किया है। मुझे उम्मीद है कि भारतपे अपने सभी हितधारकों के लाभ के लिए आगे बढ़ता रहेगा और सफल होता रहेगा।

विवाद की शुरुआत

भारतपे और ग्रोवर के बीच विवाद की शुरुआत जनवरी 2022 में शुरू हुई थी। तब एक ऑडियो क्लिप सामने आया था जिसमें कथित रूप से ग्रोवर और कोटक बैंक के एक कर्मचारी की आवाज थी। इसमें ग्रोवर बैंक कर्मचारी को कथित रूप से धमका रहे थे। इसके बाद ग्रोवर मार्च के मध्य तक वॉलंटरी लीव पर चले गए थे। कंपनी के बोर्ड ने इंडिपेंडेंट ऑडिट की घोषणा की। फरवरी में शुरुआती जांच में पाया गया कि ग्रोवर की पत्नी माधुरी जैन का संबंध गबन से था। कंपनी ने माधुरी जैन को बर्खास्त कर दिया। मार्च में ग्रोवर ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया। उसी साल दिसंबर में कंपनी ने दिल्ली उच्च न्यायालय में ग्रोवर और उनके परिवार के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया।

उसी महीने भारतपे ने ग्रोवर के खिलाफ दिल्ली पुलिस की EOW में एक आपराधिक शिकायत भी दर्ज की थी। इस बीच भारतपे ने ग्रोवर की रेस्टिक्टेड शेयरहोल्डिंग को वापस लेने के लिए एसआईएसी का रुख किया। पिछले साल जनवरी में ग्रोवर की शेयरहोल्डिंग्स को हासिल करने के लिए कंपनी के कोफाउंडर भाविक कोडालिया ने मुकदमा किया। फरवरी में अशनीर ने एनपीसीआई को पत्र लिखकर कोलाडिया पर डेटा चोरी का आरोप लगाया। मार्च में कंपनी के एक और सह-संस्थापक शाश्वत नकरानी ने अनपेड शेयरों के लिए ग्रोवर को कोर्ट में घसीटा। पिछले साल मई में EOW ने भारतपे की शिकायत पर ग्रोवर और उनके परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। नवंबर में EOW ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कंपनी के फंड का गबन करने के लिए एचआर कंसल्टेंसीज बनाई गई थीं। ग्रोवर और उनकी पत्नी के देश से बाहर जाने पर रोक लगाई गई। भारतपे और ग्रोवर के बीच चल रहे विवाद के बीच कई सीनियर अधिकारियों ने कंपनी को अलविदा कह दिया। पिछले साल जनवरी में कंपनी के सीईओ सुहैल समीर ने पद छोड़ दिया। सीएफओ नलिन नेगी अंतरिम सीईओ बन गए।

2035 तक इलेक्ट्रिक वाहनों में खर्च होगा कुल बिजली उत्पादन का 6 से 9 फीसदी हिस्सा, रिपोर्ट में दावा

नईदिल्ली, एजेंसी। निवेश प्रबंधन फर्म आईकेआइजीएआई एसेट मैनेजर होल्डिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) 2035 तक देश की बिजली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खपत करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2035 तक भारत की कुल बिजली खपत में ईवी का हिस्सा 6 से 8.7 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। यह ईवी के बढ़ते उपयोग और पावर ग्रिड पर उनके प्रभाव को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत में ईवी यानी इलेक्ट्रिक वाहन 2035 तक लगभग 6 से 8.7 प्रतिशत बिजली की खपत करेंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वैश्विक स्तर पर ईवी को अपनाने में इजाफा देखा जा रहा है। 2023 में, ईवी दुनिया भर में सभी प्रकार की कार बिक्री का 18 प्रतिशत हिस्सा बन गया। इसमें चीन की हिस्सेदारी आधे से अधिक थी। ईवी के उपयोग में इस तीव्र वृद्धि का वैश्विक बिजली खपत पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि ईवी की बढ़ती पहुंच के साथ, वैश्विक बिजली खपत में उनकी हिस्सेदारी 2023 में 0.5 प्रतिशत से बढ़कर 2035 तक 8.1 प्रतिशत और 9.8 प्रतिशत के बीच हो जाएगी। ईवी के

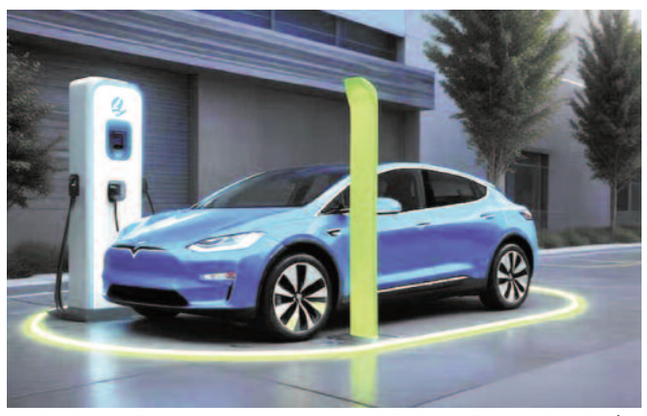

उपयोग में यह वृद्धि इस बात का संदेश देती है कि भारत जैसे देशों को अपनी बढ़ती बिजली की मांग पूरी के लिए अपनेबुनियादी ढांचे को तैयार करने की जरूरत है।

जैसे-जैसे अधिक लोग इलेक्ट्रिक वाहन अपनाते हैं, बिजली क्षेत्र को नई बिजली की जरूरतों को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए क्षमता का विस्तार करने की आवश्यकता होगी।

रिपोर्ट भारत के लिए एक और महत्वपूर्ण मुद्दे पर भी प्रकाश डालती है- वह कूलिंग डिवाइस, विशेष रूप से एयर कंडीशनर (एसी) की बढ़ती मांग। देश भर में अत्यधिक तापमान के लगातार बढ़ने के साथ, कूलिंग समाधानों की मांग में तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया है, भारत में अत्यधिक तापमान अधिक कूलिंग डिवाइस की आवश्यकता को बढ़ा रहा है। आंकड़ों के अनुसार, अगले दशक में भारत में घरेलू उपकरणों, विशेष रूप से एसी की पहुंच में तेज वृद्धि देखने को मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अत्यधिक गर्मी में वृद्धि के कारण 2030 तक भारत में एसी की मांग दोगुनी होने का अनुमान है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता जा रहा है, अधिकाधिक घरों में शीतलन उपकरणों में निवेश किए जाने की संभावना है, जिससे देश में कुल बिजली खपत में वृद्धि होगी।

एफआईआई इस साल अब तक एक लाख करोड़ के पार

दुनिया में तनाव और ब्याज दरें घटने से भारत बना पसंदीदा बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार और आईपीओ की तेजी के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों यानी एफआईआई ने इस साल जनवरी से लेकर अब तक भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध रूप से 1,00,245 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस महीने अभी सोमवार का दिन बाकी है, फिर भी 57,359 करोड़ रुपये का अब तक निवेश किया है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में इन निवेशकों ने 7,322 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। जुलाई में 32,359 करोड़ रुपये का निवेश किया था। जून में 26,565 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। अप्रैल और मई में इन निवेशकों ने 34,000 करोड़ रुपये से ज्यादा

की निकासी की थी। अप्रैल और मई में निकासी की मुख्य वजह आम चुनाव थे। चुनाव में यह माना जा रहा था कि वर्तमान सरकार तीसरी बार सत्ता में आने से चूक सकती है। इससे एफआईआई पैसे निकालकर दूसरे देशों के बाजारों में लगा रहे थे। फरवरी व मार्च में 37,000 करोड़ रुपये निवेश किया था। जनवरी में 25,744 करोड़ रुपये की निकासी की गई थी।

इसलिए बढ़ रहा निवेश

विश्लेषकों का मानना है कि दुनियाभर में ब्याज दरों में कटौती की शुरुआत होने से अब फिक्स्ड डिपॉजिट सहित अन्य फिक्स्ड इनकम पर भी रिटर्न कम मिलने की उम्मीद है। साथ ही, भारतीय बाजार अन्य उभरते बाजारों की तुलना में लगातार बेहतर रिटर्न दे रहा है।

ऐसे में विदेशी निवेशकों के लिए भारत एक आकर्षक स्थान के रूप में बना हुआ है।

आने वाले समय में और रकम आने की उम्मीद जिस तरह से भारतीय बाजार में लगातार अच्छा रिटर्न मिल रहा है, उससे यह उम्मीद है कि विदेशी निवेशक आगे भी बाजार में निवेश का रुझान जारी रख सकते हैं।

आईफोन के दम पर भारत से स्मार्टफोन निर्यात में जबरदस्त उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत से स्मार्टफोन के निर्यात में ऐपल आईफोन के चलते जबरदस्त तेजी देखी गई है। जून 2025 तक की पिछली तीन तिमाहियों में स्मार्टफोन, खासकर ऐपल आईफोन, भारत से अमेरिका को निर्यात किया गया प्रमुख उत्पाद बन गया। इस दौरान स्मार्टफोन का निर्यात 2 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो गैर-औद्योगिक हीरे के 1.44 अरब डॉलर के निर्यात को पीछे छोड़ चुका है। स्मार्टफोन के कुल निर्यात में आईफोन का योगदान सर्वाधिक रहा। स्मार्टफोन पहली बार शीर्ष स्थान पर वित्त वर्ष 2024 की दिसंबर तिमाही में पहुंचा, जब 1.42 अरब डॉलर का निर्यात हुआ। वित्त वर्ष 2024 की दिसंबर तिमाही में हीरे का निर्यात 1.3 अरब डॉलर रहा था। भारत से अमेरिका को निर्यात हुई वस्तुओं की सूची में स्मार्टफोन तेजी से शीर्ष पायदान पर पहुंचा है क्योंकि 2024 की सितंबर तिमाही में वह चौथे पायदान पर रहा था। यह तेजी भारत की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना की सफलता को भी दर्शाती है। वित्त वर्ष 2020 में आईफोन का निर्यात शुरू होने से पहले भारत से स्मार्टफोन का निर्यात केवल 1.6 अरब डॉलर था।

मनबा ने कर दिया मालामाल, एक ही दिन में दिया जबरदस्त रिटर्न

नईदिल्ली, एजेंसी। मनबा फाइनेंस के आईपीओ की सोमवार को धमाकेदार लिस्टिंग हुई। यह बीएसई पर 25 फीसदी प्रीमियम के साथ 150 रुपये पर लिस्ट हुआ। वहीं एनएसई पर करीब 21 फीसदी प्रीमियम के साथ 145 रुपये पर लिस्ट हुआ। आईपीओ में शेयर की कीमत 120 रुपये थी। ऐसे में इसने निवेशकों को एक ही दिन में शानदार रिटर्न दे दिया। पिछले कुछ समय से कई आईपीओ ने लिस्टिंग पर ही निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। इनमें अब मनबा फाइनेंस का आईपीओ भी शामिल हो गया है।

इस आईपीओ को ग्रे मार्केट में भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। आईपीओ खुलने पर इसका जीएमपी 64 रुपये था। यानी इसके 50 फीसदी से ज्यादा प्रीमियम पर लिस्ट होने की उम्मीद थी। हालांकि इसके बाद इसका जीएमपी गिरता गया। जिस दिन आईपीओ की बोली बंद हुई, यह 50 फीसदी से नीचे आ गया। आज यानी सोमवार को लिस्टिंग से पहले इसका जीएमपी 27.50 फीसदी था।

200 फीसदी से ज्यादा हुआ था सब्सक्राइब

निवेशकों में इस आईपीओ को लेकर जबरदस्त उत्साह नजर आया था। इस आईपीओ को निवेशकों ने हाथोंहाथ लिया था। यह निवेश के लिए 23 सितंबर को खुला था। बोली लगाने का अखिरी दिन 25 सितंबर था। आखिरी दिन तक इसे 224.05 गुना से ज्यादा सब्सक्रिप्शन मिला था।

इस आईपीओ में सभी तरह के निवेशकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, 114-120 रुपये के प्राइस बैंड पर कंपनी ने 87,99,000 इक्विटी शेयर जारी किए थे। इसके मुकाबले में 1,97,14,04,875 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। मतलब आईपीओ को कुल 224 गुना ज्यादा सब्सक्रिप्शन मिला। यह एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी है। इस कंपनी की स्थापना 1998 में हुई थी। मनबा फाइनेंस लिमिटेड मुख्य रूप से वाहनों के लिए लोन देती है। इनमें टू व्हीलर, थ्री व्हीलर, इलेक्ट्रिक टू व्हीलर, इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर, पुरानी कार, छोटे बिजनेस आदि शामिल हैं। साथ ही कंपनी पर्सनल लोन भी देती है।

इस फेस्टिव सीजन में प्रीमियम प्रॉडक्ट्स की ज्यादा डिमांड

एआई वॉशिंग मशीन और स्मार्ट एसी की भारी मांग दिख रही है

अच्छे मॉनसून से भी ग्रामीण आय में सुधार होने की उम्मीद है

नईदिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन शुरू होने के साथ ही फेस्टिव सेल की शुरुआत हो चुकी है। इस बार एआई एनेबल्ड वाशिंग मशीन और स्मार्ट एसी जैसे प्रीमियम प्रॉडक्ट्स की भारी मांग दिख रही है। कई ब्रांड महंगाई के असर को कम करने और ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को खरीदारी के लिए आकर्षित करने के लिए कई तरह के ऑफर और लचीली पेमेंट स्कीम शुरू कर रहे हैं। इसकी वजह यह है कि आम लोगों की मांग में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। साथ ही अच्छे मॉनसून से भी ग्रामीण आय में आंशिक रूप से सुधार होने की उम्मीद है।

गोदरेज अप्लायंसेज के बिजनेस हेड और एग्जीक्यूटिव वीपी कमल नंदी ने टीओआई को बताया कि इस साल प्रीमियम सेगमेंट ने सभी श्रेणियों में मजबूत वृद्धि के साथ शानदार प्रदर्शन किया है। अब तक मास मार्केट स्थिर रहा है। उन्होंने कहा कि दिवाली तक चलने वाले त्योहारी सीजन के दौरान मास मार्केट में तेजी आनी चाहिए। अच्छे मॉनसून से खेती में बेहतर रिटर्न मिलता है

और इससे मास मार्केट में डिमांड बढ़ती है। हमें उम्मीद है कि इसमें आगे चलकर और तेजी आएगी।

किस्तों में भुगतान

उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि प्रीमियम उत्पादों पर ब्रांड्स ग्राहकों को कई तरह के ऑफर और किस्तों में भुगतान की सुविधा दे रहे हैं। साथ ही महानगरों में लोग अपने प्रॉडक्ट को अपग्रेड करना चाहते हैं। यही वजह है कि प्रीमियम प्रॉडक्ट्स की मांग बढ़ रही है। विजय सेल्स के डायरेक्टर नीलेश गुप्ता ने कहा, हमें उम्मीद है कि पिछले साल की तुलना में मूल्य बिक्री में वृद्धि होगी। प्रीमियम उत्पादों की मांग पिछले साल की तुलना में अधिक बढ़ेगी।

हायर अप्लायंसेज इंडिया को उम्मीद है कि इस बार त्योहारी सीजन 35 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ समाप्त होगा। इसके प्रेजिडेंट अध्यक्ष एन एस सतीश ने कहा कि ओणम के साथ सीजन की शुरुआत के बाद से एलईडी टीवी और वॉशिंग मशीन की बिक्री अनुमानों से अधिक हो गई है। प्रीमियम उत्पादों के लिए उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग के बीच ब्रांड को दिवाली में अच्छी बिक्री की उम्मीद है। बाटा के लिए प्रीमियम एथलीजर और फैशन फुटवियर की मांग टियर-2 और -3 शहरों से भी आ रही है।

महंगाई काबू में

बाटा इंडिया के मुख्य रणनीति और व्यवसाय विकास अधिकारी बद्री बेरीवाल ने कहा कि उपभोक्ता ऐसे उत्पादों को चुन रहे हैं जो बेहतर मूल्य प्रस्ताव देते हैं, भले ही इसका मतलब अधिक कीमत हो। पिछली कुछ तिमाहियों में उपभोक्ता खर्च में कुछ नरमी देखी गई, लेकिन अब कई व्यापक आर्थिक संकेतक अनुकूल रूप से सरेखित हो रहे हैं। अच्छे मॉनसून के साथ महंगाई के नियंत्रण में आने से उपभोक्ताओं में आशावादी भावना पैदा होने लगी है। वोल्टास को टियर दो और तीन क्षेत्रों से मांग में मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी के एमडी और सीईओ प्रदीप बख्शी ने कहा कि प्रीमियम के अलावा एंट्री लेवल का बाजार भी अच्छी गति से आगे बढ़ रहा है। आभूषण ब्रांड जोयालुक्कास उपभोक्ताओं को गोल्ड रेट प्रोटेक्शन प्लान की पेशकश कर रहा है

ड्रॉ टेस्ट मैच को भारत ने जीत की ओर मोड़ा

कानपुर, एजेंसी। भारत ने कानपुर टेस्ट को ड्रॉ से जीत की ओर मोड़ दिया है। बांग्लादेश ने दूसरे टेस्ट में सोमवार को चौथे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 2 विकेट खोकर 26 रन बनाए। टीम अब भी भारत से 26 रन पीछे है। टीम इंडिया ने आज अपनी पहली पारी 285 रन के स्कोर पर डिक्लेयर कर दी थी।

भारत को 52 रन की बढ़त मिली थी। शादमान इस्लाम और मोमिनुल हक नाबाद हैं। भारत के लिए दोनों विकेट रविचंद्रन अश्विन ने लिए। उन्होंने जाकिर हसन के बाद हसन महमूद को आउट किया। बांग्लादेश पहली पारी में 233 रन बनाकर सिमट गया था। ग्रीन पार्क स्टेडियम में बारिश के कारण दूसरे और तीसरे दिन का खेल नहीं हो सका।

रोहित और जायसवाल ने कानपुर के ग्रीनपार्क में रचा इतिहास

रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम पर 30 सितंबर 2024 को इतिहास रचा। रोहित और यशस्वी ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में भारत की पहली पारी की शुरुआत करते हुए 3 ओवर में ही टीम का स्कोर 50 रन पर पहुंचा दिया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम गेंद में 50 रन पूरे करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। भारतीय टीम इंग्लैंड का जुलाई 2024 में ही बनाया गया रिकॉर्ड पीछे छोड़ा।

भारत ने इस टेस्ट मैच में सबसे तेज 50, 100, 150, 200 और 250 रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किये। भारत के इस तरह इतिहास रचने पर लखनऊ सुपर जायंट्स ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बल्लेबाज बेन डकेट के मजे लिये।

लखनऊ सुपरजायंट्स ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, 'भारत के टेस्ट इतिहास में सबसे तेज अर्धशतक बनाने का सारा श्रेय बेन डकेट को जाता है।' लखनऊ सुपरजायंट्स ने पोस्ट के साथ मीम भी शेयर किया। लखनऊ सुपर जायंट्स की इस पोस्ट पर इंस्टाग्राम यूजर्स ने भी खूब मजे लिये।

दरअसल, फरवरी 2024 में भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल ने राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक से शतक तक पहुंचने में सिर्फ 42 गेंद ली थीं। दिन का खेल खत्म होने के बाद बेन डकेट ने यशस्वी जायसवाल के आक्रामक रवैये की सराहना की थी। हालांकि, साथ ही दावा किया था कि इंग्लैंड के नए क्रिकेट दर्शन ने खिलाड़ियों के बीच अधिक आक्रामक खेल शैली को बढ़ावा दिया है।

लगभग दो साल पहले बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकुलम की जोड़ी के एक साथ आने के बाद से इंग्लैंड की 'बैजबॉल' रणनीति ने उन्हें काफी लाभ पहुंचाया है।

बेन डकेट का मानना है कि कोच ब्रेंडन मैकुलम की इंग्लैंड की 'बैजबॉल' रणनीति के बिना, यशस्वी जायसवाल के साथ-साथ विश्व स्तर पर अन्य खिलाड़ी भी आक्रामक खेल शैली अपनाने के लिये इतना उत्साहित नहीं होते। इसके बाद इंटरव्यू में यशस्वी जायसवाल ने कहा था, 'मैं इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहता। मैं बस वही करने की कोशिश करता हूं, जो मैदान पर कर सकता हूं।'

वनडे मैच में सबसे तेज अर्धशतक मैथ्यू शॉर्ट के नाम

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के ओपनर बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की वनडे सीरीज के 5वें मुकाबले में बेहद तेज गति से रन बनाए। हालांकि वो इस मैच में अर्धशतक लगाकर आउट हो गए, लेकिन उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान एक शानदार रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड वनडे मैच में वो अब सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए और जेम्स फॉकनर का 9 वर्ष पुराना रिकॉर्ड तोड़ने में सफलता हासिल की।मैथ्यू शॉर्ट ने 5वें वनडे में ओपनिंग करते हुए अपनी टीम के लिए तेज गति से रन बनाए और 30 गेंदों पर 4 छक्के और 7 चौकों की मदद से 58 रन की पारी खेल डाली। शॉर्ट का स्ट्राइक रेट इस पारी के दौरान 193.33 का रहा। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने अर्धशतक सिर्फ 23 गेंदों पर पूरा किया और वो ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड वनडे मैच में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड वनडे मैच में सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड जेम्स फॉकनर के नाम पर दर्ज था जिन्होंने साल 2015 में 24 गेंदों पर पर्थ में अपना अर्धशतक पूरा किया था। वहीं इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर मिचेल मार्श और मैथ्यू वेड एक साथ मौजूद हैं जिन्होंने 26-26 गेंदों पर अर्धशतक लगाए थे। जबकि चौथे नंबर पर एडम गिलक्रिस्ट इस लिस्ट में हैं जिन्होंने साल 2003 में 28 गेंदों पर ये कमाल किया था।

निकोलस पूरन ने सीपीएल में एक और तूफानी शतक से टीम को जिताया

नईदिल्ली, एजेंसी। सीपीएल 2024 में निकोलस पूरन का एक और जोरदार प्रहार देखने को मिला है. सीपीएल की पिच पर उन्होंने अपने एक और शतक की तूफानी कहानी लिखी है. 29 सितंबर को गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ उन्होंने एक के बाद एक छक्के बरसाए, रनों की आंधी ला दी और ऐसा करते हुए अपनी टीम ट्रिनबागो नाइट राइडर्स को बड़ी जीत दिलाई. निकोलस पूरन ने सिर्फ शतक ही नहीं जड़ा या उसके दम पर टीम को जीत ही नहीं दिलाई बल्कि ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए एक रिकॉर्ड भी तोड़ा.मुकाबले में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने पहले बल्लेबाजी की, जिसका पहला विकेट तो सिर्फ 1 रन पर गिर गया लेकिन असली खेल उसी के बाद शुरू हुआ क्योंकि निकोलस पूरन क्रीज पर आ चुके थे. निकोलस पूरन ने आते ही रनों की आतिशबाजी शुरू कर दी, जिस नजारे का लुत्फ हर किसी ने भरपूर उठाया. यहां तक कि उनके साथ विकेट पर खड़े जेसन रॉय ने भी.

युजवेंद्र चहल के इंटरनेशनल करियर पर लगा ब्रेक!

टी-20 वर्ल्ड कप के बाद टीम से गायब

नईदिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम को अगले महीने (अक्टूबर) तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है. इस टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान 28 सितंबर (शनिवार) को कर दिया गया. टी20 सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे. टीम में युवा खिलाड़ियों को जगह दी गई है. जबकि सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया गया है.

टी20 वर्ल्ड कप के बाद से चहल नजरअंदाज

इस टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भी शामिल किया गया है. 33 साल के वरुण ने भारत के लिए अपना आखिरी मैच टी20 वर्ल्ड कप 2021 में खेला था. वरुण को युजवेंद्र चहल पर तवज्जो दी गई है, जो उन्हीं की तरह लेगब्रेक गेंदें फेंकते हैं. वैसे चहल का एक बार फिर भारतीय टीम से बाहर रहना फैन्स को काफी हैरान कर रहा. चहल टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम का पार्ट थे, जहां उन्हें कोई मैच खेलने को नहीं मिला था. उस टी20 वर्ल्ड कप के बाद चहल टीम से ही गायब हो चुके हैं. चहल को जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी नहीं चुना गया था. साथ ही वो श्रीलंका टूर के लिए भी सेलेक्ट नहीं हुए थे. अब बांग्लादेश सीरीज से भी उन्हें बाहर का रास्ता दिखा गया. देखा जाए तो चहल काफी महीनों से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेल पाए हैं, जबकि कुछ दौरों पर वो टीम का हिस्सा रहे. 34 साल के युजवेंद्र चहल ने भारत के लिए अपना आखिरी टी20 मुकाबला पिछले साल अगस्त में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था. वहीं उनका आखिरी ओडीआई मैच पिछले साल जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ था. चहल को पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी. साथ ही 2024 की तरह 2022 के टी20 वर्ल्ड कप में भी चहल कोई मैच नहीं खेल पाए थे, जो काफी चौंकाने वाला है.

टी20 में भारत के सबसे सफल गेंदबाज

युजवेंद्र चहल ने साल 2016 में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था. चहल भारत के लिए अब तक 72 वनडे और 80 टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेल चुके हैं. वनडे इंटरनेशनल में चहल के नाम पर 27.13 की औसत से 121 विकेट दर्ज हैं, जिसमें दो पांच विकेट हॉल शामिल रहे. वहीं टी20 इंटरनेशनल में चहल ने 25.09 की औसत से 96 विकेट हासिल किए हैं. इस दौरान उनका बेस्ट प्रदर्शन 25 रन देकर छह विकेट रहा है. टी20 इंटरनेशनल में चहल भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज हैं. चहल ने अबतक भारत के लिए एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है.

चहल ने दिखाया है काफी धांसू फॉर्म

देखा जाए तो युजवेंद्र चहल काफी शानदार फॉर्म में चल रहे हैं. चहल ने इंग्लैंड में जारी काउंटी चैम्पियनशिप में अपनी योग्यता साबित की है, जहां उन्होंने नॉर्थम्पटनशायर के लिए लगातार दो मैचों में 9-9 विकेट लिए. चहल ने आईपीएल के पिछले दो सीजन में भी शानदार खेल दिखाया था. चहल ने आईपीएल 2024 में 15 मैचों में 30.33 के एवरेज से 18 विकेट चटकाए. वहीं आईपीएल 2023 में इस स्पिनर ने 20.57 के एवरेज से 21 विकेट हासिल किए थे. चहल आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदबाज हैं. चहल ने 160 आईपीएल मैचों में 22.44 के एवरेज से 205 विकेट लिए हैं. आईपीएल में चहल के बाद सबसे ज्यादा विकेट पीयूष चावला (183 विकेट) के नाम पर हैं.

टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, रियान पराग, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, मयंक यादव.

भारत-बांग्लादेश टी20 सीरीज का शेड्यूल

पहला टी20- 6 अक्टूबर, ग्वालियर
दूसरा टी20- 9 अक्टूबर, दिल्ली
तीसरा टी20- 12 अक्टूबर हैदराबाद-
(तीनों टी20 मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होंगे)

रविंद्र जडेजा सबसे तेज 300 विकेट और 3000 टेस्ट रन का डबल बनाने वाले भारतीय बने

कानपुर, एजेंसी। भारत बनाम बांग्लादेश दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने इतिहास रच दिया। रविंद्र जडेजा सबसे तेज 300 विकेट और 3000 टेस्ट रन का डबल बनाने वाले भारतीय बने। रविंद्र जडेजा ने बांग्लादेश के खालिद अहमद का विकेट लेने के साथ ही यह उपलब्धि अपने नाम की। खालिद के आउट होने के साथ ही बांग्लादेश की पहली पारी 233 रन के स्कोर पर समाप्त हुई। रविंद्र जडेजा 300 टेस्ट विकेट लेने वाले सातवें भारतीय गेंदबाज हैं। उन्होंने 17428वीं गेंद पर अपना 300वां विकेट हासिल किया। वह सबसे कम गेंद में 300 विकेट लेने वाले रविचंद्रन अश्विन (15636) के बाद दूसरे सबसे तेज गेंदबाज हैं। देश के 92 साल के टेस्ट सफर में एक अनोखा हॉल ऑफ फेम है। इसमें उनसे पहले सिर्फ छह भारतीय ही यह मुकाम हासिल कर पाए।

कानपुर के ग्रीनपार्क में बांग्लादेश की पहली पारी में रविंद्र जडेजा का यह पहला विकेट था। इससे पहले रविंद्र जडेजा के 299 विकेट में से 216 विकेट टेस्ट जीत के दौरान आए। उनकी 72.74त्न की यह सफलता दर (सक्सेस रेट) क्रिकेट इतिहास में सभी स्पिनर्स में सबसे अधिक है। टेस्ट जीत प्रतिशत के मामले में केवल तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा और ब्रेट ली ही उनसे आगे हैं।

भारत ने 285 रन बनाकर पारी घोषित की

भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में दूसरा टेस्ट मैच खेल जा रहा है। मुकाबले के चौथे दिन यानी सोमवार को भारत ने अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 285 रन बनाकर घोषित कर दी। भारत ने 52 रनों की बढ़त हासिल की है। बांग्लादेश की पहली पारी 233 रनों पर सिमटी थी। भारत के लिए यशस्वी जायसनास (72), केएल राहुल (68) ने अर्धशतक जमाया। विराट कोहली (47) और शुभमन गिल (39) फिफ्टी से चूक गए। कप्तान रोहित शर्मा ने 23 रन का योगदान दिया।भारत ने अपनी पहली पारी की आतिशी शुरुआत की। यशस्वी और रोहित ने मात्र 3 ओवर में 50 रन का आंकड़ा पार किया। भारत को पहला झटका मेहदी हसन मिराज ने चौथे ओवर में रोहित शर्मा को 23 के निजी स्कोर पर बोल्ड करके दिया। यशस्वी जायसवाल ने 31 गेंदों पर अर्धशतक जड़ बांग्लादेशी गेंदबाजों की धुनाई करना जारी रखा। यशस्वी को 15वें ओवर में हसन महमूद ने बोल्ड किया।

शंकर दास ने 7 साल बाद गोलकोंडा मास्टर्स गोल्फ में जीता खिताब

हैदराबाद, एजेंसी। कोलकाता के गोल्फर शंकर दास ने रविवार को यहां अंतिम दौर में 64 के शानदार कार्ड के साथ एक करोड़ रुपए की इनामी राशि वाले तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स में 3 शॉट से जीत हासिल की। उन्होंने इस जीत के साथ ही सात साल के खिताबी सूखे को खत्म किया। तीसरे दौर के बाद संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे दास ने कुल 18 अंडर 262 (70-64-64-64) का स्कोर बनाया। उन्होंने इस दौरान आखिरी 53 होल में एक भी बोगी नहीं लगाई। उन्हें इस जीत से पुरस्कार के तौर पर 15 लाख रुपए मिले और वह पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 42वें से 14 स्थान पर पहुंच गए। चंडीगढ़ के अंगद चीमा 15 अंडर 265 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने चौथे दौर में 69 का कार्ड खेला। गुरुग्राम के वीर अहलावत (68) 14 अंडर 266 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

आरसीबी पहले और दूसरे नंबर पर इस खिलाड़ी को करेगी रिटेन, मैक्सवेल और डुप्लेसिस का क्या होगा!

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में आरसीबी की टीम बदली-बदली सी नजर आने वाली है। इस बार टीमों को 6 खिलाड़ियों को रिटेन (आरटीएम के इस्तेमाल के साथ) करने की अनुमति मिली है, जिसमें एक अनकैप्ड खिलाड़ी किया जा सकता है। आरसीबी आईपीएल 2025 की नीलामी में नए कप्तान की तलाश में होगी क्योंकि वो फॉफ डुप्लेसिस के विकल्प की तलाश में हैं। इसके अलावा आरसीबी कुछ खिलाड़ियों को जरूर रिटेन करेगी जो उनकी टीम के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

आरसीबी इस बार जिन दो खिलाड़ियों को पहले दो स्थान के लिए रिटेन कर सकती है उसमें पहला नाम निश्चित तौर पर विराट कोहली का होगा जो इस टीम के स्टार बल्लेबाज हैं। आईपीएल 2024 में कोहली ने इस टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए और

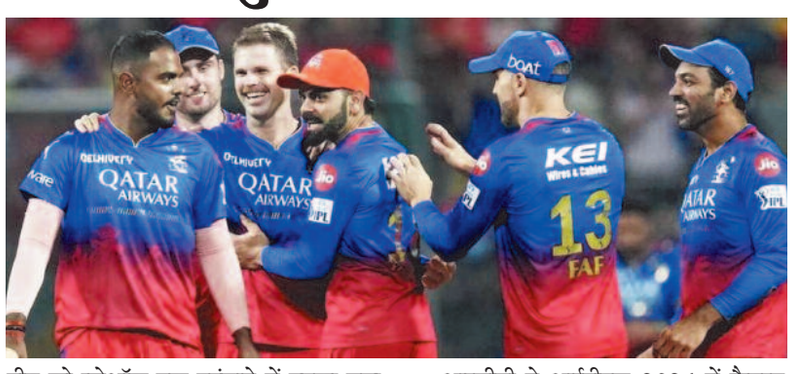

टीम को प्लेऑफ तक पहुंचाने में उनका बड़ा योगदान रहा था। यानी विराट कोहली पहले स्थान के लिए रिटेन किए जाते हैं तो उन्हें 18 करोड़ रुपये मिलेंगे। कोहली के बाद कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें ये टीम रिटेन करना चाहेगी, लेकिन फ्रेंचाइजी चाहेगी कि इसके लिए उन्हें सही मूल्य चुकाना पड़े।

आरसीबी ने आईपीएल 2024 में कैमरन ग्रीन को मुंबई इंडियंस से 17.5 करोड़ रुपये में ट्रेड किया था, लेकिन वो शायद ही इस खिलाड़ी पर इतने पैसे खर्च करने को तैयार होंगे। ऐसे में आरसीबी उनके लिए आरटीएम का इस्तेमाल कर सकती है, लेकिन ऐसा तब होगा जब ग्रीन नीलामी में जाएंगे।

आईओसी की सदस्य नीता अंबानी ने पदकवीरों को किया सम्मानित

मुंबई, एजेंसी। नीता ने ओलंपिक में दो कांस्य जीतने वाली मनु भाक, भालाफेंक में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा और पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता नवदीप सिंह और कांस्य पदक विजेता मोना अग्रवाल को सम्मानित किया।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की सदस्य और रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष नीता अंबानी ने पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में पदक जीतने वाले कुछ एथलीट्स को सम्मानित किया है। इस दौरान नीता ने ओलंपिक में दो कांस्य जीतने वाली मनु भाक, भालाफेंक में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा और पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता नवदीप सिंह और कांस्य पदक विजेता मोना अग्रवाल को

सम्मानित किया। मुंबई में नीता ने अपने आवास एंटीलिया में आयोजित कार्यक्रम यूनाइटेड इन ट्रायम्फ में भारत के ओलंपियन और पैरालंपियनों को सम्मानित किया।

दरअसल, मनु का नाम कुछ समय पहले पेरिस ओलंपिक रजत पदक और टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा से जोड़ा जा रहा था। हालांकि, उनके परिवार से इसका खंडन आ चुका है। मनु एक शो के दौरान नीरज को लेकर सवाल पूछे जाने पर नाराज हो गई थीं और इवेंट छोड़कर चली गई थीं। पेरिस ओलंपिक खेलों में देश को दो कांस्य पदक दिलाने वाली मनु भाकर को मैदान के बाहर कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। कई ब्रांडों ने उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें बधाई देते हुए अवैध रूप से उनकी तस्वीरों का उपयोग किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मनु भाकर की टीम ने सुझाव दिया है कि जो लोग भारतीय निशानेबाज से औपचारिक रूप से जुड़े नहीं हैं, उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई विज्ञापन जारी करने का कोई अधिकार नहीं है।

पैरा शूटर मोना अग्रवाल ने पैरालंपिक में 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में 228.7 का स्कोर बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया था और भारत को कांस्य पदक दिलाया था। 37 वर्षीय पैरा शूटर मोना अग्रवाल ने पेरिस पैरालंपिक में तीन पदक स्पर्धाओं में हिस्सा लिया था। व्हीलचेयर के जरिए चलने वाली मोना ने पैरा एथलेटिक्स की ओर रुख किया। उन्होंने शॉट पुट, डिस्कस, जेवलिन थ्रो और पावरलिफ्टिंग में हाथ आजमाया और राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में पहुंचकर अपनी पहचान बनाई। हालांकि, उनका शरीर एथलेटिक्स की कठोरता को झेलने में असमर्थ था तब उन्होंने अपने सपनों को पूरा करने के लिए 2021 में पैरा शूटिंग की ओर रुख किया।

'गंदी बात' की क्लिप देख

मां-बाप ने रिश्ता तोड़ा, सफलता मिली तो विरोधी भी कायल हुए

मध्यप्रदेश के छतरपुर की रहने वाली एक्ट्रेस अन्वेषी जैन की सफलता की कहानी दूसरे आर्टिस्ट से थोड़ी अलग है। बचपन से इन्हें बॉडी शेमिंग झेलनी पड़ी। एक तरह से इनका शरीर इनके लिए अभिशाप बन गया था। घर वाले हमेशा ढंकर रहने को कहते थे।

स्कूल खत्म होने के बाद इंजीनियरिंग में दाखिला कराया। वहां से एक्टिंग में रुझान हुआ। भोपाल में थिएटर किया। फिर मुंबई आना हुआ। खुद को साबित करने की होड़ में वेब सीरीज गंदी बात में काम किया, लेकिन यह बैकफायर कर गया। घर वालों ने बात करनी बंद कर दी। इंडस्ट्री ने भी उन्हें एक ही लीक में लाकर खड़ा कर दिया।

अपनी इमेज को बदलने के लिए अन्वेषी ने कड़ी मेहनत की। एक्टिंग और सिंगिंग पर खूब काम किया। उनकी मेहनत रंग लाई। आज उनके पास कई प्रोजेक्ट्स हैं। बतौर एक्ट्रेस वे कन्नड फिल्म मार्टिन में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वे तेलुगु फिल्मों का भी हिस्सा हैं।

शारीरिक बनावट की वजह से घर वाले सलवार-कमीज में रहने को बोलते थे. मैं पुराने ख्यालों वाली एक रूढ़िवादी फैमिली से आती हूं। मां और पिताजी दोनों प्रोफेसर हैं। मेरे घर में लड़कियों को हमेशा तौर-तरीके से रहना बताया गया था। बचपन से ही मेरी शरीर की बनावट ऐसी थी कि मुझे अन्य लड़कियों की अपेक्षा काफी परेशानी झेलनी पड़ी। घर वालों को लगता था कि लोगों की नजर मुझ पर पहले पड़ेगी, इसी वजह से वे मुझे हमेशा सलवार-कमीज में ढंककर रहने को कहते थे।

● फिल्म टाइटैनिक देख एक्टिंग में रुझान पैदा हुआ

एक बार टीवी पर हॉलीवुड फिल्म टाइटैनिक देख ली। उस दिन के बाद पता नहीं क्या हुआ कि मेरा इंटरेस्ट अचानक फिल्मों में हो गया। उस दिन के बाद से ही हीरोइन बनने के सपने देखने लगी। मैंने सोचा कि अगर फिल्मों में आ गई और खुद के दम पर नाम बना लिया, तो जो इज्जत कभी नहीं मिली वो शायद मिलने लगेगी। हालांकि मन हमेशा आशंकित रहता था। सोचती थी कि जिस लड़की को बिना दुपट्टा घर से बाहर निकलने की इजाजत नहीं थी, वो फिल्मी दुनिया में कैसे काम कर पाएगी।

इन सब के बीच मैं इंजीनियरिंग करने भोपाल चली गई। घर से तीन हजार रुपए पॉकेट मनी मिलती थी। इसमें पूरे महीने का काम चलाना पड़ता था। इंजीनियरिंग कॉलेज में आने के बाद थोड़ी बहुत आजादी फील हुई। यहां मैं कभी-कभार जींस टॉप पहन लेती थी। इसी बीच मैंने भोपाल में ही थिएटर जॉइन कर लिया।

इंटीरियर डिजाइनिंग का बिजनेस सेटअप किया। घर से फीस के लिए जो पैसे मिले थे, वो भी उसमें लगा दिया। वहां मेरा काम अच्छा चलने लगा। हालांकि जब यह बात मेरे घर वालों को पता चली तो उनका गुस्सा देखने लायक था।

● जिस घर में रहती थी वहां आग लगी, 1800 रुपए लेकर मुंबई आई

बिजनेस में हाथ आजमाने के बाद मैं इवेंट्स में एंकरिंग करने लगी। मैं इसके जरिए स्पीकिंग स्किल डेवलप करना चाहती थी। मुझे छोटे-बड़े इवेंट्स में होस्टिंग के ऑफर आने लगे। वहां से भी अच्छी कमाई हो जाती थी। हालांकि एक दिन कुछ ऐसा हुआ कि सब कुछ बदल गया। मैं इंदौर में जिस घर में रहती थी, उसमें आग लग गई। मेरे सारे कपड़े, जरूरी सामान, कागजात और कुछ पैसे जलकर राख हो गए। इस घटना के बाद मैंने ठान लिया कि अब यहां रहना ही नहीं है। दो हफ्ते के भीतर मैंने मध्य प्रदेश छोड़ा और सिर्फ 1800 रुपए लेकर मुंबई आ गई।

● कैमरे पर मोटी दिखती थी, लगा कि अभी तैयार नहीं हूं

मुंबई आने पर एक जानने वाले के घर में रहने लगी। उनका एक कमरे का ही घर था, लेकिन उन्होंने मुझे बहुत अच्छे से रखा। मुंबई आते ही मैंने ऑडिशन देने शुरू कर दिए। हालांकि एक-दो ऑडिशन के बाद मुझे खुद में लगा कि अभी तैयार नहीं हूं। कैमरे पर काफी मोटी लग रही थी, साथ ही एक्टिंग भी उस लेवल पर नहीं हो पा रही थी। कंडीशन इतनी खराब थी कि मैं खुद अपने आप को कास्ट न करूं, कोई दूसरा क्या करेगा।

परेशान होकर मैंने अपने एक्टिंग कोच को फोन किया। उन्होंने कहा कि बेटा, तुम सपने तो बड़े-बड़े देख रही हो, लेकिन उस हिसाब से मेहनत नहीं कर पा रही हो। इस बात ने मुझे आईना दिखा दिया। मैंने कुछ वक्त के लिए ऑडिशन देना बंद किया और 90 दिन का एक चार्ट बनाया। इन 90 दिनों में अपनी बॉडी और स्किल्स पर खूब काम किया।

परवरिश कभी भी स्टार किड्स के तौर पर नहीं हुई : श्रिया पिलगांवकर

सचिन पिलगांवकर और सुप्रिया की बेटी श्रिया ने पेरेंट्स के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग प्रोफेशन को ही चुना। श्रिया मानती हैं कि उनकी परवरिश कभी भी स्टार किड्स के तौर पर नहीं हुई है। एक्ट्रेस ने करियर की शुरुआत मराठी फिल्म 'एकुल्ती एक' से की। हिंदी फिल्मों में शाहरुख खान की 'फैन' में बड़ा मौका मिला। लेकिन वेब सीरीज में ज्यादा कामयाबी मिली है। श्रिया की 'ताजा खबर' का दूसरा सीजन डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो चुका है। हाल ही में एक्ट्रेस ने की। सबसे बड़ी चुनौती यह आती है कि पहले से और क्या बेहतर किया जा सकता है। 'मिर्जापुर' के बाद 'ताजा खबर' की काफी चर्चा रही है। हम दर्शकों का फीडबैक लेते हैं और कुछ बेहतर करने की कोशिश करते हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं था कि सीजन वन हिट हो गया तो कुछ भी बना लें। इस बार थोड़ा एक्शन है और मुझे भी एक्शन करने का मौका मिला है। वैसे भी मुझे एक्शन करना पसंद है। ऐसा लोगों को लगता है कि पेरेंट्स एक्टिंग फील्ड से हैं तो एक्टिंग ही में दिलचस्पी होगी। ऐसा होता होगा, लेकिन मेरे मामले में ऐसा नहीं था। मेरी दिलचस्पी दूसरे कामों में बहुत थी। मुझे फिल्म मेकिंग और कहानियां कहने में बहुत दिलचस्पी थी। मैं तो फिल्म मेकिंग का कोर्स कर रही रही थी। फिल्म मेकिंग की कोर्स के साथ-साथ थिएटर भी करने लगी थी। पहली बार एक फेस्टिवल के लिए 10 मिनट का नाटक किया। उसके लिए एक महीने तक रिहर्सल की थी। उस दौरान एक्टिंग में मुझे दिलचस्पी लगने लगी। मुझे लगने लगा कि एक्टिंग में करियर बनाना चाहिए। मम्मी ने कहा कि घूम फिर कर तुमको भी यही काम करना है। उन्हें लगा था कि कोई और काम करेगी। पापा ने वह नाटक देखा था। उस समय मराठी फिल्म 'एकुल्ती एक' की कहानी लिख रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी और को फिल्म में कास्ट करने से बेहतर है कि क्यों ना श्रिया को ही कास्ट कर लें। घर का माहौल एक्टिंग की यूनिवर्सिटी की तरह है। पेरेंट्स का एक अलग मुकाम और पहचान है। मैं तो अभी खुद का नाम बनाने की कोशिश कर रही हूं। अपने पेरेंट्स की लिगेसी को आगे बढ़ाना है। उन दिनों मैं खूब ऑडिशन दे रही थी। वाईआरएफ में भी मैं लगातार अलग-अलग भूमिकाओं के लिए ऑडिशन दे रही थी। उसी दौरान फिल्म 'फैन' के लिए ऑडिशन दिया था। फिल्म के डायरेक्टर मनीष शर्मा ने नेहा सिंह की भूमिका के लिए 750 लड़कियों में से चुना था।

बिग बॉस 18 में नजर आएंगी निया

बिग बॉस ओटीटी 3 खत्म होने के बाद से ही बिग बॉस 18 को लेकर लोगों के बीच एक अलग ही हाइप बना हुआ था। इसके बाद बीते हफ्ते मेकर्स ने शो का पहला प्रोमो भी शेयर कर दिया और साथ ही यह भी बता दिया कि ये शो कब ऑनएयर होने वाला है। प्रोमो देखने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई। वहीं, काफी समय से इसमें शामिल होने वाले कंटेस्टेंट के नाम भी सामने आते रहे हैं। दरअसल, 'खतरों के खिलाड़ी 14' के फिनाले में रोहित शेट्टी ने कहा कि उन्हें वो एक नाम पता है, जो बिग बॉस में जाने वाला है। इसके बाद शो में लाफ्टर शेफ्स से भारती सिंह, कश्मीरा और निया शर्मा आईं। उन्होंने कंटेस्टेंट और होस्ट के साथ काफी मस्ती की। फिर लास्ट में रोहित शेट्टी ने एलान किया कि सलमान खान के शो की पहली कन्फर्म कंटेस्टेंट निया है, जो बिग बॉस के घर में दिखाई देने वाली है।

खतरों के खिलाड़ी 14 के विजेता बने करण वीर मेहरा

रोहित शेट्टी के जरिए होस्ट किए जाने वाले स्टंट बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 को उसका विजेता मिल गया है। विनर की चमचमाती ट्रॉफी करण वीर मेहरा ने उठाई है। कई हफ्तों के कठिन स्टंट और कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद करण वीर ने कृष्णा श्रॉफ और गश्मीर महाजनी को मात देते हुए विजेता का ताज अपने सिर सजाया। साथ ही एक नई हुंडई क्रेटा घर ले गए। इतना ही नही प्राइज मनी के रूप में करण वीर को 20 लाख रुपये मिले। खतरों के खिलाड़ी 14 के टॉप 2 में करण वीर मेहरा और कृष्णा श्रॉफ थे, गश्मीर तीसरे स्थान पर रहे। पूरे सीजन में अपने शांत दृष्टिकोण और दृढ़ भावना के लिए जाने जाने वाले करण वीर ने लास्ट स्टंट में इतना बेहतरीन प्रदर्शन किया कि वह विजेता की ट्रॉफी अपने नाम करने में सफल हो गए। ट्रॉफी जीतने के बाद करण वीर मेहरा ने मीडिया से रूबरू होते हुए अपने विश का खुलासा किया।

ट्रॉफी जीतने के लिए मांगी थी यह विश

अभिनेता ने बताया कि उन्होंने विश मांगी थी कि अगर वह खतरों के खिलाड़ी 14 की ट्रॉफी जीत लेंगे तो घर आते ही अपने सारे बाल उड़ा देंगे। करण वीर ने यह भी कहा कि अगर आसिम रियाज होते तो वह शो जीत सकते थे, लेकिन अपनी बेवकूफी की वजह से उन्होंने सबकुछ खराब कर दिया।

जानकारी हो कि करण वीर मेहरा जाने-माने टेलीविजन अभिनेता हैं। वह टीवी के कई टॉप शोज का हिस्सा रह चुके हैं। अभिनेता सोशल मीडिया पर भी काफी ज्यादा एक्टिव रहते हैं। साथ ही अपनी पोस्ट से दर्शकों का ध्यान आकर्षित करते नजर आते हैं।

अनिल कपूर ने आईफा 2024 में जीता बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड

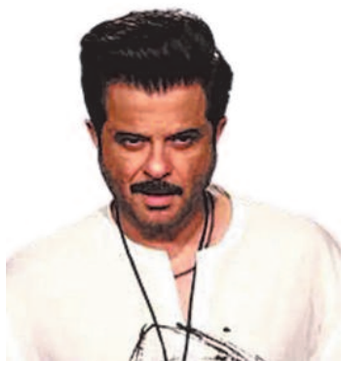

अनिल कपूर एक ऐसी उल्लेखनीय और प्रशंसनीय विरासत छोड़ रहे हैं, जिसका अनुसरण करना या उसे दोहराना अगली पीढ़ी के एक्टर्स के लिए कठिन होगा। सिनेमा के इस दिग्गज ने बहुप्रशंसित फिल्म एनिमल में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए 2024 के इंटरनेशनल इंडियन फिल्म अकादमी अवॉर्ड्स में बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड जीता है। संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित इस फिल्म में बलबीर सिंह उर्फ रणबीर कपूर के पिता का किरदार निभाने वाले एक्टर को फिल्म में उनके किरदार के लिए काफी प्रशंसा मिली। एनिमल में अनिल कपूर का काम उनकी स्थायी प्रतिभा का प्रमाण है, जो एक बार फिर साबित करता है कि उन्हें भारतीय सिनेमा में एक लीजेंड के रूप में क्यों जाना जाता है। दिलचस्प बात यह है कि अभिनेता ने फिल्म में अपने काम के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार भी जीता, जो 2023 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई। इस साल की शुरुआत में, कपूर ने एआई के दुरुपयोग के खिलाफ अपने रुख के लिए टाइम द्वारा सम्मानित होकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। इस सम्मान को और भी खास बनाने वाली बात यह थी कि कपूर इस लिस्ट में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय अभिनेता थे।

इसके बाद कपूर की उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जुड़ गई। उनकी सीरीज द नाइट मैनेजर, जो ब्रिटिश सीरीज का एडाप्टेशन है, उसको इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में नॉमिनेशन मिला। इसने अवॉर्ड्स की बेस्ट ड्रामा सीरीज कैटेगरी के तहत एक नॉमिनेशन पाया, और यह एमी के लिए एकमात्र इंडियन एंट्री भी है, जिसने कपूर की ग्लोबल अपील को और स्थापित किय।

टाइटैनिक का दरवाजे वाला दृश्य पर केट विंसलेट ने किया खुलासा

केट विंसलेट टाइटैनिक फिल्म के जादू पर से पर्दा हटा रही हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में अभिनेत्री ने उस दृश्य को फिल्माने पर चर्चा की, जिसमें रोज एक दरवाजे के टुकड़े पर तैरती है और लियोनार्डो डिकैप्रियो का जैक जम जाते हैं। अभिनेत्री ने बताया कि परिस्थितियां इतनी खतरनाक नहीं थीं, जितनी कि स्क्रीन पर दिख रही थीं। उन्होंने खुलासा किया कि ह एक बहुत ही अजीब टैंक था, क्योंकि वह टैंक कमर की ऊंचाई का था। मुझे डर था कि लियो टैंक के तल पर घुटनों के बल बैठे थे।

विंसलेट ने कहा कि टैंक के दृश्य की वजह से वे परेशानी में आ गई थीं और बार बार बाथरूम जाने के बारे में सोचती थी। उन्होंने कहा कि वे अक्सर सोचती थीं कि क्या मैं टॉयलेट करने जा सकती हूं और फिर वे उठी और दरवाजे से उतरती थीं। इसके बाद 20 फीट दूर टैंक के किनारे तक जाती। इसके लिए उन्हें सचमुच अपना पैर ऊपर उछालना पड़ता था और टैंक से बाहर निकलकर टॉयलेट करने जाना पड़ता था। फिर उन्हें वापस आकर फिर से दरवाजे पर रेंगना पड़ता था। उन्हें लगता है कि इन बातों को स्वीकार करना मुश्किल और भयानक है।

अभिनेत्री ने बताया कि टैंक में लगातार पानी की वजह से शोर होता था, जिससे सीक्वेंस के ऑडियो में काफी समस्याएं पैदा हो जाती थीं। उन्होंने बताया कि टैंक के किनारों के बारे में सबसे हैरानी की बात यह थी कि यह एक बड़ा टैंक था, इसलिए लगातार पानी बह रहा था और पानी की लगातार आवाज सुनी जा सकती थी। कलाकारों को फिल्मांकन पूरा होने के बाद अपनी डायलॉग को फिर से रिकॉड करना पड़ा था।

विवेक ने बिना नाम लिए सलमान पर साधा निशाना!

● शाहरुख की तारीफ कर बोले- बहुत लोगों के पास फेम और पावर है, लेकिन आपने इसे सही इस्तेमाल किया

हाल ही में आयोजित हो रहे आईफा अवॉर्ड 2024 से आ रहे कई वीडियोज सुर्खियों में है। इस दौरान विवेक ऑबेरॉय का भी एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वो शाहरुख खान की तारीफों के पुल बांधते हुए नजर आए हैं। हालांकि उनके मंच पर दिए गए बयान को सलमान खान से जोड़कर देखा जा रहा है। फैंस का मानना है कि विवेक ने बिना नाम लिए सलमान पर निशाना साधा है। वायरल हो रहे वीडियो में विवेक ऑबेरॉय मंच पर शाहरुख खान के साथ नजर आ रहे हैं। इस दौरान शाहरुख की तारीफ में विवेक ने कहा है, ये आदमी, मैं सच कह रहा हूं, ये सिर्फ ऑन स्क्रीन किंग नहीं बल्कि ये ऑफ स्क्रीन भी किंग ऑफ हार्ट हैं। कई लोगों के पास फेम और पावर है, लेकिन जो आपकी सबसे स्पेशल बात है, वो ये कि आपने अपने पावर का इस्तेमाल लोगों को आगे बढ़ाने के लिए किया है। विवेक की तारीफ सुनकर शाहरुख खान ने भावुक होकर कहा है, अभी तुमने और बोला तो ये अवॉर्ड मैं खुद रख लूंगा। वीडियो सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि विवेक ने बिना किसी का नाम लिए सलमान खान पर निशाना साधा है। क्योंकि विवेक कई बार ये दावा कर चुके हैं कि सलमान खान ने अपने पावर का इस्तेमाल कर उन्हें कई फिल्मों से निकलवाया था, जिससे उनका करियर बर्बाद हुआ है। बताते चलें कि एक समय में सलमान खान से ब्रेकअप के बाद ऐश्वर्या राय का नाम विवेक ऑबेरॉय से जुड़ा था। इस दौरान विवेक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया था कि सलमान उन्हें लगातार धमकियां दे रहे हैं।